खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 20 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-137

सुप्रीम कोर्ट का ‘बेरहम’ फैसला

कुत्ते आतंकवादी!

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश में बदलाव करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने डॉग लवर्स और सभी एनजीओ की याचिकाएं खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि सात नवंबर के आदेश में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। आवारा कुत्तों को लेकर राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों को भी सुप्रीम कोर्ट ने नाकाफी बताया।

आवारा कुत्तों को लेकर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, देशभर में कुत्तों के काटने की घटनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता, जहां बच्चों को काटा गया। यह कोर्ट यह नहीं भूल सकता कि एबीसी फ्रेमवर्क 2001 में शुरू किया गया था। आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी के हिसाब से संसाधनों को बढ़ाने और उसकी मात्रा तय करने की कोशिशों की कमी साफ तौर पर देखी जा रही है। बिना प्लानिंग के नसबंदी और वैक्सीनेशन ड्राइव चलाए गए। इससे आवारा कुत्तों की आबादी को कंट्रोल करने का मकसद पूरा नहीं होता।

पागल, खतरनाक कुत्तों को दयामृत्यु...

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि इंसानी जान और सुरक्षा को होने वाले खतरे को रोकने के लिए पागल, बीमार या

खतरनाक/आक्रामक कुत्तों को दयामृत्यु (यूथेनेशिया) दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे उपाय किए जाएं, जो कानूनी तौर पर मंजूर हों, जिसमें दयामृत्यु भी शामिल है। उन मामलों में जहां कुत्ते पागल हों, लाइलाज बीमारी से पीड़ित हों, या साफ तौर पर खतरनाक/आक्रामक हों, ताकि इंसानी जान और सुरक्षा को होने वाले खतरे को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर और दिशानिर्देश जारी किए

1.राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एबीसी फ्रेमवर्क के लिए ज़रूरी संसाधनों को बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए निर्णायक, समन्वित और समय-सीमा के भीतर कदम उठाने होंगे।

2.हर ज़िले में कम से कम एक पूरी तरह से काम करने वाला एबीसी सेंटर बनाना सुनिश्चित करें, जो ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षित कर्मचारियों, सर्जिकल सुविधाओं और सहायक लॉजिस्टिक्स से पूरी तरह लैस हो।

3.हर ज़िले की जनसंख्या घनत्व और भौगोलिक विस्तार को ध्यान में रखते हुए, एबीसी सेंटरों की संख्या बढ़ाने के बारे में फैसला लिया जाए।

4.राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन निर्देशों को बिना किसी देरी के, अक्षरशः और भावना के साथ लागू करने के लिए सभी ज़रूरी उपाय करने होंगे।

5.अधिकारियों को इस कोर्ट के निर्देशों का विस्तार अन्य सार्वजनिक जगहों तक करने का फैसला लेना होगा, जहां लोगों की भारी भीड़ और सार्वजनिक उपयोग होता है - जैसे कि सार्वजनिक सभा और आवागमन के स्थान, ताकि जनता के लिए एक सुरक्षित और महफूज माहौल सुनिश्चित किया जा सके।

6.ऐसा फैसला जमीनी हकीकतों, सार्वजनिक सुरक्षा को होने वाले जोखिम और ऐसी जगहों की कार्यप्रणाली का सावधानीपूर्वक आकलन करने के बाद ही लिया जाए।

7.राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी सरकारी चिकित्सा सुविधाओं में एंटी-रेबीज वैक्सीन और इम्यूनोग्लोबुलिन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी, और कुत्ते के काटने के मामलों से निपटने के लिए एक प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करना होगा।

8.एनएचएआई, संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के समन्वय से, राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों की मौजूदगी से निपटने के लिए एक व्यापक और समय-सीमा वाला तंत्र तैयार करेगा और उसे लागू करेगा। इसमें आवारा पशुओं और अन्य जानवरों को सुरक्षित रूप से संभालने और उन्हें दूसरी जगह ले जाने के लिए विशेष परिवहन वाहनों की तैनाती, उचित होल्डिंग और आश्रय सुविधाओं का निर्माण या उन्हें चिन्हित करना, और सुरक्षित संचालन व स्थानांतरण के लिए पशु कल्याण संगठनों के साथ उचित व्यवस्था करना शामिल है।

▶10 पर

‘पुष्पा’ झुक गया साला!

48 घंटे पहले जहाँगीर ने मैदान छोड़ा

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)।

बंगाल की सियासत में झुकेगा नहीं का दंभ भरने वाले तृणमूल कांग्रेस के बाहुबली नेता और फलता विधानसभा सीट से उम्मीदवार जहांगीर खान आखिरकार चुनाव से ठीक 48 घंटे पहले घुटनों पर आ गए। 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से ठीक पहले, प्रचार के आखिरी दिन जहांगीर ने चुनावी मैदान छोड़ने का एलान कर दिया। राज्य में नवगठित भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के स्पेशल पैकेज और उनकी सख्त चेतावनी के बाद जहांगीर का यह आत्मसमर्पण बंगाल की राजनीति में एक नए युग की आहट है।

दिलचस्प बात यह है कि जहांगीर खान ने चुनावी मैदान से हटने की वजह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा फलता के विकास के लिए घोषित विशेष पैकेज को बताया है, जबकि नामांकन वापसी की तारीख बीत जाने के कारण ईवीएम पर उनका नाम दर्ज रहेगा।

जहांगीर खान का राजनीतिक इतिहास हाल के दिनों में खासी चर्चा में रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान डायमंड हार्बर पुलिस जिले के कड़क पुलिस पर्यवेक्षक यूपी के आइपीएस अजयपाल शर्मा (जिन्हें सिंघम कहा जाता है) को खुलेआम चुनौती देकर जहांगीर ने खुद को बंगाल की राजनीति का पुष्पा घोषित किया था। तत्कालीन भाजपा विरोधी लहर में उन्होंने दावा किया था कि वे किसी के सामने सिर नहीं नवाएंगे। यह वही जहांगीर खान हैं, जिनके लिए कभी तृणमूल के एक प्रवक्ता रिजू दत्ता ने पार्टी से पांच साल के लिए निलंबित होने के बाद इसी अधिकारी से बिना शर्त माफी मांगी थी। लेकिन सत्ता बदलते ही जहांगीर की वह ठसक हवा हो गई। सोमवार को गिरफ्तारी से बचने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट से सुरक्षा कवच लेने के अगले ही दिन जहांगीर ने सीधे सरेंडर कर दिया।

गत 29 अप्रैल को अंतिम चरण के मतदान के दौरान फलता में ईवीएम के साथ छेड़छाड़ और धांधली की शिकायत पूर्व नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने चुनाव आयोग से की थी। आयोग ने पुनर्मतदान का फैसला सुनाया और इस बीच चार मई को आए चुनावी नतीजों में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ बंगाल की सत्ता पर कब्जा कर लिया। मंगलवार को मुख्यमंत्री बनते ही शुभेंदु अधिकारी ने फलता में रोड शो करते हुए हुंकार भरी थी कि भाईपो (भतीजे) के पुष्पा ने लंबे समय तक जनता को वोट नहीं देने दिया, अब जनता इन्हें शून्य पर समेटकर इसका जवाब देगी। शुभेंदु की इस राजनीतिक घेराबंदी और कड़ी कानूनी कार्रवाई के खौफ के

▶10 पर

हैदराबादी परिवार अमेरिका में सड़क हादसे का शिकार, युवक की मौत

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

अमेरिका के न्यू मैक्सिको में व्हाइट सैंड्स नेशनल पार्क के पास अलामोगोर्डो में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में हैदराबाद के एक भारतीय परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। 17 मई को हुए इस भीषण एक्सीडेंट में परिवार के एक सदस्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक की पहचान पूर्णा गोपी आवला के रूप में हुई है। खबरों के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब परिवार ने अपनी कार को सड़क के किनारे इमरजेंसी लेन (आपातकालीन पट्टी) में पार्क किया था और गाड़ी की हेजार्ड लाइट्स (खतरे के संकेतक) चालू थीं। परिवार के सदस्य गाड़ी चला रहे ड्राइवर को बदलने के लिए रुके थे, तभी एक अनियंत्रित पिकअप ट्रक ने उनकी खड़ी कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में पूर्णा की मौके पर ही मौत हो गई।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, पूर्णा साल 2015 में अमेरिका गए थे और सालों की कड़ी मेहनत के बाद अब वह अपने परिवार के मुख्य आर्थिक स्तंभ थे। परिजनों ने बताया कि उनके माता-पिता अभी तीन हफ्ते पहले ही भारत से उनसे मिलने अमेरिका गए थे और जल्द ही पूर्णा की शादी की तैयारियां भी शुरू होने वाली थीं। इस हादसे में पूर्णा के माता-पिता और भाई को बेहद गंभीर चोटें आई हैं। मृतक के पिता, जो एक सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी (रिटायर्ड फौजी) और पूर्व एम्बुलेंस चालक हैं, की गर्दन की हड्डी टूट गई है, पसलियों में फ्रैक्चर है और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके अलबुकर्क के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्णा की मां के हाथ और चेहरे की हड्डियां टूट गई हैं। वहीं उनके भाई मुरली आवला, जिन्होंने हाल ही में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की है, के शरीर के अंदरूनी हिस्सों में

▶10 पर

लाहौर में विभाजन पूर्व नामों की वापसी

रहमान गली बनी राम गली

लाहौर/इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर की कई सड़कों और गलियों के आजादी से पहले के नाम को बहाल करने की योजना को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने सोमवार (18 मई, 2026) को बताया कि इसका उद्देश्य शहर की विभाजन-पूर्व विरासत को पुनर्जीवित करना है। जिसके बाद रहमान गली को राम गली, सुन्नत नगर को संत नगर, मौलाना जफर अली खान चौक को लक्ष्मी चौक और मुस्तफाबाद को धर्मपुरा किया गया है।

पिछले कुछ दशकों में लाहौर की कई ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के नाम बदल दिए गए। इसके तहत ब्रिटिशकालीन और हिंदू धर्म से जुड़े नामों को बदलकर इस्लामी, पाकिस्तानी या स्थानीय हस्तियों से जुड़े नए नाम रखे गए।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री मरियम नवाज की अध्यक्षता में हुई पंजाब कैबिनेट की बैठक में लाहौर और उसके आसपास के इलाकों की विभिन्न सड़कों और गलियों के मूल और ऐतिहासिक नामों को बहाल करने की योजना को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय इस ऐतिहासिक शहर की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस पहल का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ कर रहे हैं, जो लाहौर विरासत क्षेत्र पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख भी हैं। उनके प्रस्ताव को पिछले सप्ताह कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी। लाहौर की ऐतिहासिक गलियों और सड़कों का नाम पिछली सरकारों की ओर से बदल दिया गया था, जिनमें क्वींस रोड, जेल रोड, डेविस रोड, लॉरेंस रोड, एम्प्रेस रोड, कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, ब्रैंडरेथ रोड, राम गली, टेम्पबेल स्ट्रीट, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, कुम्हारपुरा, मोहन लाल बाजार, सुंदर दास रोड,

▶10 पर

हिंदुत्व की राह पर अखिलेश ?

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का बदला हुआ सियासी अंदाज अब खुलकर नजर आने लगा है। कभी मुस्लिम परस्त राजनीति के आरोप झेलने वाले अखिलेश अब सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। हिंदुत्व की राजनीति पर बीजेपी की मजबूत पकड़ और बंगाल में ममता बनर्जी के राजनीतिक अनुभव ने भी अखिलेश को अपनी रणनीति बदलने के लिए मजबूर किया है। लखनऊ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज और एक वकील के हाथ में मौजूद रामचरितमानस की तस्वीर ने अखिलेश यादव को बीजेपी और योगी सरकार पर हमला बोलने का बड़ा मौका दे दिया। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा उस शब्द की हो रही है, जिसमें पहली बार अखिलेश यादव ने रामचरितमानस को सांस्कृतिक संविधान कहा है। इसके बाद उनकी पार्टी की तरफ से जो हुआ वो हैरान करने वाला था। दरअसल, समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता पूजा शुक्ला ने अस्पताल जाकर घायल वकील को रामचरितमानस की प्रति भेंट की थी। इसके बाद बड़े मंगल के मौके पर अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0

न्यूनतम : 27^0

शुभेंदु ने ‘चिकन नेक’ केंद्र को सौंपा

एक फैसला 8 राज्यों के लिए ‘गुड न्यूज’

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी चिकन नेक एक बार फिर चर्चा में है। राज्य की नई बीजेपी सरकार ने इस संवेदनशील इलाके की करीब 120 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को सौंपने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि इस जमीन का इस्तेमाल सीमा सुरक्षा, फेंसिंग, राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए किया जाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत के लिए बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि यही संकरा भूभाग पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इस

कॉरिडोर की चौड़ाई करीब 22 किलोमीटर और लंबाई लगभग 60 किलोमीटर बताई जाती है। इसकी सीमाएं नेपाल और बांग्लादेश से भी लगती हैं, इसलिए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। बीजेपी का आरोप है कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को इस इलाके में पर्याप्त अधिकार और जमीन उपलब्ध कराने में रुचि नहीं दिखाई। वहीं टीएमसी ने ऐसे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। इस बहस के बीच 2020 दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम का पुराना बयान भी फिर चर्चा में है, जिसमें उन्होंने चिकन नेक कॉरिडोर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई थी।

▶10 पर

महँगाई का डोज़ धीरे-धीरे

पेट्रोल-डीजल भाव 90 पैसे बढ़े

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें फिर बढ़ गई हैं। मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करते हुए इनकी कीमतें करीब 90 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दी गई हैं। नई कीमतें मंगलवार से लागू भी कर दी गई हैं, ये पांच दिन में ईंधन की कीमतों में दूसरी बढ़ोतरी है। इस ताजा इजाफे के बाद अब ये सवाल उठने लगा है कि क्या तेल कंपनियां साल 2022 की तरह कीमतों में लगातार एक के बाद एक बढ़ोतरी करेंगी। पेट्रोल-डीजल को लेकर तेल कंपनियों का क्या प्लान है, इसके बारे में अब खुद इंडियन ऑयल की ओर तस्वीर साफ की गई है। अधिकारियों ने कहा है कि इनकी कीमतों में कुल कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका कोई आंकड़ा अभी तय नहीं किया गया है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बीते 15 मई को करीब चार साल बाद बढ़ोतरी की गई थी।

तेल कंपनियों ने दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए। इसके बाद मंगलवार 19 मई को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा और दूसरी बार पेट्रोल-डीजल 90 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिया गया। इस दोहरी बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल 98.64 रुपये, जबकि डीजल 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। तो मुंबई में पेट्रोल 107.59 रुपये, डीजल 94.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में दोहरी बढ़ोतरी के बाद सरकारी तेल कंपनी

▶10 पर

अमेरिका के सैन डिएगो में इस्लामिक सेंटर में गोलीबारी तीन की मौत, दोनों हमलावरों ने खुद को भी उड़ाया

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन डिएगो स्थित इस्लामिक सेंटर परिसर में मस्जिद के पास सोमवार को गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। दावा किया गया है कि इस वारदात को दो नाबालिग बंदूकधारियों ने अंजाम दिया। इसके बाद पास की गली में जाकर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर इस्लामिक सेंटर पहुंची पुलिस ने कुछ समय के लिए इलाके में रहने वाले लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी। सैन डिएगो के पुलिस प्रमुख स्काट वाहल ने घटना की पुष्टि की है।

रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्काट वाहल ने बताया कि दो संदिग्ध हमलावर पास ही एक गाड़ी के अंदर मृत पाए गए हैं। संदिग्धों की उम्र 17 और 18 साल है। वाहल ने बताया कि घटना की जांच हेट क्राइम (नफरत से जुड़ा अपराध) के तौर पर की जा रही है। सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर के इमाम ताहा हस्सान ने लोगों से नफरत को त्याग कर सद्भावना के साथ रहने की अपील की है। इस परिसर में एक भी मदरसा (स्कूल) भी है। गोलीबारी के समय बच्चे मदरसा में पढ़ रहे थे। गोलियों की तड़तड़ाहट से प्रांगण में अफरातफरी मच गई।

सैन डिएगो के पुलिस प्रमुख स्काट वाहल ने बताया कि हमले की पहली सूचना सुबह करीब 11:43 बजे मिली। इस घटना से दो घंटे पहले एक महिला ने अपने बेटे के लापता होने की सूचना दी थी। उसने बताया था कि उसके साथ कई हथियार हैं। उसकी गाड़ी भी गायब है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक सेंटर को कोई धमकी नहीं मिली थी। घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। इस्लामिक सेंटर के इमाम ताहा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस घटना से मुस्लिम समुदाय शोक में है। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी। इस हमले में इस्लामिक सेंटर का एक गार्ड भी मारा गया है। पुलिस ने उसकी पहचान का खुलासा करने से इनकार कर दिया है। सैन डिएगो के मेयर टाड ग्लोरिया ने कहा कि पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए अब पुलिस तैनात की जाएगी। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने कहा कि वह सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर की घटना से स्तब्ध हैं। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है। धार्मिक समुदायों के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है अमेरिका में पूजा स्थलों पर पहले भी हमले हुए हैं। इस साल की शुरुआत में मिशिगन के सिनेगाग (यहूदी प्रार्थना स्थल) को निशाना बनाया गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

अमीरों का नया स्टेटस सिंबल बना करोडों में बिकने वाला नीला तोता

लंदन। विदेशों में पाया जाने वाला दुर्लभ नीला तोता हायसिंथ मकाऊ अमीरों को नया स्टेटस सिंबल बन चुका है। इस तोते को दुनिया का सबसे महंगा तोता माना जाता है। यह विदेशी पक्षी अपनी शानदार खूबसूरती, विशाल आकार और दुर्लभता के कारण करोड़ों रुपये में बिकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1.2 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है, जबकि भारत में भी इसकी कीमत 12 से 15 लाख रुपये तक बताई जाती है। यही वजह है कि अमीर वर्ग और विदेशी पक्षियों के शौकीन लोग इसे अपनी शान और स्टेटस सिंबल के तौर पर पालना पसंद करते हैं। हायसिंथ मकाऊ अपनी अनोखी बनावट और आकर्षक रंग के कारण लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इसका पूरा शरीर गहरे नीले रंग से ढका होता है, जिसकी वजह से इसे ब्लू डायमंड बर्ड भी कहा जाता है। इसकी आंखों और चोंच के आसपास बना पीला घेरा इसकी सुंदरता को और खास बना देता है। यह तोता करीब तीन फीट लंबा हो सकता है और इसे दुनिया का सबसे बड़ा उड़ने वाला तोता माना जाता है। यह पक्षी केवल खूबसूरत ही नहीं बल्कि बेहद ताकतवर भी होता है। इसकी चोंच इतनी मजबूत होती है कि यह आसानी से कठोर नारियल तक तोड़ सकता है। इसके भोजन में मुख्य रूप से बीज, फल, नट्स और नारियल शामिल होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी देखभाल बेहद कठिन और खर्चीली होती है, इसलिए इसे पालना हर किसी के बस की बात नहीं है। हायसिंथ मकाऊ की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी उम्र और बुद्धिमत्ता है। यह 50 से 80 साल तक जीवित रह सकता है। यही कारण है कि इसे खरीदने वाले लोग इसे परिवार के सदस्य की तरह रखते हैं। यह तोता कुछ शब्द बोलना भी सीख सकता है और अपने मालिक से भावनात्मक जुड़ाव बना लेता है।

नेपाल में प्रवेश कर रहे भारतीय नागरिक से 570 ग्राम सोना और 20 हजार अमेरिकी डालर मिले, गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के पूर्वी झापा के मेचीनगर स्थित कांकडभिट्टा सीमा क्षेत्र में सशस्त्र प्रहरी बल और कस्टम कार्यालय की संयुक्त टीम ने 570 ग्राम सोना तथा 20 हजार अमेरिकी डालर व अन्य विदेशी मुद्रा के साथ एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के अनुसार, भारत से सिटी सफारी वाहन के जरिए नेपाल आ रहे भारत निवासी 39 वर्षीय परम पाठक को विशेष सूचना के आधार पर मंगलवार सुबह जांच के दौरान पकड़ा गया। उसके पास 570 ग्राम सोना, 20 हजार अमेरिकी डालर तथा 85 हजार 410 भारतीय रुपये मिले हैं। साथ ही एक भारतीय आधार कार्ड, दो मोबाइल फोन, एक हार्ड डिस्क, एक बैंक चेक तथा सात सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। सशस्त्र प्रहरी के प्रवक्ता एवं सशस्त्र प्रहरी नायब महानिरीक्षक बिष्णु प्रसाद भट्ट ने जानकारी दी कि गिरफ्तार किए गए पाठक को बरामद सामग्री के साथ मेची भंसार कार्यालय कांकडभिट्टा को सौंप दिया गया है। वह किस उद्देश्य से नेपाल में प्रवेश कर रहा था, इसकी फिलहाल जांच जारी है।

छोटे कद के लोग लंबी महिलाओं के बना रहे वीडियो, कर रहे लाखों खर्च

लंदन। ब्रिटेन में छोटे कद के लोग लंबी महिलाओं के वीडियो बना रहे हैं, इस काम पर वे लोग लाखों रुपए खर्च भी कर रहे हैं। ब्रिटेन में आजकल सोशल मीडिया और एडल्ट कंटेंट की दुनिया में एक नया ट्रेंड तेजी से चर्चा में है, जिसे 'जायंटेस फेटिश कहा जा रहा है। इस ट्रेंड की सबसे चर्चित हस्तियों में शामिल हैं ब्रिटेन की 26 वर्षीय अमीरा इवांस, जिनकी लंबाई 6 फीट 7 इंच है। अमीरा ने हाल ही में खुलासा किया कि बड़ी संख्या में छोटे कद वाले पुरुष उनसे ऐसे कस्टम वीडियो बनवाते हैं, जिनमें वह खुद को बेहद ताकतवर और प्रभावशाली महिला के रूप में पेश करती हैं। इन वीडियो के लिए लोग भारी रकम खर्च करने को तैयार रहते हैं। अमीरा के अनुसार कई ग्राहक उनसे ऐसे वीडियो की मांग करते हैं, जिनमें वह दबदबा दिखाने वाले संवाद बोलती हैं। एक मिनट के कस्टम वीडियो के लिए उन्हें करीब 100 डॉलर तक मिल जाते हैं, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 8 से 10 हजार रुपये के बराबर है। अमीरा का कहना है कि उनके अधिकतर ग्राहक छोटे कद के पुरुष होते हैं, जिन्हें लंबी और मजबूत महिलाओं के प्रति खास आकर्षण महसूस होता है।

सौदेबाजी करने चीन गए ट्रंप की ताइवान के नाम पर बोलती बंद

जिनपिंग की एक दहाड़ पर ट्रंप बन गए भीगी बिल्ली

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग दौरे के बाद दोनों देश अपने-अपने आधिकारिक बयान (रीडआउट) जारी कर चुके हैं, लेकिन एक ही मुलाकात को लेकर दुनिया के सामने दो बिल्कुल अलग-अलग तस्वीरें उभरकर सामने आई हैं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी फैक्ट शीट में व्यापार, निवेश और ईरान जैसे बड़े मुद्दों पर समझौतों की लंबी सूची गिनाई गई है, जबकि ताइवान का कहीं जिक्र तक नहीं है। इसके विपरीत, चीन ने अपने संदेश में आर्थिक फायदों के बजाय रणनीति, सुरक्षा और ताइवान के मुद्दे को शीर्ष प्राथमिकता दी है। दोनों देशों के बयानों में यह विरोधाभास साफ दिखाता है कि अमेरिका जहां अपनी घरेलू जनता को इस यात्रा से हुए बड़े आर्थिक लाभ दिखाना चाहता था, वहीं चीन दुनिया को अपनी संप्रभुता और रणनीतिक संतुलन का संदेश देना चाहता था। कुल मिलाकर जिनपिंग के आगे ट्रंप की बोलती बंद रही।

अमेरिका द्वारा जारी बयान के मुताबिक, दोनों देशों के बीच कई बड़े व्यापारिक समझौते हुए हैं। वाशिंगटन ने दावा किया कि चीन दुर्लभ खनिजों (जैसे यिट्रियम, स्कैंडियम और नियोडिमियम) की सप्लाई बढ़ाएगा, 200 अमेरिकी बोइंग विमान खरीदेगा और हर साल 17 अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पादों का आयात करेगा। इसके अलावा, अमेरिका की 400 से अधिक बीफ यूनिट्स को मंजूरी देने और पोल्ट्री आयात फिर से शुरू करने की बात भी कही गई। हालांकि, चीन के आधिकारिक बयान में बोइंग विमानों, वित्तीय आंकड़ों या बीफ आयात का कोई सीधा जिक्र नहीं किया गया, बल्कि केवल सामान्य तौर पर सप्लाई चेन स्थिर रखने और कृषि सहयोग बढ़ाने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त, अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण का दावा किया, जबकि चीन के बयान में उत्तर कोरिया का नाम तक शामिल नहीं था।

दूसरी ओर, चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बयान में ताइवान को सबसे संवेदनशील और अहम मुद्दा बताया गया। चीन ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि ताइवान मामले में किसी भी गलत कदम से दोनों महाशक्तियों के बीच सीधा टकराव हो सकता है। चीन ने चार तरह की स्थिरता (सकारात्मक, स्वस्थ, निरंतर और स्थायी) का हवाला देते हुए रणनीतिक संतुलन पर विस्तार से बात की, जबकि अमेरिका ने अपने बयान में ताइवान का नाम पूरी तरह गायब रखा। इसके अलावा, चीन ने पीपुल-टू-पीपुल एक्सचेंज के तहत 50,000 अमेरिकी नागरिकों को चीन आमंत्रित करने जैसे ठोस कार्यक्रम की बात कही, जिस पर अमेरिका ने केवल सामान्य टिप्पणी की।

ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मोर्चे पर भी दोनों के सुर अलग दिखे। अमेरिका ने दावा किया कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य बिना किसी टोल के खुला रहेगा। वहीं चीन ने केवल सामान्य बातचीत और युद्धविराम का समर्थन किया। हालांकि, इन भारी मतभेदों के बावजूद, कुछ अहम मुद्दों पर दोनों महाशक्तियां एकमत दिखीं। दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को संभालने के लिए यूएस-चीन बोर्ड आफ ट्रेड और यूएस-चीन बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट बनाने पर सहमति जताई है। साथ ही, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगामी अमेरिका दौरे की पुष्टि की गई है और जी-20 व एपेक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

कौन हैं क्राउन प्रिंसेज विक्टोरिया जिन्होंने पीएम मोदी को दिया स्वीडन का सबसे बड़ा सम्मान

स्टाकहोम

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वीडन दौरे के बाद वहां की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया चर्चा में हैं। क्राउन प्रिंसेस ने पीएम मोदी को रायल आर्डर आफ पोलर आर्डर डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रास से सम्मानित किया। यह विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को मिलने वाला सर्वोच्च सम्मान है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मान को पाने वाले पहले एशियाई नेता हैं। हम आपकों बतातें कि क्राउन प्रिंसेज कौन हैं, जिन्हें गाडमदर आफ यूरोप कहा जाता है, लेकिन उसके पहले इस पुरस्कार के बारे में जान लेते हैं। रायल आर्डर पर पोलर आर्डर डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रास स्वीडन के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है, जो 1818 से दिया जा रहा है। यह पुरस्कार विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को उनकी असाधारण जनसेवा और स्वीडन के साथ संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की पहचान के रूप में दिया जाता है। पीएम मोदी ने इस सम्मान के लिए क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया और स्वीडन की जनता के प्रति आभार जताया। पीएम मोदी ने यह सम्मान भारत के 1.4 अरब लोगों और भारत-स्वीडन की अटूट दोस्ती को समर्पित किया। उन्होंने कहा, रायल आर्डर आफ द पोलर स्टार का मिलना भारत और स्वीडन के बीच ऐतिहासिक संबंधों और सभ्यतागत जुड़ाव की एक बार फिर पुष्टि करता है। कौन हैं क्राउन प्रिंसेज विक्टोरिया क्राउन प्रिंसेज विक्टोरिया स्वीडन के किंग कार्ल-16 गुस्टाफ की सबसे बड़ी संतान हैं और देश के उत्तराधिकार अधिनियम के मुताबिक सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। 48 साल की प्रिंसेज विक्टोरिया सिंहासन की उत्तराधिकारी होने के नाते राज्य के प्रमुख के रूप में भविष्य की भूमिका के लिए तैयारी कर रही हैं। अगर वे सिंहासन पर बैठती हैं, तब स्वीडन के इतिहास में गद्दी संभालने वाली चौथी महारानी होंगी। भाई की जगह बनीं गद्दी की वारिस हालांकि, 1977 में जन्मीं विक्टोरिया राजा कार्ल 16 की पहली संतान थीं, लेकिन 1979 में छोटे भाई प्रिंस कार्ल फिलिप के पैदा होने के बाद वे सिंहासन के उत्तराधिकारी बन गए। उस समय बड़े बेटे को ही सिंहासन का उत्तराधिकारी घोषित होने का नियम था। लेकिन एक साल बाद स्वीडन ने संविधान में संशोधन किया और शासक की सबसे बड़ी संतान को ही प्राथमिकता दी, चाहे वह लड़का हो या लड़की।

दुनिया के लिए बेहद खतरनाक है 13 नवंबर

वाशिंगटन। दुनिया के अंत यानी प्रलय को लेकर इतिहास में कई भविष्यवाणियां की जाती रही हैं। इनमें से ज्यादातर भविष्यवाणियां धार्मिक मान्यताओं, रहस्यमयी कथाओं या अंधविश्वासों से जुड़ी रही हैं, लेकिन करीब 66 साल पहले एक अमेरिकी वैज्ञानिक ने पूरी तरह से गणितीय गणनाओं के आधार पर मानव सभ्यता के अंत की आशंका जताई थी। अमेरिकी भौतिकशास्त्री हेंज वान फार्स्टर ने अपनी एक पुरानी रिसर्च में दावा किया था कि 13 नवंबर 2026 वह तारीख हो सकती है, जब पृथ्वी पर मानव सभ्यता गंभीर संकट के चरम पर पहुंच जाएगी। उनकी यह ऐतिहासिक स्टडी वर्तमान समय में एक बार फिर वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है। हेंज वान फार्स्टर ने अपनी रिसर्च टीम के साथ मिलकर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि का बेहद गहन अध्ययन किया था। उनकी यह विस्तृत रिसर्च वर्ष 1960 में एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जर्नल में प्रकाशित हुई थी। यह अध्ययन किसी काल्पनिक सोच या अंधविश्वास पर आधारित नहीं था, बल्कि पूरी तरह आंकड़ों, जनसंख्या वृद्धि के ऐतिहासिक पैटर्न और जटिल गणितीय समीकरणों पर तैयार किया गया था। वैज्ञानिकों ने अपनी गणनाओं में पाया था कि दुनिया की आबादी सामान्य रफ्तार से नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र गति से बढ़ रही है।

अमेरिका-ईरान को मनाने में जुटे कतर, सऊदी अरब, यूएई और पाक, ट्रंप ने हमले को टाला

वाशिंगटन/तेहरान/इस्लामाबाद

दुनिया के प्रमुख और सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर खिंची तनाव की तलवारों के बीच कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता कराने के प्रयासों पर लगे हुए हैं। मध्यस्थ की भूमिका में विफलता के बावजूद पाकिस्तान ने हार नहीं मानी है। वह अब भी अपने स्तर पर ईरान को मनाने की कोशिश कर रहा है। कतर, सऊदी अरब और यूएई तीनों मिलकर इस संकट का समाधान निकालने के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहे हैं। तीनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति को इस बात के लिए राजी कर लिया है कि वह फिलहाल ईरान पर हमले की अपनी योजना को स्थगित कर दें।

अरबी चैनल अल जजीरा, अमेरिकी चैनल सीबीएस न्यूज और पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में ईरान-अमेरिका के मध्य छिड़े विवाद की सुर्खियों को विस्तार से तरजीह दी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर ईरान पर होने वाले नियोजित हमले को टाल दिया है। उन्होंने कहा, इस समय शांति समझौते को लेकर गंभीर बातचीत चल रही है। ट्रंप ने सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब, कतर और यूएई जल्द ही शांति समझौता कराने के लिए किसी समझौते पर पहुंच जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर अपनी मुख्य शर्त पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान को हर हाल में अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ना होगा। साथ ही कुछ नरमी दिखाते हुए कहा कि अगर पश्चिम एशिया के सहयोगी देश संतुष्ट हो जाते हैं तो अमेरिका को कोई दिक्कत नहीं है।

ट्रंप ने कहा कि इसलिए अमेरिका अब मंगलवार को ईरान पर हमला नहीं करेगा। ट्रंप के अनुसार, यह समझौता अमेरिका और मध्य-पूर्व के देशों को स्वीकार्य होगा। राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा से पहले ईरान ने कहा था कि उसने संभावित शांति समझौते के लिए शर्तों का एक और संशोधित मसौदा भेजा है। बताया जा रहा है कि यह मसौदा पाकिस्तान के जरिये के भेजा गया है। ट्रंप के बयान पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा, यह ध्यान रखा जाए कि बातचीत का मतलब आत्मसमर्पण नहीं है। तेहरान गरिमा, अधिकार और राष्ट्र के अधिकारों की रक्षा के साथ इस बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार हुआ है। उधर, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान पहुंचकर ईरान और अमेरिका के बीच रुकी हुई शांति वार्ता को पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। तेहरान में 16 मई से मौजूद नकवी ने बीते कल वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कीं। वह ईरानी राष्ट्रपति, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ़ और गृहमंत्री एस्कंदर मोमेनी से मिल चुके हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि इस्लामी देशों के बीच तालमेल और एकजुटता ही टिकाऊ शांति और स्थिरता की नींव बन सकती है।

नेपाल ने श्रम समझौता करने के लिए 16 देशों को भेजा प्रस्ताव, एक ने भी नहीं दिया जवाब

काठमांडू

नेपाल सरकार ने विदेशी रोजगार को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 16 देशों के साथ श्रम समझौता प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। युवा, श्रम तथा रोजगार मंत्रालय ने उन देशों को प्रस्ताव भेज दिया है, लेकिन अब तक किसी देश ने भी इसका जवाब नहीं दिया है।

मंत्रालय के प्रवक्ता पिताम्बर घिमिरे ने कहा कि 16 देशों को विदेश मंत्रालय के माध्यम से श्रम समझौते का प्रस्ताव भेजा गया है। हालांकि, अब तक किसी भी देश ने नेपाल के प्रस्ताव का जवाब नहीं दिया है। सरकार ने एशिया, यूरोप और आस्ट्रेलिया महाद्वीप के देशों के साथ श्रम समझौता करने के उद्देश्य से प्रस्ताव भेजा है।

घिमिरे के मुताबिक मंत्रालय ने वियतनाम, आस्ट्रेलिया, थाईलैंड, अल्बानिया, आस्ट्रिया, तुर्की, माल्टा, मालदीव, सर्बिया, साइप्रस, लक्ज़मबर्ग, ब्रुनेई, पोलैंड, बोस्निया एंड हर्जेगोविना, क्रोएशिया और बेल्जियम को श्रम समझौते का प्रस्ताव भेजे हुए एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है। इनमें से किसी भी देश ने अब तक नेपाल के प्रस्ताव का जवाब नहीं दिया है।

वर्तमान में नेपाल का केवल 13 देशों के साथ द्विपक्षीय श्रम समझौता है, जबकि दुनिया के 170 से अधिक देशों में नेपाली श्रमिक कार्यरत हैं। बड़ी संख्या में नेपाली युवा ऐसे देशों में वैदेशिक रोजगार के लिए जाते हैं, जहां नेपाल का श्रम समझौता नहीं है। इससे आर्थिक ठगी और श्रम शोषण का खतरा बढ़ रहा है। इसी जोखिम को कम करने के लिए सरकार नए देशों के साथ श्रम समझौते की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है। इसके अलावा, विदेश रोजगार के लिए विभिन्न देशों में जाने वाले लगभग 48 प्रतिशत नेपाली नागरिक व्यक्तिगत श्रम स्वीकृति लेते हैं।

नेपाल के कानून में यह प्रावधान है कि नेपाल सरकार, कूटनीतिक संबंध स्थापित देशों की सरकारों के साथ संधि या समझौता कर, सरकारी निकायों या नेपाल सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली संस्थाओं के माध्यम से कामदार भेज सकती है। इन्हीं कानूनी प्रावधानों के आधार पर सरकार नेपाली कामदार जाने वाले देशों के साथ द्विपक्षीय श्रम समझौता और समझदारी प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है।

मंत्रालय के प्रवक्ता घिमिरे ने कहा, हम श्रम समझौते के लिए प्रस्ताव भेजे गए देशों के साथ लगातार फालोअप कर रहे हैं। उनकी ओर से प्रतिक्रिया आने का इंतजार है। जवाब क्यों नहीं आया, इस बारे में अभी कुछ कहना संभव नहीं है। श्रम समझौता करने की इच्छा के साथ ही प्रस्ताव भेजे गए हैं।

नेपाल वैदेशिक रोजगार व्यवसायी संघ के अध्यक्ष भुवनसिंह गुरूंग का कहना है कि श्रम समझौता श्रमिकों की कानूनी सुरक्षा और अधिकार सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण आधार है। उनके अनुसार, जिन देशों में बड़ी संख्या में नेपाली कामदार जाते हैं या जाने की संभावना है, वहां श्रम समझौता बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा, यदि रोजगारदाता या कंपनी द्वारा कामदारों के साथ अन्याय होता है, तो दोनों देशों की सरकारों के बीच समन्वय कर समाधान निकालना आसान हो जाता है। द्विपक्षीय समझौते से दक्ष नेपाली कामदारों को व्यवस्थित रूप से रोजगार उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर-सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन-जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 मई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 11:10 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 06:13 तक
योग : शूल दोपहर 02:10 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:10 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 10:40 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू है , विनायक चतुर्थी , भद्रा प्रातः 11:10 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भव्य हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर तैयारी बैठक सम्पन्न

24 मई को फीलखाना में होगा विशाल आयोजन, तैयारियों को अंतिम रूप

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार एवं फीलखाना क्षेत्र में आगामी 24 मई 2026 को आर्यन स्पोर्ट्स क्लब, श्री संतोषी माता मंदिर, फीलखाना के समीप आयोजित होने वाले भव्य हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर राजस्थान सैनिक क्षत्रिय माली संघ भवन में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं जनसंपर्क अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने मंच व्यवस्था, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था, भोजन व्यवस्था तथा वाहन पार्किंग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विषय में कार्यवाहक इंद्रदेव चालक ने विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि सम्मेलन में सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र चेतना को सुदृढ़ करना है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में साध्वी डॉ. प्राची दीदी तथा महिला वक्ता के रूप में श्रीमती भगवती देवी बल्दवा उपस्थित रहेंगी। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से आवाहन किया गया कि वे अधिक से अधिक लोगों तक घर-घर पहुंचकर कार्यक्रम का निमंत्रण दें तथा सभी को सम्मेलन में आमंत्रित करें, ताकि शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित यह भव्य हिन्दू सम्मेलन अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर सके। बैठक में रमेश सोलंकी, गिरधारीलाल सोनी, श्रीराम व्यास, अविनाश देवड़ा सहित अन्य कार्यकर्ताओं को विभिन्न व्यवस्था कार्यों के विषय में अवगत कराया गया। बैठक में बजरंग गहलोत, घनश्याम तिवारी, आनंद देवड़ा, राहुल भाटी, देवेंद्र सांकला, दुर्गा यादव, टी. जगदीश, अले यादव, रामनारायण तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, भगवानदास रमावत, हरिकृष्ण ओझा, कन्हैयालाल यादव, अंकित सोलंकी, भगवत, अभिषेक देवड़ा, गजानंद खरे, विजय यादव, दिलीप कुमार व्यास, गिरीश शर्मा, प्रदीप जैसवाल, सुरज विश्वकर्मा, सोहनलाल, पप्पालाल, अनिल, किशोर, योगेश एवं कुशल अहीर सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में भारतीय अधिकारी की संदिग्ध हालात में मौत, बाथरूम में मिला शव

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के एक अधिकारी का संदिग्ध हालात में शव मिला है। पुलिस ने मंगलवार को चटगांव के खुल्शी इलाके में स्थित भारत के सहायक उच्चायोग के कार्यालय से एक भारतीय नागरिक का शव बरामद किया। इस व्यक्ति का नाम नरेन धर है। हरियाणा के रहने वाले नरेन चटगांव स्थित भारतीय उच्चायोग में सिक्योरिटी प्रोटोकॉल ऑफिसर थे। उनकी मौत की वजहों की जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह 35 वर्ष के नरेन अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोल रहे थे। पहले वहां मौजूद दूसरे अधिकारियों ने अपने स्तर पर दरवाजा खुलवाने की कोशिश की। जब उन्होंने दरवाजा नहीं खोला तो पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हाई कमीशन के एक कमरे से नरेन का शव बरामद किया। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नरेन धर के रूप में हुई है, उनके पिता का नाम राम निवास है और वे हरियाणा के रहने वाले थे।

चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) कमिश्नर हसन मोहम्मद शौकत अली ने बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार को बताया कि नरेन उस कार्यालय में सुरक्षा प्रोटोकॉल अधिकारी के तौर पर कार्यरत थे। सीएमपी कमिश्नर के अनुसार दूतावास के अधिकारियों को शुरुआत में नरेन के कमरे से कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया।

पुलिस अधिकारियों के हवाले से बांग्लादेश की न्यूज वेबसाइट ने बताया कि पुरानी वीजा सेंटर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर मौजूद एक डेटा एंट्री रूम के बाथरूम के दरवाजे के सामने शव मिला। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के जनसंपर्क सहायक आयुक्त अमिनुर राशिद ने बताया, हमें शुरू में शक है कि अधिकारी की मौत रात के समय किसी वक्त बाथरूम जाते हुए हुई होगी। हालांकि मौत की सही वजह की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

जांच रिपोर्ट तैयार होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि जांच में अभी तक कोई वजह सामने नहीं आई है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम जांच के बाद ही पता चलेगा।

अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज, पोस्टमार्टम के बाद शव भारतीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा

सीएमपी के उपायुक्त (उत्तरी क्षेत्र) अमीरुल इस्लाम ने बताया कि इस घटना के संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया जाएगा और पोस्टमार्टम के बाद शव को भारत के सहायक उच्चायोग के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

सिद्धि विनायक एसोसिएशन द्वारा

आदिका मास पूजा एवं दान कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा शहर स्थित आर्य वैश्य संघ भवन में सिद्धि विनायक एसोसिएशन की ओर से आदिका मासा के अवसर पर विशेष पूजा एवं दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संघ के अध्यक्ष रुद्रांगी प्रसाद एवं स्वरूपा दंपत्ति के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

इस धार्मिक आयोजन में आर्य वैश्य समाज के 66 दंपत्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 33 ब्राह्मण दंपत्तियों को नए वस्त्र, अनाज, पूजा सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं भेंट स्वरूप प्रदान की गईं। दान एवं पूजा-अर्चना के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विशेष धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम में आर्य वैश्य संघ के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में एसोसिएशन के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

मजलिस को संरक्षण दे रही है राज्य सरकार : विहिप

धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी का आरोप

हिदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य, विशेष रूप से हैदराबाद में गौहत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और इसके लिए राज्य सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है। यह आरोप विश्व हिंदू परिषद के राज्य धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने लगाया। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लालच में राज्य सरकार मजलिस पार्टी (एमआईएम) के इशारों पर कार्य कर रही है।

प्रेस को जारी एक बयान में बालस्वामी ने कहा कि एमआईएम के विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा नगर पार्षद खुलेआम सड़कों पर आकर पुलिस के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया।

बालस्वामी ने कहा कि स्वयं किसान परिवार से आने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को गौ-रक्षा के मुद्दे पर विशेष पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य में अत्याधुनिक गौशालाएं स्थापित करने का वादा किया था, लेकिन वर्तमान में हजारों गायों को अवैध रूप से वध के लिए ले जाया जा रहा है और सरकार मौन बनी हुई है।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मुस्लिम मतलब कांग्रेस और कांग्रेस मतलब मुस्लिम वाली कहावत को रेवंत रेड्डी सरकार सच साबित कर रही है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए हिंदुओं की भावनाओं का गला घोंटा जाएगा।बालस्वामी ने आरोप लगाया कि हिंदुओं की आस्था और भावनाओं को दांव पर लगाकर वोट बैंक की राजनीति करना अत्यंत शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि गौ-रक्षा कानूनों को लागू करने में पुलिस तंत्र पूरी तरह विफल साबित हुआ है। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को खुलेआम चुनौती देकर डराने वाले एमआईएम नेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

उन्होंने कहा कि बकरीद नजदीक आते ही हजारों गायों को हैदराबाद के पुराने शहर में लाया गया है। उनकी मांग है कि इन गायों को तत्काल मुक्त कराकर गौशालाओं में भेजा जाए।

बालस्वामी ने कहा कि एक ओर एमआईएम नेता खुलेआम पुलिस को धमका रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गौ-रक्षा कानूनों के सख्त पालन की मांग करने वाले हिंदू संगठनों के नेताओं पर ही मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

बीकानेर के बुलाकी दास व्यास को जैसलमेर में नई जिम्मेदारी

बीकानेर, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न न्यायिक अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए अलग-अलग जिलों में पदस्थापित किया गया है।

न्याय विभाग द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को न्यायिक कार्यों में तेजी लाने तथा बेहतर संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार सभी अधिकारियों को शीघ्र ही अपने नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

तबादला सूची के अनुसार बीकानेर के न्यायिक अधिकारी बुलाकी दास व्यास को अब जैसलमेर में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थानांतरण को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राज्य सरकार का मानना है कि समय-समय पर किए जाने वाले प्रशासनिक फेरबदल से न्यायिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, दक्षता एवं गति बनी रहती है। इसी उद्देश्य से न्याय विभाग ने यह तबादला सूची जारी की है।

गौ संरक्षण की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश में सक्रिय हुआ युग तुलसी फाउंडेशन

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौवंश संरक्षण एवं गौ-रक्षा की मांगों को लेकर हैदराबाद का युग तुलसी फाउंडेशन उत्तर प्रदेश में आयोजित 'गविष्टि (गौ-रक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा' के समर्थन में मैदान में उतर आया है। इसी क्रम में सोमवार को युग तुलसी फाउंडेशन के एक प्रतिनिधिमंडल को गौ-प्रचार रथ के साथ हैदराबाद से रवाना किया गया।

फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ज्योतिष्पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में उत्तर प्रदेश में 81 दिवसीय 'गविष्टि यात्रा' आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य गौवंश संरक्षण एवं गौ-रक्षा के प्रति जनजागरण करना है। युग तुलसी फाउंडेशन भी इस अभियान को अपना समर्थन दे रहा है।

जानकारी के अनुसार यह ऐतिहासिक यात्रा 3 मई 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर स्थित भारत माता मंदिर से प्रारंभ हुई है तथा इसका समापन 23 जुलाई 2026 को गोरखपुर में ही होगा।

यह यात्रा उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों एवं लगभग 1.08 लाख गांवों से होकर गुजर रही है। मई 2026 के मध्य तक यात्रा गोरखपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर, जौनपुर तथा अंबेडकरनगर सहित पूर्वांचल के अनेक जिलों और विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंच चुकी है।

यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश में गाय को 'राष्ट्र माता' तथा उत्तर प्रदेश में 'राज्य माता' का दर्जा दिलाना बताया गया है।

इसके साथ ही देशभर में गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा गोमांस के विदेशों में हो रहे निर्यात पर रोक लगाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई जा रही है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 गायों की क्षमता वाले 'राम गौधाम' स्थापित करने की मांग भी रखी है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर प्रतिनिधियों की नियुक्ति भी की जा रही है।

यात्रा के दौरान जनसंवाद कार्यक्रमों में शंकराचार्य जी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध में नहीं है।

हालांकि उन्होंने सनातन समाज से आह्वान किया कि वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गौ-रक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाया जाए।

उन्होंने संदेश देते हुए कहा, जो गौ माता की रक्षा करेगा और गौ-हत्या पर रोक लगाएगा, वही हमारे वोट का अधिकारी होगा।

साध्वी आगमश्रीजी म.सा. का त्रयनगर में भव्य मंगल प्रवेश सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रमण संघ युगप्रधान आचार्य परम पूज्य डॉ. शिव मुनि जी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी परम पूज्य श्री अर्चना जी म.सा. मीरा की सुशिष्या, कर्नाटक तप चंद्रिका महासाध्वी परम पूज्य आगम श्रीजी म.सा. एवं परम पूज्य श्री धैर्याश्री जी म.सा. का मंगलवार को त्रयनगर मंगल प्रवेश श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमणोपासक संघ, रामकोट, हैदराबाद में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

यह जानकारी देते हुए कोरा संघ के मंत्री अनिल तातेड ने बताया कि महासतीजी डाबीलपुरा स्थानक से विहार करते हुए रामकोट स्थित घेवरचंद मुथा के निवास स्थान पर पधारीं। वहां से प्रातः 9 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ रामकोट स्थानक में मंगल प्रवेश किया गया। इस अवसर पर कोरा संघ के अनेक सदस्य, युवा मंडल के पदाधिकारी तथा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, रामकोट के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष किशोर मुथा ने अपने संबोधन में कहा कि संघ को इस मंगल प्रवेश का लाभ प्राप्त होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने महासतीजी के आगामी चातुर्मास हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

जैन रत्न संपतराज कोठारी ने कहा कि महासतीजी बेंगलुरु से विहार कर हैदराबाद पधारी हैं तथा श्री कोरा संघ में वर्ष 2026 का चातुर्मास करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को चातुर्मास मंगल प्रवेश आयोजित होगा तथा सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आग्रह किया।

संपतराज कोठारी ने आगे बताया कि उपप्रवर्तक श्री गौरव मुनि जी म.सा. का चातुर्मास सिकंदराबाद स्थानक में होने जा रहा है। उनका चातुर्मास मंगल प्रवेश 16 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महासतीजी से भी मंगल प्रवेश समारोह में पधारने की विनती की गई।

कार्यक्रम में अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था कपूरचंद-नरेंद्र कुमार धोखा परिवार की ओर से की गई, जिसके लिए संघ की ओर से उनका विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम में श्री कोरा संघ के जैन रत्न संपतराज कोठारी, अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष अशोक तातेड, मंत्री अनिल तातेड, महावीर बोहरा, नरेंद्र मंडोत, दिलीप सेठिया, दिलीप लोढ़ा, सज-नराज समदड़िया, ज्ञानचंद कोचेटा, डूंगरमल कोठारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त श्री आनंद जैन युवा मंडल के अध्यक्ष विकास कटारिया, महामंत्री हर्ष लोढ़ा, भारत मेहता, नीरज जैन, राहुल लोढ़ा, आकाश कटारिया एवं अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। वहीं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, रामकोट के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जानें महाभारत में छुपे इस अदभूत रहस्य को

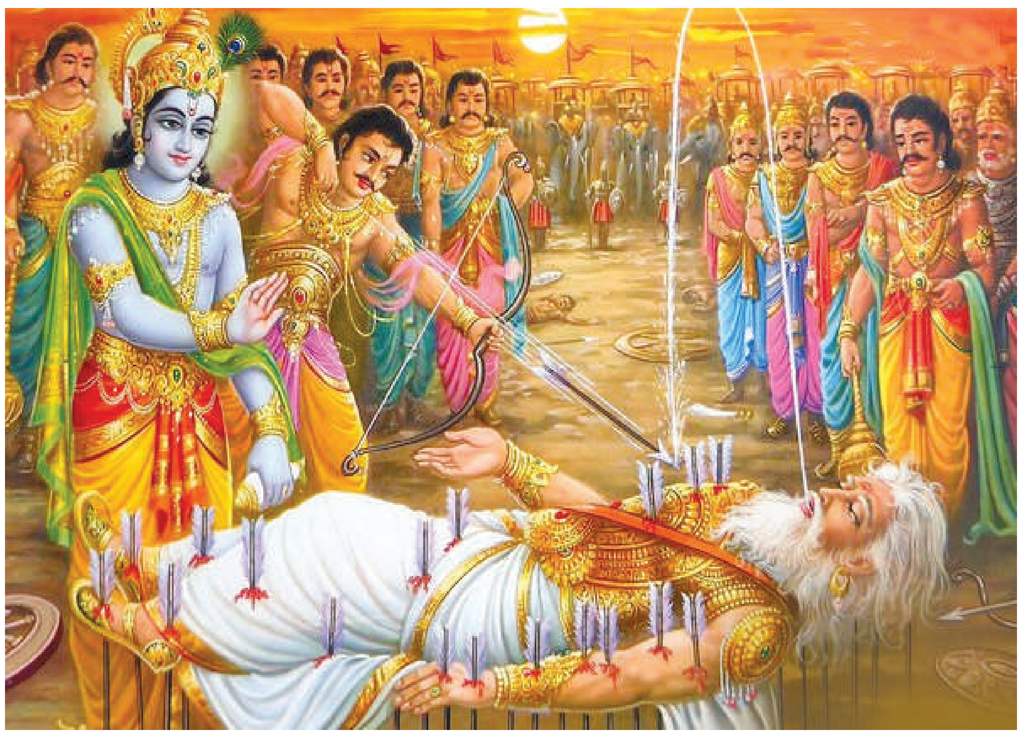

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं। देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं।

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। ऐसा ही एक रहस्य है महाभारत में। यह उस समय की बात है, जब युद्ध में पांडवों ने कौरवों पर विजयश्री प्राप्त कर ली थी और पांडव हस्तिनापुर में सुखपूर्वक जीवन गुजार रहे थे। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं।

देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं। महाराज युधिष्ठिर आपको आपके पिता की आत्मा की शांति के लिए यह यज्ञ करवाना चाहिए।' नारदजी के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने अपने पिता की आत्मा शांति के लिए राजसूय यज्ञ करने की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने नारदजी के परामर्श पर भगवान शिव के परम भक्त ऋषि पुरुष मृगा को आमंत्रित करने का फैसला लिया। ऋषि पुरुष मृगा जन्म से आधे पुरुष शरीर के तथा नीचे से उनका पैर मृग का था, लेकिन वे कहां रहते थे यह किसी को पता नहीं था।

किंवदंति अनुसार ऐसे में युधिष्ठिर ने उन्हें ढूंढकर यज्ञ में आमंत्रित करने के लिए भीम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। भीम अपने बडे भ्राता की आज्ञा का पालन करते हुए ऋषि पुरुष मृगा को खोजने निकल पडे। खोजते-खोजते वे घने जंगलों में पहुंच गए। जंगल में चलते वक्त भीम को मार्ग में हनुमानजी दिखाई दिए जिन्होंने भीम के घमंड को चूर किया। यह कथा तो आपको मालूम ही है। भीम भी पवनपुत्र हैं, इस नाते भीम हनुमानजी के भाई हुए। भीम ने लेटे हुए हनुमानजी को बंदर समझकर उनसे अपनी पूंछ हटाने के लिए कहा। तब बंदर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह उसकी पूंछ हटा सकता है तो हटा दे, लेकिन भीम उनकी पूंछ हिला भी नहीं पाए। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि यह कोई साधारण बंदर नहीं है। यह बंदर और कोई नहीं, बल्कि हनुमानजी थे। भीम ने यह जानकर हनुमानजी से क्षमा मांगी। भीम ने हनुमानजी को अपने जंगल में भटकने का उदेश्य बताया। कुछ विचार करने के बाद हनुमानजी ने भीम को अपने शरीर के 3 बाल दिए और कहा कि इन्हें अपने पास रखो संकट के समय में ये तुम्हारे काम आएंगे।

भीम ने हनुमानजी के वे 3 बाल अपने पास सुरक्षित रख लिए और चल पडे ऋषि मृगा को ढूंढने। कुछ दूर जाने के बाद ही भीम को भगवान शिव के परम भक्त पुरुष मृगा मिल गए, जो महादेव शिव की स्तुति कर रहे थे। भीम ने उनके पास जाकर उन्हें प्रणाम किया तथा अपने आने का प्रयोजन बताया। इस पर ऋषि पुरुष मृगा भी उनके साथ चलने को राजी हो गए, लेकिन उन्होंने एक शर्त रख दी। पुरुष मृगा ने यह शर्त रखी कि तुम्हें मुझसे पहले हस्तिनापुर पहुंचना होगा, नहीं तो मैं तुम्हें खा जाऊंगा। भीम ने थोडी देर विचार करने के बाद ऋषि पुरुष मृगा की शर्त स्वीकार कर ली। शर्त स्वीकार करने के बाद वे अपनी पूरी शक्ति के साथ हस्तिनापुर की और दौडने लगे। बहुत दूर तक भागते-भागते भीम ने जब पीछे की ओर यह जानने के लिए देखा कि ऋषि पुरुष मृगा कितने पीछे रह गए हैं तो उन्होंने पाया कि ऋषि तो बस उन्हें पकडने ही वाले हैं। यह देख भीम चौंक गए और घबराकर अपनी पूरी शक्ति के साथ शीघ्रता से भागने लगे। लेकिन हर बार पीछे देखने पर उन्हें ऋषि मृगा उनके बिलकुल पास नजर आते थे।

भागते-भागते तभी भीम को हनुमानजी के दिए उन 3 बालों की याद आ गई। हनुमानजी ने कहा था कि संकट काल में ये तुम्हारे काम आएंगे। भीम ने उनमें से एक बाल दौडते-दौडते जमीन पर फेंक दिया। वह बाल जमीन में गिरते ही लाखों शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। भगवान शिव के परम भक्त होने के कारण ऋषि पुरुष मृगा मार्ग में आए प्रत्येक शिवलिंग को प्रणाम करते हुए आगे बढने लगे। इसके चलते भीम को दूर तक भागने का मौका मिल गया। कुंती पुत्र भीम लगातार भागते रहे। फिर जब भीम को लगा कि ऋषि अब फिर से उन्हें पकड ही लेंगे तो उन्होंने फिर से एक बाल गिरा दिया और वह बाल भी बहुत से शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार से भीम ने ऐसा 3 बार किया।

अंत में जब भीम हस्तिनापुर के द्वार में घुसने ही वाले थे कि ऋषि पुरुष मृगा उन्हें पकडने के लिए दौडे और उन्हें पकड ही लिया था कि तभी भीम ने छलांग लगाई और उनका बस पैर ही द्वार के बाहर रह गया था। इस पर पुरुष मृगा ने उन्हें पकडते हुए खाना चाहा, लेकिन उसी दौरान भगवान कृष्ण और युधिष्ठिर द्वार पर पहुंच गए। दोनों को देखकर युधिष्ठिर ने भी पुरुष मृगा से बहस करनी शुरू कर दी। तब युधिष्ठिर से पुरुष मृगा ने कहा कि शर्त अनुसार इसका पैर द्वार के बाहर ही था अत: यह पहुंच नहीं पाया। ऐसे में मैं इसे खाऊंगा। फिर भी हे धर्मराज तुम न्याय करने के लिए स्वतंत्र हो। ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने ऋषि पुरुष मृगा से कहा कि भीम के केवल पैर ही द्वार के बाहर रह गए थे, बाकी संपूर्ण शरीर तो द्वार के अंदर ही है अत: आप भीम के केवल पैर ही खा सकते हैं।

ऐसा सुनकर युधिष्ठिर के न्याय से ऋषि पुरुष मृगा प्रसन्न हुए तथा उन्होंने भीम को जीवनदान दे दिया। इसके बाद ऋषि ने यज्ञ संपन्न करवाया और सबको आशीर्वाद भी दिया।

क्यों, माता आद्या शक्ति की पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार, आद्या शक्ति माँ, भगवान् विष्णु के अन्तः कारण की शक्ति हैं, योगमाया शक्ति हैं, तथा प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से संपूर्ण ब्रहमाण्ड के उत्पत्ति के कारक हैं। भगवान ब्रहमा और शिव, की उत्पत्ति भी इन्हीं के अनुसार ही हुई हैं।

सृष्टि के संचालन हेतु, भगवान विष्णु पालनहार, ब्रहमा रचनाकार, तथा शिव संहारक हुए। क्रमश: तीनो महा देव, तीन प्राकृतिक गुणों के कारक बने, सत्व गुण, रजो गुण तथा तमो गुण, संपूर्ण ब्रहमाण्ड का संचालन इन्हीं गुणों के द्वारा ही होता हैं, परन्तु इन कार्यों में इच्छा शक्ति, माता आदि शक्ति की ही होती हैं। इनकी पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है ।

त्रि-देवो के अनुसार इन की, जीवन संगिनी भी इन कार्यों में संलग्न रहती हैं। त्रि-देवियाँ या महा-देवियाँ, महा लक्ष्मी, महा सरस्वती तथा महा काली के रूप में, त्रि-देवो की जीवन संगिनी तथा सहायक हैं। महा लक्ष्मी के रूप में ये भगवान विष्णु कि सात्विक शक्ति हैं, महा सरस्वती के रूप में ये ब्रहमा जी की राजसिक शक्ति हैं तथा सती अथवा पार्वती के रूप में ये शिव के तामसी शक्ति हैं। काली कुल की देवियाँ प्राय, घोर भयानक स्वरूप तथा उग्र स्वाभाव वाली होती हैं तथा इन का सम्बन्ध काले रंग से होता हैं, इस के विपरीत श्री कुल के देवियाँ सौम्य तथा कोमल स्वाभाव की तथा लाल रंग से सम्बंधित होती हैं। महा कालीश्मशान के भयानक वातावरण में, शिव की छाती पर पैर रख मग्न रहने वाली, भयानक, घोर-रूपा शक्ति ''महा काली'' के नाम से जाानी जाती हैं। आदि काल में, जब कुछ भी व्याप्त नहीं था, केवल चारो ओर अंधकार ही अंधकार दृष्टि-गोचर होता था, व्याप्त अंधकार से एक शक्ति उत्पन्न हुई, जिस का नाम काली पडा। अंधकार से जन्मा होने के परिणाम स्वरूप, ये शक्ति तमोगुणी तथा काले वर्ण वाली हैं। वे दिव्य स्वरूप वाली, हजारों चन्द्रमा के किरणों से प्रतिबिंबित कांति वाली प्रतीत होती हैं। इन्हीं की इच्छा शक्ति ने इस संपूर्ण चराचर जगत को उत्पन्न किया हैं तथा सभी को अपने कर्मों का फल प्रदान करने वाली हैं। प्रलय काल मैं ये स्वयं महाकाल का भी भक्षण करने मैं समर्थ हैं। भगवान विष्णु के योग निमग्न रहते हुए, उदित होने वाली तामसी शक्ति, स्वयं आद्या शक्ति हैं जो संहारक हैं तथा महा माया काली के नाम से विख्यात हैं।

यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है

''ऊँ नम शिवाय'' यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। भगवान शिव को आदि देव माना जाता है। हिन्दू मान्यतानुसार भगवान शिव संहार करने वाले माने जाते हैं। जो इस संसार में आता है उसे जाना भी होता है और भगवान शिव इसी कार्य के कर्ता माने जाते हैं। शिव है धर्म की जड। शिव से ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष है।

शिव का रूप : शिव यक्ष के रूप को धारण करते हैं और लंबी-लंबी खूबसूरत जिनकी जटाएँ हैं, जिनके हाथ में 'पिनाक' धनुष है, जो सत् स्वरूप हैं अर्थात् सनातन हैं, यकार स्वरूप दिव्यगुणसम्पन्न उज्जवलस्वरूप होते हुए भी जो दिगम्बर हैं। जो शिव नागराज वासुकि का हार पहिने हुए हैं, वेद जिनकी बारह रुद्रों में गणना करते हैं, पुराण उन्हें शंकर और महेश कहते हैं उन शिव का रूप विचित्र है। अर्धनग्न शरीर पर राख या भभूत मले, जटाधारी, गले में रुद्राक्ष और सर्प लपेटे, तांडव नृत्य करते हैं तथा नंदी जिनके साथ रहता है। उनकी भृकुटि के मध्य में तीसरा नेत्र है। वे सदा शांत और ध्यानमग्न रहते हैं। इनके जन्म का अता-पता नहीं हैं। वे स्वयंभू माने गए हैं।

भगवान शिव का मंत्र

''ऊँ नम शिवाय''यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव के दो विवाह हुए। दोनों ही बार उनका विवाह भगवती के अवतारों से हुआ। पहला राजा दक्ष की पुत्री सती के साथ और दूसरा हिमालय पुत्री देवी पार्वती के साथ। शिवजी के दो पुत्र माने गए हैं कार्तिकेय और भगवान गणेश। कई जगह शिवांशों यानि शिव के अंशो का वर्णन किया गया जिनमें अंधक नामक शिवांश सबसे प्रमुख हैं।

शिव महिमा : शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर को जो वरदान दिया था उसके जाल में वे खुद ही फँस गए थे। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर दिया था। ब्रहमा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रहमा को शापित कर विष्णु को वरदान दिया था। शिव की महिमा का वर्णन पुराणों में मिलता है।

शिव के प्रमुख नाम : शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहाँ प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

शिवलिंग : विश्व कल्याण के लिए भगवान शिव संसार में शिवलिंग के रूप में विद्यमान हैं। भारत में कई जगह शिवलिंग पाए जाते हैं। भारत में बारह अहम ज्योतिर्लिंग हैं जहां भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं।

ज्योतिर्लिंग : ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएँ प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रहमात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रहम, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

शिव निवास : तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर प्रारम्भ में उनका निवास रहा। वैज्ञानिकों के अनुसार तिब्बत धरती की सबसे प्राचीन भूमि है और पुरातनकाल में इसके चारों ओर समुद्र हुआ करता था। फिर जब समुद्र हटा तो अन्य धरती का प्रकटन हुआ। जहाँ पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रहमाजी का स्थान है। ऐसा पुराण कहते हैं। काशी मान्यतानुसार भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर है। लेकिन उनकी प्रिय नगरी है काशी। पुराणों के अनुसार काशी के कण-कण में शिव विराजमान हैं।

शिव की प्रिय वस्तुएं : रुद्राक्ष : भगवान शिव के आभूषणों में रुद्राक्ष का अहम महत्व है। मान्यता है कि त्रिपुरासुर नामक राक्षस के वध के बाद भगवान शिव के नेत्रों से गिरे अश्रु बिन्दुओं से वृक्ष उत्पन्न हुए और रुद्राक्ष के नाम से प्रसिद्ध हुए।

भस्म : भगवान भोलेनाथ भस्मी में रमते हैं। मान्यता है कि शिवजी की पूजा भस्म के बिना पूर्ण नहीं होती।

बेलपत्र : भगवान शंकर का एक नाम भोलेनाथ भी है क्योंकि वह बहुत जल्दी किसी की भी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। उनकी पूजा में छत्तीस भोग नहीं लगते वह तो मात्र भांग, धतूरे और बेलपत्र के चढावे से प्रसन्न हो जाते हैं।

कितनी छड़ वाली विंड चाइम्स कहां और क्यों लगाएं?

फेंगशुई भारतीय वास्तु शास्त्र का चीनी रूपांतरण है। फेंगशुई की पवन घंटी (विंड चाइम्स) सर्वाधिक चलन में है।

दरअसल विंड चाइम या पवन घंटी से जो मधुर ध्वनि निकलती है वह पूरे घर में फेंगशुई के अनुसार ची की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित करती है। इसलिए घर में विंड चाइम लगाते हैं। घर या आफिस के लिए फेंगशुई में अलग-अलग प्रकार की विंड चाइम के बारे में बताया गया है तो आइये जानते है कि घर या आफिस के कौन से कमरे या स्थान के लिए किस प्रकार की विंड चाइम उपयुक्त रहेगी।

नीचे विंड चाइम्स के कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिनसे आप भी अपने घर को समृद्धशाली बना सकते हैं-

- पांच छड़ वाली विंड चाइम का प्रयोग अध्ययन कक्ष में लगाने से वहां के सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं।
- छह छड़ों वाली विंड चाइम को ड्राइंग रूम में लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा निकलती है तथा पूरे घर में फैलती है।
- सात छड़ों वाली विंड चाइम बच्चों के कमरे में लटकानी चाहिए। यह शुभ होती है।
- आठ छड़ों वाली विंड चाइम का प्रयोग कार्यालय में करना बेहतर होता है।
- अगर परिवार के सदस्यों को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है तो ड्राइंगरूम में नौ छड़ों वाली विंड चाइम लगानी चाहिए। इससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

घर में गणेशजी की प्रतिमा बढ़ाती है धन-दौलत

शास्त्रों के अनुसार प्रथम पूज्य श्री गणेश को परिवार का देवता माना गया है। परिवार की किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए गणेशजी की आराधना श्रेष्ठ उपाय है। वहीं वास्तु में भी श्री गणेश की प्रतिमा को वास्तुदोष दूर करने का अचूक उपाय बताया गया है।

वास्तु के अनुसार घर में विघ्न विनाशक श्री गणेश की प्रतिमा रखना बहुत शुभ माना जाता है। जहां गणेशजी की प्रतिमा रहती है उस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का वास्तुदोष सक्रीय नहीं हो पाता।

साथ ही घर के आसपास भी नकारात्मक ऊर्जा भी प्रभाव नहीं दिखा पाती। इनकी प्रतिमा के शुभ प्रभाव से परिवार के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ मिलता है और सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

घर में श्रीगणेश की प्रतिमा कहां रखनी चाहिए? इस संबंध में वास्तु के अनुसार इनकी मूर्ति ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में लगानी चाहिए। नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) में श्रीगणेश की मूर्ति शुभ प्रभाव नहीं देती।

घर के पूजन स्थल पर गणेशजी की बाएं हाथ की ओर सूंड वाली मूर्ति बहुत शुभ मानी जाती है। घर में जहां वास्तु दोष हो वहां सिंदूर से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं। साथ घर के मुख्य द्वार गणेशजी की प्रतिमा या उनका प्रतिक चिन्ह स्वस्तिक बनाएं।

मैन्स फैशन का एक बड़ा पार्ट है बैग। अगर आपने सही बैग चुन लिया तो समझिए आपका आधा टशन तो ऐसे ही जम गया। अगर आप सोचते हैं कि फैशन या शो ऑफ सिर्फ फीमेल्स का ही शौक है, तो बता दें कि मेल्स भी इस मामले में पीछे नहीं है, खासतौर पर यूथ। लुक्स और एक्सेसरीज को लेकर वे महिलाओं से ज्यादा कॉन्शस रहते हैं। खासतौर पर बैग्स की शॉपिंग तो वे बहुत ध्यान से करते हैं।

यूथ के लिए स्टाइलिश बैग...

लड़कों के लिए फैशन की अगर बात करें तो उनके लिए बैग एक ऐसी चीज है जो सबसे ज्यादा जरूरी होती है। लड़के हों या लड़की हर किसी के लिए बैग बहुत जरूरी होते हैं, लेकिन अगर आप एक सही बैग का चुनाव नहीं करेंगे तो आप अपने दोस्तों के बीच मजाक का विषय बन सकते हैं। वैसे तो महिलाओं के लिए कई तरह के डिजाइन में बैग मिल जाते हैं, लेकिन जब बात लड़कों की आती है तो उनके लिए बहुत ही कम डिजाइन मौजूद होते हैं। उनमें से भी कौन सा डिजाइन आपके लिए सही रहेगा यह चुनना भी बहुत कठिन होता है। देखने में आया है कि आमतौर पर यूथ ऐसे बैग्स प्रेफर करते हैं जिनमें उनका सारा सामान आ सके और जो कैरी करने में भी आसान हो। यहां हम आपको ऐसे बैग्स के बारे में बताएंगे, जो कंफर्ट के साथ-साथ आपके फैशन स्टेटमेंट को भी बढ़ा देंगे।

मैसेंजर बैग क्लासिक

मैसेंजर बैग आज के समय को ध्यान में रख कर बनाया गया है। इस बैग में आपको काफी सारे रंग मिल जाएंगे। यह बैग पुराने समय के चमड़े के बैग से अलग है। इस बैग का प्रयोग आप ऑफिस या फिर कॉलेज के लिए कर सकते हैं।

न्यूज बॉय बैग

यह बैग आजकल बहुत पसंद किया जा रहा है। यह बैग मैसेंजर बैग की ही तरह दिखता है पर इसके डिजाइन में काफी सारे परिवर्तन किए गए हैं, जिसके कारण यह एक अलग लुक देता है। अगर आप कॉलेज जाने के लिए बैग देख रहे हैं तो यह आपके लिए सबसे ज्यादा अच्छा रहेगा।

टोटे बैग

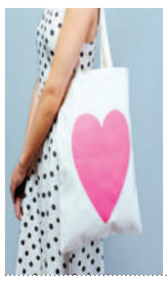

टोटे बैग एक क्लासिक बैग की श्रेणी में आता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं तो यह बैग आपके लिए सबसे अच्छा रहेगा। इस बैग को एक मुलायम चमड़े से तैयार किया जाता है। यह बैग आपको भूरे या काले रंग में मिल जाएगा। यह बैग दिखने में भी बहुत अच्छा लगता है तथा इसमें आप अपनी जरूरत के अनुसार सामन भी रख सकते हैं।

होबो बैग

न्यूज बॉय बैग की ही तरह यह बैग भी आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। यह बैग भी एक क्लासिक लुक देता है। यह बैग दिखने में काफी छोटा लगता है, लेकिन इसमें आप हर तरह का सामान रख सकते हैं। इस बैग को भी आप ऑफिस व कॉलेज कहीं भी जाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं।

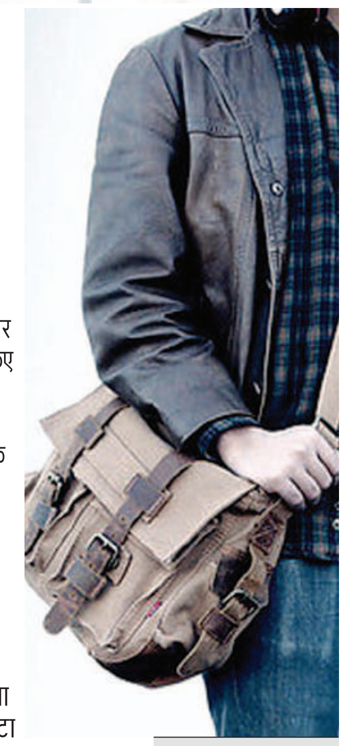

मैसेन्जर बैग

कॉलेज स्टूडेंट में इस बैग को लेकर काफी क्रेज है, क्योंकि यह कैज़ुअल अपील देता है। शाम को कहीं घूमने जाने का प्लान है या फ्रेंड्स के साथ कोई गेट-टु गेदर है, कैरी करने में ये बैग्स बेस्ट ऑप्शन हैं। वैसे बैग्स का एक्सटीरियर और इसमें अवेलेबल डिफरेंट कलर्स भी इसके लिए लाइकिंग बढ़ा रहे हैं।

दुफ्फेल बैग

अगर आप कहीं घूमने जाने की सोच रहे हैं तो आप इस बैग का प्रयोग कर सकते हैं। यह बैग दिखने में जितना स्टाइलिश है उतना ही यह मजबूत भी है। अगर आप किसी लंबे सफर पर जाने वाले हैं तो यह बैग बहुत अच्छा रहेगा। इस बैग को भी चमड़े से तैयार किया जाता है जिसका लुक भी काफी अच्छा है।

ब्रीफकेस: ब्रीफकेस हमाशा से ही ट्रेंड में रहे हैं और आगे भी इनका क्रेज बरकरार रहने वाला है। ऐसा नहीं है कि ये केवल ऑफिस जाने वालों के लिए ही हैं, बल्कि इस ऑप्शन को आप हर अकेजन पर कैरी कर सकते हैं। वैसे आजकल इनमें आपको अलग-अलग टेक्सचर के साथ लुक्स में भी काफी वैरायटी मिल जाएगी।

ट्रैवल बैग

जिन लोगों को घूमने-फिरने का बहुत शौक है, उनके लिए ट्रैवलिंग बैग पहली पसंद होगी। चाहे आप एक वीक के लिए बाहर जा रहे हैं या फिर प्लान लंबे टूर पर निकलने का है, हर मामले में ये बैग बेस्ट ऑप्शन रहेंगे। दरअसल, एक तो यह उठाने में आसान है और दूसरा इन बैग्स में काफी सामान आ सकता है। इसके अलावा इन बैग्स को मजबूती और स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बिनेशन भी माना जाता है।

कैमरा बैग

इस फैशनेबल टूरिस्ट बैग का इस्तेमाल किसी छोटे ट्रिप पर या साइट सीन पर जा रहे लोग करते हैं। इस बैग को आप कैमरा और हल्का-फुल्का सामान जैसे चार्जर, चाबी या टिकट रखने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके बाहरी एरिया में लगा लैदर जहां आपको एक अलग लुक देगा, वहीं इससे क्लासी फैशन स्टैटमेंट भी मिलती है।

स्पोर्ट्स वीयर नापेंगे दिल की धड़कन...

टोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक नई स्याही का ईजाद किया है जिसका उपयोग टेक्सटाइल उद्योग में स्पोर्ट्स वीयर व अंडर वीयर की रंगाई में किया जाएगा। इसकी खास विशेषता है कि यह रंग करंट का सुचालक होगा और इससे स्पोर्ट्स वीयर को पहनने वाले खिलाड़ी के दिल की धड़कन की गति व मांसपेशी में हो रही संकुचन को मापा जा सकेगा। इस स्याही का प्रयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने एक सेंसर को भी बनाया जिसे खिलाड़ी अपनी रिस्ट पर बांध सकेंगे। चूंकि पूरा का पूरा परिधान ही बिजली का सुचालक होगा, इसलिए हाथ में बंधा सेंसर खिलाड़ी के शारीरिक परिवर्तनों को माप सकेगा। खिलाड़ी के हाथ में बंधा सेंसर डिवाइस 4×4 सेंटीमीटर के क्षेत्र में प्रभावी होगा। ऐसा करने के लिए इसमें नौ इलेक्ट्रोड लगे होंगे। शोधकर्ताओं के मुताबि इसका उद्देश्य ऐसे डिवाइस का निर्माण करना था जिसे आसानी से पहना जा सके और यह स्याही उसी प्रोजेक्ट पर रिजल्ट है। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी बाधा स्याही के कंडक्शन व इसके फैलाव का था। हालांकि इस स्याही के आ जाने से यह संभव हो पाया। अभी तक उपलब्ध प्रिंट किया जाने वाला इलेक्ट्रोनिक आईटम जैसे ट्रांजिस्टर, डायोड व सोलर पैनल को सिर्फ कागज या प्लास्टिक के पदार्थों पर प्रिंट किया जा सकता था लेकिन अब इस स्याही के आ जाने से इन आईटमों को कपड़े पर भी प्रिंट किया जा सकेगा। साथ ही इस स्याही की यह भी विशेषता है कि इसके प्रयोग में कठिन विधियों से नहीं गुजरना पड़ता है। यह स्याही चांदी, फ्लोरीन व रबड़ से बनाई जाती है। इस स्याही से रंगे कपड़े अपने आकार के तीन गुने एलास्टिक होते हैं। चांदी की मौजूदगी के कारण यह बिजली के सुचालक भी होते हैं।

जिम में भी दिखें स्टाइलिश...

आजकल हर कोई स्टाइलिश दिखने की चाहत रखता है, चाहे वह लड़का हो या फिर लड़की। कॉलेज और ऑफिस में तो अक्सर आप स्टाइलिश बनकर जाते ही हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि आप जिम में भी स्टाइलिश लग सकते हैं। जिमिंग के लिए ट्रैक पैंट्स काफी आरामदायक रहती हैं। इन्हें पहन कर आप आराम से जिमिंग कर सकते हैं। ध्यान रहे कि जिमिंग करते समय कभी भी स्किनी फिट पैंट्स नहीं पहननी चाहिए क्योंकि स्किनी पैंट्स पहनकर आप अच्छे से हिल डुल नहीं पाते। अगर आपको जिमिंग करते हुए कुछ समय हो गया है और अपनी बॉडी को आप फ्लांट करना चाहते हैं तो इसके लिए टैंक टॉप्स एक बेहतर विकल्प है। वर्कआउट करते समय सिर्फ कपड़ों पर ही ध्यान न दें। आप जिमिंग के लिए जूतों पर भी खास ध्यान दें। इसके लिए आपको जूतों की स्थिरता और ग्रिप पर भी खास ध्यान देना चाहिए। जिस तरह की एक्सरसाइज आप करते हैं, उसी हिसाब से ही जूते पहनें।

प्राकृतिक खुशबू पाएं...

लड़कों में लड़कियों की तुलना में ज्यादा पसीना आता है, अधिकतर मामलों में यह उनके हार्मोन्स के कारण होता है। यदि आप नियमित रूप से वर्क आउट करते हैं तो आपकी पसीने की ग्रंथियां ज्यादा काम करती हैं जिससे शरीर से पसीने की बदबू आने लगती है। यदि शरीर पर पसीना ज्यादा आता है तो बैक्टीरिया ज्यादा पैदा होते हैं जिनसे शरीर से बदबू आती है और त्वचा पर खुजली चलती है। परफ्यूम्स और डियोडरेंट इस्तेमाल करने से शरीर से बदबू नहीं आती है, लेकिन प्राकृतिक रूप से शरीर से अच्छी खुशबू आनी चाहिए। बैक्टीरियारोधी साबुन से नहाने से शरीर के बैक्टीरिया मर जाते हैं और पसीना कम बनता है जिससे शरीर से बदबू नहीं आती है। सूती टी शर्ट या शर्ट पसीने को जल्दी सोख लेते हैं और आपकी कांखें फ्रेश रहती हैं और बदबू पैदा नहीं होती है।

कैसे लें परफेक्ट शॉर्ट्स...

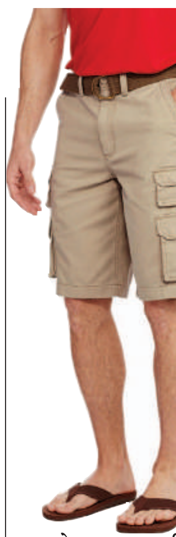

लोग अक्सर यही सोचते हैं कि शॉर्ट्स कुछ ऐसे पहनें जिससे वे अलग लगे। अगर हम बात करें शॉर्ट्स की तो ये मार्केट में हर तरह के उपलब्ध है। शॉर्ट्स एक ऐसी चीज हैं जो हर लड़के को पसंद आते हैं। शॉर्ट्स कमर्फट होते हैं और ये आपको एक स्मार्ट लुक भी देते हैं। तो हम आपको इसी बात की सलाह देंगे कि आप अपने लिए अलग-अलग रंगों में शॉर्ट्स ले सकते हैं। इस तरह के शॉर्ट्स आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करते हैं। अक्सर यह देखा गया है कि लड़के अपने लिए शॉर्ट्स तो ले लेते हैं, लेकिन लेते समय उन्हें यह पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए किस तरह के शॉर्ट्स लेने चाहिए। जिसके कारण अक्सर वे अपने लिए गलत शॉर्ट्स का ही चुनाव करते हैं। अगर आप भी शॉर्ट्स लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने लिए एक सही शॉर्ट्स का चुनाव कर सकते हैं।

घुटनों तक लंबा

ज्यादातर लड़कों को ये पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए कितने लंबे शॉर्ट्स लेने चाहिए। अगर आप को भी इस बात की जानकारी नहीं है तो हम आपको बता दें कि आप जब भी शॉर्ट्स लें तो उन्हें कम से कम अपने घुटनों तक लंबा लें। वैसे अगर आप एथलीट शॉर्ट्स लेते हैं तो ये आपको घुटनों से ऊपर ही मिलेंगे क्योंकि इन्हें स्पोर्ट्स खेलने वाले लड़कों के लिए डिजाइन किया जाता है।

ज्यादा टाइट न हो

आप जब भी अपने लिए शॉर्ट्स लें तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ज्यादा टाइट न हो और न ही ज्यादा ढीले हों। आप अपने शरीर के आकार को ध्यान में रख कर ही शॉर्ट्स का चुनाव करें।

रंगों का भी ध्यान रखें

शॉर्ट्स लेते समय उनके रंगों पर भी ध्यान देना चाहिए। आप जब भी शॉर्ट्स खरीदें तो उन्हें लाल, नीले या हरे आदि रंगों में ही लें। ये रंग शॉर्ट्स में अच्छे लगते हैं और ये हर किसी के साथ मैच भी कर जाते हैं।

पॉकेट का डिजाइन

आप जब शॉर्ट्स लें तो उनकी पॉकेट पर भी जरूर ध्यान दें क्योंकि लड़कों के लिए डिजाइन किये जाने वाले शॉर्ट्स में उन्हें स्टाइलिश बनाने के लिए पॉकेट का भी प्रयोग किया जाता है। तो अच्छा होगा कि आप जो भी शॉर्ट्स लें उनकी पॉकेट के डिजाइन को भी जरूर देखें।

लुक में चार चांद लगाती घड़ियां...

जिस तरह लड़कियों को एक्सेसरीज पहना पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी एक्सेसरीज पसंद आती हैं। हम जानते हैं कि अब आप ये सोच रहे होंगे कि लड़कियों के लिए तो बहुत सी एक्सेसरीज मिल जाती हैं, लेकिन लड़कों के लिए तो बहुत कम ही होती हैं। वैसे कहीं न कहीं यह बात सही भी है, लेकिन लड़कों की एक्सेसरीज में एक चीज ऐसी है जो कि आपको हर लड़के के पास देखने को मिल जाएगी। जी हां, हम बात कर रहे हैं घड़ियों की।

अगर आप हर समय फैशनेबल लगना पसंद करते हैं तो घड़ी एक ऐसी चीज है जो हर समय फैशन में बनी रहती है और मात्र एक घड़ी से आप अपने पूरे लुक में चार चांद लगा सकते हैं। घड़ियां ऐसी एक्सेसरीज हैं जो कि लड़के हों या लड़कियां हर किसी को पसंद आती हैं। इसी कारण आजकल डिजाइनर्स भी अनेकों डिजाइन्स की घड़ियों को बाजार में उतार रहे हैं।

अगर आप मार्केट में जाएं और सोचें कि आप अपने लिए एक सिम्पल सी घड़ी ही लेंगे तो हो सकता है मार्केट में मौजूद अलग-अलग डिजाइन को देख कर आप भी कन्फ्यूज हो जाएं। आज हम आपको ऐसी घड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में हर लड़के को पता होना चाहिए। साथ ही ये घड़ियां आपके हर तरह के ड्रेस के साथ बहुत अच्छी लगेंगी।

ड्रेस वॉच

ड्रेस वॉच एक ऐसी वॉच होती है जो दिखने में बहुत साधारण लगती है। इसमें नंबर्स को दिखाने के लिए रेखाओं का प्रयोग किया जाता है तथा इसमें नंबर्स को ज्यादा कॉम्प्लिकेटिव नहीं रखा जाता है। यह वॉच आपको बैंड लेदर में भी मिल जाएगी। इतना ही नहीं आप बैंड के रंगों के अनुसार भी अपने लिए इस वॉच को पसंद कर सकते हैं। अगर आप कैजुअल पहनना पसंद करते हैं तो यह वॉच इस तरह के कपड़ों के साथ बहुत अच्छी लगती है।

फील्ड वॉच

फील्ड वॉच दिखने में बहुत बड़ी होती है तथा इसमें नंबर्स को भी काफी बड़ा दिखाया जाता है। जिससे कि अगर आप अचानक भी अपनी घड़ी की तरफ देखें तो आपको समय का ज्ञान हो जाए। वैसे आजकल ये वॉच छोटे आकार में भी मिल जाती है। इस वॉच के बैंड को बनाने के लिए नाइलॉन का प्रयोग किया जाता है।

एविएटर वॉच

एविएटर वॉच भी फील्ड वॉच की ही तरह दिखती है, लेकिन आजकल इसके डिजाइन में काफी बदलाव किया गया है। इस वॉच में आपको काले रंग के बैकग्राउंड के साथ सफेद रंग के नंबर्स मिलेंगे तथा इसके अलावा इसमें आपको वॉच को रोकने और चलाने के लिए बटन भी मिलेंगे जो इसके लुक को और घड़ियों से अलग बनाते हैं।

रेसिंग वॉच

रेसिंग वॉच में आपको बहुत सारे रंग देखने को मिल जाएंगे। ये अन्य वॉच की तरह एक-दो रंग में नहीं मिलती है। इस वॉच में आपको एक साथ कई रंगों का मिश्रण मिल जाएगा। अगर आप अपने लिए कुछ ऐसा देख रहे हैं जो कि थोड़ा फंकी हो तो आप इन घड़ियों का प्रयोग कर सकते हैं।

डिवे वॉच

डिवे वॉच की एक सबसे बड़ी खूबी ये है कि ये घड़ियां पानी के संपर्क में आकर खराब नहीं होती हैं। इतना ही नहीं इस घड़ी में अगर आप अंधेरे में समय देखना चाहते हैं तब भी देख सकते हैं, क्योंकि इस घड़ी के नंबर्स अंधेरे में चमकने लगते हैं। इससे ये अंधेरे में भी समय देखने में मदद करती हैं।

संपादकीय

मुनाफे का जानलेवा खेल

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल, जालंधर अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना, मुक्तसर, मोहाली, नकोदर और पठानकोट में छह बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं। इन सभी यूनिटों द्वारा हर दिन बीस हजार किलोग्राम बायोमेडिकल कचरे का निस्तारण किया जाता है। जिसकी निगरानी के लिये पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक बारकोडिंग प्रणाली के जरिये जानकारी जुटाता है। इतना ही नहीं, कचरा ढोने वाले वाहनों की ट्रैकिंग और अन्य जानकारियां ऑनलाइन अपलोड की जाती हैं। सवाल यह उठता है कि इस अपवित्र कृत्य की कमजोर कड़ी कहां है? पुलिस सूत्रों ने इशारा किया है कि बायोमेडिकल कचरे पर मोहाली की एक अधिकृत कचरा संग्रहण कंपनी के बारकोड लगे थे। स्पष्ट है कि मानव स्वास्थ्य के लिये घातक कचरे को वैध निपटान प्रक्रिया से गुजारने के बजाय मुनाफे के लिये बाजार में बेच दिया गया। कहना कठिन है कि यह खतरनाक खेल कब से चल रहा था और न जाने कितने लोगों को घातक संक्रमण का शिकार बना दिया गया होगा। निस्संदेह, यदि प्रवर्तन एजेंसियां ईमानदारी से सख्त कार्रवाई करें तो अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस प्रकरण में एक ऐसी कंपनी की कारगुजारी संदिग्ध है, जिसे बायोमेडिकल कचरे के अनुचित प्रबंधन मामले में पहले भी पकड़ा जा चुका है। यदि पहले ही दोषियों को सख्त दंड मिला होता तो शायद वे दुबारा ऐसा करने का दुस्साहस नहीं कर पाते। निस्संदेह, नियामक तंत्र की कोताही और हमारी कानून व्यवस्था के छिद्र ऐसे अपराधियों को फिर-फिर पनपने का मौका देते हैं।

बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल, जालंधर अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं।

कुछ अलग

चढ़ गया ऊपर रे ज़ुल्मी कॉकरोच रे...

झून्नू लाल जी अपनी मस्ती में नब्बे के दशक की फिल्म दलाल के गाने की तर्ज़ पर 'गुटर गुटर गुटर गुटम, गुटर गुटर गुटर गुटम, अरे चढ़ गया ऊपर रे, चढ़ गया ऊपर रे ज़ुल्मी कॉकरोच...रे, हाँ' गाते हुए अकेले कदम बढ़ाते हुए चले जा रहे थे। मैंने उन्हें बताया कि गाने में कबूतर है और वह इसमें कॉकरोच ले आए हैं। वह हंसते हुए बोले, 'अमा यार! आजकल देश में कॉकरोच के जलवे हैं। चीफ जस्टिस के बयान के बाद पूरे देश भर में कॉकरोच को लेकर नई बहस छिड़ गई है।' मैंने उनसे कहा कि आपके गाने को सुनकर मुझे आदित्य नारायण की कविता 'इधर भी गधे हैं, उधर भी गधे हैं' की याद आ रही है। पर आपके गाने में कबूतर की जगह कॉकरोच आ गया है। वह हंसते हुए बोले, 'मियां! पहले जमाना गधों का था। पर जब से पाकिस्तान गधों के निर्यात से विदेशी मुद्रा कमाने लगा है, हमने गधों को पाकिस्तान के लिए छोड़ दिया है। तुम्हें याद होगा पहले जब सरकारी स्कूलों के बच्चे अपना सबक याद करके नहीं आते थे तो मास्साब गुस्से से बोलते थे, 'गधा कहीं का'। न तुझे कुछ आता है और न ही तू मेहनत करना चाहता है। तेरा भगवान ही मालिक है। अब गधों का कायांतरण हो रहा है। गधे कॉकरोच में बदल रहे हैं।' गधों के कॉकरोच में बदलने के संबंध में कही गई उनकी बात सुनकर मैंने अपने आपको टटोलकर आश्वस्त किया कि कहीं मेरा कायांतरण तो नहीं हो रहा। मेरा अपना मानना है कि मनुष्य भले गधे में बदल जाए, पर कॉकरोच से बेहतर है। कम से कम गधा मेहनत करता है और कॉकरोच की तरह जूठन या अपशिष्ट पर ज़िंदा नहीं रहता। इतने साल ज़िंदगी का बोझ ढोने के बाद मुझे अब इस बात पर कोई शक नहीं कि आदमी समय बदलने के साथ धोबी या कुम्हार का ऐसा बंधुआ गधा हो जाता है जो बिना किसी प्रतिकार के अपनी ज़िम्मेवारियों का निर्वहन करता रहता है।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी-2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़

सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है। भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर "चाइना प्लस वन" रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा।

तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस "वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर" की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है। आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा।

देश दुनिया से

उपभोक्ता व्यवहार परिवर्तन में वैश्विक संकट का हल

पूरी दुनिया युद्ध के दावानल से गुजर रही है। यह आग थमने का नाम नहीं ले रही। संवाद और समझौते की घोषणाएं होती हैं, जिससे कुछ समय के लिए शेयर बाजारों में उत्साह दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही संघर्ष का कठोर सच सामने आ जाता है। यह संघर्ष अब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। युद्धरत देशों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने के लिए आपूर्ति मार्गों पर कब्जा जमा लिया है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच चल रहा तनाव अब होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी तक पहुंच गया है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। नतीजा साफ है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप जैसे समृद्ध और आयात-आधारित देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी इस युद्ध से चरमरा रही हैं। कोविड काल एक प्राकृतिक महामारी थी, लेकिन वर्तमान संकट मानव निर्मित है, जिसे युद्धरत देशों ने शक्ति प्रदर्शन की होड़ में पैदा किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध से भी इतनी बड़ी आपूर्ति अव्यवस्था नहीं हुई थी, जितनी पश्चिम एशिया के संघर्ष ने पैदा कर दी है। सबसे गंभीर स्थिति होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी से बनी है। कच्चे तेल और गैस से भरे सैकड़ों जहाज रास्तों में रुके पड़े हैं, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत ने अपने ऊर्जा भंडार के सहारे आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक संभालना आसान नहीं होगा। भारत की अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। पेट्रोल, डीजल, गैस, डामर और यूरेनियम तक इसी मार्ग से आते हैं। ऐसे में आयात संकट गहराता जा रहा है और सीमित भंडार तेजी से घट रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को विश्व के लिए गंभीर और भयावह संकट बताया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल बलिदान देने तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक संकट के समय जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीने में भी है। भारत के सामने इस समय बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति की है, क्योंकि देश

अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते खाड़ी देशों से आता है। इसी मार्ग से प्राकृतिक गैस, तारकोल और किसानों के लिए उर्वरक भी भारत पहुंचते हैं। लेकिन युद्ध के कारण यह रास्ता बाधित हो गया है। लगातार बढ़ती हिंसा और तबाही से साफ है कि शांति वार्ताएं फिलहाल केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं और युद्धरत देश टकराव की राह पर अड़े हैं। ऐसे में निकट भविष्य में होर्मुज मार्ग खुलने की संभावना भी कम नजर आ रही है, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट और गहरा सकता है। प्रधानमंत्री ने पूरे देश से अपने उपभोक्ता व्यवहार को बदलने की अपील की है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि जैसे भी हो, अपने पेट्रोल और डीजल की खपत घटाएं क्योंकि हमारे पास यथेष्ट तेल के कुएं नहीं और हम कच्चा तेल बाहर से मंगवाते हैं। अब जब आयात बढ़ेगा तो जाहिर है, हमारे रुपये के मूल्य पर उसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। डॉलर के मुकाबले उसका मूल्य लगातार घटता न जाए, इसलिए देश के पास उचित सोने के भंडार होने चाहिएं ।जो उसके विनिमय व्यवहार के काम आएं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोने की गैर-जरूरी खरीद से बचने की अपील की है। भारत में विवाह आदि अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की पहुंच से इसे दूर कर दिया है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्थिति और गंभीर हो गई है। कोविड के बाद शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक जारी है, वहीं चीन-ताइवान तनाव भी बढ़ता जा रहा है। इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। ऊर्जा संकट, महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और बाजार की अस्थिरता बढ़ी है। इसका असर भारत सहित अनेक देशों पर दिखाई दे रहा है, जिससे आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ गई है। विश्व में पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। भारत अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए इस संकट का सीधा असर देश के भोजन, ईंधन और कृषि आपूर्ति पर पड़ना तय है। इस स्थिति से निपटने हेतु विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी कारण उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव की अपील की गई है— पेट्रोल और डीजल का सावधानी से उपयोग, सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो का अधिक उपयोग और कारपूलिंग को बढ़ावा देने की बात कही जा रही है। माल ढुलाई में भी रेलवे सेवाओं के अधिक उपयोग पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि वर्तमान ढांचे में अभी पूरी तरह परिवर्तन संभव नहीं है। ऐसे में सरकार के सामने मूल्य स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि युद्ध का समाधान अभी दूर दिखाई देता है।

आप का नज़रिया

शहरी निकायों के सबक

शहरी निकाय चुनावों से गुजरा हिमाचल न उजला-न दुबला। अगर यह राजनीतिक सीमा रेखा है तो जनता ने दोनों पाटों को कमोबेश बराबर रख दिया है। कांग्रेस के लिए खुशी की बात यह कि सत्ता को रास्ता दिखाते कांगड़ा की शहरी जनता ने उसका भरपूर समर्थन किया है। रोचक तथ्य यह भी है कि आधा दर्जन से ऊपर कुछ निकाय ऐसे नतीजों के साथ बाहर आए हैं, जहां न कांग्रेस और न ही भाजपा, बल्कि अन्य लोगों ने स्वतंत्र विचारधारा में जीत दर्ज की है। पूरे हिमाचल की दृष्टि से निर्दलीय या किसी स्वतंत्र धड़े की जीत का कोई भी सिरा पकड़ें, तो हमें मालूम होगा कि प्रदेश अब तीसरा मोर्चा खोज रहा है। यह चुनाव हालांकि प्रत्यक्ष राजनीति के सुपुर्द नहीं थे, फिर भी जीत-हार के अंतर में हम विधानसभा चुनाव की तैयारियां देख सकते हैं। हैरानी के कक्ष में मंडी के चुनावों का दावा विपक्ष की तैयारियों में खलल डाल रहा है, इस तरह अब अगली कसौटी नगर निगम चुनावों से तय होगी। नगर निकाय चुनावों में कुछ विधायकों के अरमानों पर चोट पहुंची है, जबकि अन्य अपना लाव लश्कर तय कर रहे हैं। जिला कांगड़ा में कांगड़ा, देहरा, नूरपुर, ज्वालामुखी और शाहपुर में स्थानीय नेताओं की वजह से कांग्रेस आगे हुई, तो इस बिसात पर सरकार की ओर से कांगड़ा का चेहरा बनाए गए आरएस बाली के गढ़ में कांग्रेस को भारी चपत लगी है। यहां भाजपा समर्पित चार और एक निर्दलीय की जीत से कांग्रेस के प्रतिकूल एक टिप्पणी है। कांगड़ा ने मुख्यमंत्री को अपनाया है, यह तो सिद्ध होता है, लेकिन कुछ नेताओं के प्रति अविश्वास पेश किया है। अर्की में भी भाजपा के प्रति झुकाव से सियासी ताना बान असहमति पेश कर रहा है। नगर निकाय चुनाव एक तरह से राजनीति का नया व्याकरण लेकर आए हैं। जाहिर है इनके आलोक में सत्ता को कई फैसले लेने में सुविधा होगी, जबकि भाजपा जिस आशा में सत्ता परिवर्तन देख रही है, वह इतनी आसान नहीं हुई है। परिणामों का मसाला दोनों तरफ उछला है और कई जगह पार्टियों के सबक दीवारों पर लिखे गए हैं। कांग्रेस के लिए राहत यह कि इसकी सरकार के फैसले जमीनी अर्थ साबित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के लिए ये चुनाव उनकी कार्यशैली, व्यक्तित्व, कृतित्व और सरकार के महत्त्व में देखे जाएं, तो भी वह सफलता के साथ अवलोकन कर सकते हैं। तमाम मंत्री अब उस गुंजाइश का संज्ञान लें, जो कई शहरी निकायों में सरकार के पक्ष में रोष प्रकट कर गए। इसी तरह विपक्ष को यह देखना होगा कि कांगड़ा उसकी झोली से उछल क्यों रहा। अब दौड़ पंचायत राज चुनाव की तरफ है, तो नतीजे और गहरे तथा ग्रास रूट तक राजनीतिक संदेश देंगे। यहां जिक्र उन 8841 उम्मीदवारों का होना स्वाभाविक है, जिन्हें जनता ने बिना चुनाव अपनी पलकों पर बैठाया। पूरे प्रदेश में 129 के करीब जो पंचायतें निर्विरोध चुनी गईं, उनके लिए बधाई का शगुन देते हुए सरकार 25 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रति पंचायत दे रही है। पंचायती राज में सामुदायिक भावना सबसे अधिक ट्राइबल क्षेत्रों में देखी गई, जबकि निचले क्षेत्रों में सामुदायिक खिन्नता में राजनीतिक विद्रूपता के प्रमाण मिल रहे हैं। बहरहाल स्थानीय निकायों की परिपाटी से गुजरते हिमाचल ने कुछ मंजिलें तय कर दीं, जबकि पूरी संवेदना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिसाब महीने के आखिर में सामने आएगा ताकि राजनीति अपना चेहरा ठीक-ठीक देख ले।

कांग्रेस के लिए खुशी की बात यह कि सत्ता को रास्ता दिखाते कांगड़ा की शहरी जनता ने उसका भरपूर समर्थन किया है। रोचक तथ्य यह भी है कि आधा दर्जन से ऊपर कुछ निकाय ऐसे नतीजों के साथ बाहर आए हैं, जहां न कांग्रेस और न ही भाजपा, बल्कि अन्य लोगों ने स्वतंत्र विचारधारा में जीत दर्ज की है। पूरे हिमाचल की दृष्टि से निर्दलीय या किसी स्वतंत्र धड़े की जीत का कोई भी सिरा पकड़ें, तो हमें मालूम होगा कि प्रदेश अब तीसरा मोर्चा खोज रहा है। यह चुनाव हालांकि प्रत्यक्ष राजनीति के सुपुर्द नहीं थे, फिर भी जीत-हार के अंतर में हम विधानसभा चुनाव की तैयारियां देख सकते हैं। हैरानी के कक्ष में मंडी के चुनावों का दावा विपक्ष की तैयारियों में खलल डाल रहा है, इस तरह अब अगली कसौटी नगर निगम चुनावों से तय होगी। नगर निकाय चुनावों में कुछ विधायकों के अरमानों पर चोट पहुंची है, जबकि अन्य अपना लाब लश्कर तय कर रहे हैं। जिला कांगड़ा में कांगड़ा, देहरा, नूरपुर, ज्वालामुखी और शाहपुर में स्थानीय नेताओं की वजह से कांग्रेस आगे हुई, तो इस बिसात पर सरकार की ओर से कांगड़ा का चेहरा बनाए गए आरएस बाली के गढ़ में कांग्रेस को भारी चपत लगी है। यहां भाजपा समर्पित चार और एक निर्दलीय की जीत से कांग्रेस के प्रतिकूल एक टिप्पणी है। कांगड़ा ने मुख्यमंत्री को अपनाया है, यह तो सिद्ध होता है, लेकिन कुछ नेताओं के प्रति अविश्वास पेश किया है। अर्की में भी भाजपा के प्रति झुकाव से सियासी ताना बान असहमति पेश कर रहा है। नगर निकाय चुनाव एक तरह से राजनीति का नया व्याकरण लेकर आए हैं।

दृष्टि कोण

दुनिया का अमरीका से डगमगाता विश्वास

कुछ समय पूर्व एक खबर आई कि सऊदी अरब अब डॉलर के साथ-साथ अन्य करेंसियों में भी तेल का व्यापार करेगा। यह वैश्विक आर्थिक जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और कुछ हद तक आश्चर्यजनक खबर भी थी। पिछले कई दशकों से दुनिया के तेल व्यापार में डॉलर का प्रभुत्व बना हुआ है और अभी भी विश्व के कुल तेल व्यापार का 80 प्रतिशत डॉलर के माध्यम से होता रहा है। 1973 के तेल संकट के बाद, 1974 के मध्य में अमरीका और सऊदी अरब के बीच आगामी 50 वर्षों के लिए एक रणनीतिक समझ बनी कि सऊदी अरब तेल की कीमत अमरीकी डॉलर में तय करेगा। वह तेल से होने वाली अतिरिक्त कमाई को अमरीकी संपत्तियों (जैसे ट्रेजरी बॉन्ड इत्यादि) में निवेश करेगा। इसके बदले में, अमरीका ने उसे सैन्य सहायता और सुरक्षा की गारंटी प्रदान की। वर्ष 2024 में उस समझ या यूं कहें तो समझौते की अवधि की समाप्ति होने के बाद तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने उस समझौते का नवीनीकरण नहीं किया, जिसके कारण सऊदी अरब अब स्थानीय करेंसियों में तेल बेचने के लिए स्वतंत्र हो गया है, और उसके लिए चीनी युआन, जापानी येन और भारतीय रुपए सहित कई अन्य करेंसियों में तेल का व्यापार करने का मार्ग खुल गया है। गौरतलब है कि अमरीका के साथ सऊदी अरब का 50 वर्ष का वो समझौता उस समय समाप्त हुआ, जब ब्रिक्स देश अमरीकी डॉलर के स्थान पर स्थानीय करेंसियों को वरीयता देने की ओर प्रयास कर रहे थे। ब्रिक्स सम्मेलनों में रूस और चीन सहित कुछ देश अब डी-डालराईजेशन की बात जोर-शोर से करने लगे हैं। हालांकि भारत खुलेतौर पर डी-डालराईजेशन का समर्थन तो नहीं करता, लेकिन अपने आर्थिक हितों के संरक्षण हेतु रुपयों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार भुगतान करने की ओर ठोस प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि भारत के बड़े व्यापार साझेदार देशों ने इस संबंध में वास्त्रो खाते

खोलकर रुपयों में भुगतान का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। विश्व में, पिछले लंबे समय से अमरीकी डॉलर का प्रभुत्व कम होने के संकेत मिलते रहे हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों में डॉलर पर दुनिया का विश्वास कुछ अधिक तेजी से डगमगाया है। हालांकि आज भी डॉलर दुनिया के लिए प्राथमिक करेंसी के रूप मे बरकरार है, लेकिन पिछले कुछ समय से दुनिया डॉलर से लगातार विमुख हो रही है। हालांकि अभी भी दुनिया के 90 प्रतिशत विदेशी मुद्रा लेन-देन डॉलरों में होते हैं, और 54 प्रतिशत वैश्विक निर्यात के बिल डॉलरों में व्यक्त किए जाते हैं, लेकिन डॉलर जिसकी वैश्विक रिजर्व करेंसी में हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 71 से 72 प्रतिशत होती थी, यूरो के प्रादुर्भाव के चलते वर्ष 2010 तक वह 61 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, और 2019 तक यह उसी स्तर पर बनी रही। लेकिन वर्ष 2020 से यह निरंतर घटती जा रही है और वर्ष 2023 में डॉलर का वैश्विक रिजर्व करेंसी में योगदान घटकर 58 प्रतिशत और 2025 में 56.3 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह घटता ही जा रहा है, और आज यह पिछले 30 सालों में न्यूनतम स्तर पर है। इस बात को समझने की जरूरत है कि डॉलर पर दुनिया का विश्वास पूर्व की तुलना में क्यों डगमगाया हुआ है? क्यों अब दुनिया के देश डॉलर को त्याग अन्य करेंसियों को वरीयता देने लगे हैं। इसको समझने के लिए हमें वैश्विक परिस्थितियों को समझना पड़ेगा। सर्वप्रथम, अमरीका द्वारा वित्त के हथियारीकरण के कारण दुनिया भर का अमरीकी प्रशासन पर विश्वास कमजोर हुआ है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ब्राज़ील टीम का ऐलान, नेमार की वापसी

कार्लो एंचेलोटी ने घोषित की ब्राज़ील की विश्व कप टीम, विनीसियस जूनियर भी शामिल

नई दिल्ली

ब्राज़ील पुरुष फुटबाल टीम के मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर दिया। टीम में स्टार फुटबालर नेमार की वापसी हुई है, जो 2023 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए हैं। 34 वर्षीय नेमार अपने करियर का चौथा फीफा विश्व कप खेलेंगे। वह ब्राज़ील के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने 128 मैचों में 79 गोल किए हैं। रियो डी जेनेरियो के म्यूज़ियम आफ टुमारो में जब एंचेलोटी ने नेमार का नाम घोषित किया तो वहां मौजूद समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया।

ब्राज़ील को फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को, हैती और स्काटलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ब्राज़ील टीम

गोलकीपर: एलिसन, एडर्सन, वेवर्टन

डिफेंडर: मार्किन्होस, गेब्रियल मागाल्हाएस, ब्रेमर, लियो परेरा, डेनिलो, वेस्ले, डगलस सैंटोस, एलेक्स सैंड्रो, इबानेज

मिडफील्डर: ब्रूनो गुइमारेस, कासेमिरो, डेनिलो एस., लुकास पाक्वेटा, फाबिन्हो

फारवर्ड: विनीसियस जूनियर, राफिन्हा, गेब्रियल मार्टिनेली, एंड्रिक, इगोर थियागो, मथियस कुन्हा, नेमार, लुइज हेनरिक, रायन।

आईपीएल से पहले टेस्ट क्रिकेट में गूंज चुका हैं पर्ची कांड, दिनेश रामदीन ने मैदान पर ऐसे दिया था करारा जवाब

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक, स्लेजिंग और जवाबी बयानबाजी कोई नई बात नहीं है, लेकिन कभी-कभी कुछ घटनाएं ऐसी हो जाती हैं जो वर्षों बाद भी चर्चा में बनी रहती हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में हाल के वर्षों में खिलाड़ियों द्वारा जेब से पर्ची निकालकर जश्न मनाने की घटनाएं खूब सुर्खियों में रही हैं। अभिषेक शर्मा के बाद उर्विल पटेल, रघु और आकाश सिंह भी इस तरह की चर्चा का हिस्सा बने। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में ऐसा पर्ची कांड कई साल पहले ही हो चुका था, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह घटना साल 2012 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच एजबेस्टन टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश रामदीन उस समय खराब फार्म से जूझ रहे थे। उनकी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज सर विवियन रिचर्ड्स ने भी सार्वजनिक रूप से रामदीन के प्रदर्शन की आलोचना की थी। विवियन रिचर्ड्स ने कहा था कि रामदीन का खेल पहले जैसा नहीं रहा और वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। यह बयान रामदीन को काफी चुभ गया और उन्होंने इसका जवाब मैदान पर देने का फैसला किया।

न्यूज़ ब्रीफ

विकेट आसान नहीं था, इसलिए अंत तक टिके रहना जरूरी था – ईशान किशन

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बल्लेबाज़ ईशान किशन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ सोमवार रात शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। चेन्नई की धीमी और चुनौतीपूर्ण पिच पर 47 गेंदों में 70 रन बनाने वाले ईशान ने मैच के बाद कहा कि विकेट आसान नहीं था और ऐसे में उनकी कोशिश अंत तक बल्लेबाज़ी करने की थी। ईशान किशन ने बताया कि विकेटकीपिंग करते समय ही उन्हें अंदाजा हो गया था कि 180 रन का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। मैच के बाद उन्होंने कहा, जब मैं विकेटकीपिंग कर रहा था, तभी मुझे लगा कि यह विकेट बिल्कुल आसान नहीं है। खासकर जब स्पिनर गेंदबाज़ी कर रहे थे और स्लोअर गेंदें प्रभावी हो रही थीं। मुझे महसूस हुआ कि इस लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल रहेगा। ऐसे में नंबर-3 बल्लेबाज़ होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं अंत तक खेलूं और मैच खत्म करके आऊं। ईशान तीसरे ओवर में बल्लेबाज़ी करने उतरे और लगभग अंत तक क्रीज पर डटे रहे। जब हैदराबाद को जीत के लिए केवल 6 रन चाहिए थे, तब वह आउट हुए। उनकी इस पारी ने टीम की जीत की नींव रखी। उन्होंने कहा, यह सिर्फ खुद पर भरोसा बनाए रखने की बात थी। कई बार परिस्थितियां कठिन होती हैं, लेकिन आपको खुद पर शक नहीं करना चाहिए। मैं बस चीजों को सरल रखना चाहता था और जितने ज्यादा ओवर संभव हो सके बल्लेबाज़ी करना चाहता था। ईशान ने आगे कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज़ होने के कारण गेंदबाज़ों के लिए लगातार सही एरिया में गेंदबाज़ी करना आसान नहीं होता। क्लासेन के साथ अहम साझेदारी ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। दोनों बल्लेबाज़ तब साथ आए जब स्क्रा। का स्कोर 56/2 था और रनगति 10 रन प्रति ओवर से ऊपर पहुंच चुकी थी।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी

नई दिल्ली। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे।

ऋतुराज गायकवाड़ अच्छे कप्तान साबित होंगे, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत : स्टीफन फ्लेमिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का समर्थन करते हुए कहा है कि वह भविष्य में फ्रेंचाइजी के लिए बेहतरीन कप्तान साबित होंगे, हालांकि इस सीजन में उनकी बल्लेबाजी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को सोमवार को पांच विकेट से मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि ऋतुराज को बल्लेबाजी में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि ऋतुराज और बेहतर कर सकते हैं। वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। वह शीर्ष क्रम के शानदार बल्लेबाज रहे हैं। लेकिन इस सीजन में उन्होंने अपने करियर के मुताबिक न तो उतने रन बनाए हैं और न ही उसी गति से रन बनाए हैं। यह ऐसी चीज है जिस पर वह जरूर काम करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को चेन्नई में खेले गए मुकाबले में सीएसके को एक ओवर शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स अब लगातार तीसरे सीजन प्लेआफ में पहुंचने से चूकती नजर आ रही है। ऋतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी, खासकर पावरप्ले में धीमी शुरुआत, इस सीजन लगातार चर्चा का विषय रही है। हैदराबाद के खिलाफ मैच में भी वह शुरुआती छह ओवर में 11 गेंदों पर सिर्फ 9 रन ही बना सके। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन की चोट का जिक्र करते हुए कहा, कम से कम इस साल वह पूरे समय टीम के साथ थे। पिछले साल चोट के कारण वह उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उस आधार पर उनका आकलन करना उचित नहीं होगा।

वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार पारी, लखनऊ 220 रन बनाकर भी हारी, रोचक हुई प्लेऑफ की रेस

जयपुर: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 64वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच आज यानी 19 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया। राजस्थान रॉयल्स ने यह मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स 14 अंक तक पहुंच गई है। वे पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर आ गए हैं।

राजस्थान रॉयल्स का समीकरण अब एक दम सीधा है। अगर वे अपना अगला मैच भी जीत जाते हैं तो बिना किसी नेट रन रेट या किसी भी चीज के राजस्थान रॉयल्स 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। आरआर के अलावा प्लेऑफ की रेस में बनी बाकी 4 टीमें 16 अंक तक नहीं पहुंच सकती।

बता दें कि राजस्थान का अगला मुकाबला 24 मई को मुंबई इंडियंस से है। हालांकि अगर राजस्थान अगला मैच हार जाती है तो काफी कुछ फिर अन्य टीमों पर निर्भर करेगा।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली 93 रन की तूफानी पारी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर तूफानी बैटिंग की। हालांकि वह अपने शतक से सिर्फ 8 रन से चूक गए। वैभव सूर्यवंशी ने 38 गेंद का सामना कर 244.74 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 93 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 10 छक्के और 7 चौके उड़ाए। अपनी इस पारी के चलते सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड बना डाले।

इस मैच में कप्तानी कर रहे यशस्वी जायसवाल ने भी 23 गेंद में 43 रन की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भी 53 रन की शानदार पारी खेली। वह नाबाद वापस ड्रेसिंग रूम में लौटे। लुहान ड्रे प्रिटोरियस 7 रन बनाकर रन आउट हो गए थे। डोनोवन फरेरा 16 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ के लिए आकाश सिंह और मोहसिन खान ने 1-1 विकेट लिया। राजस्थान रॉयल्स ने 221 रन का टारगेट 19.1 ओवर में चेज कर लिया।

कुछ ऐसी रही लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी

मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 220 रन बनाए थे।। इस टीम को मिचेल मार्श और जोश इंगलिस की सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत दिलाई।

दोनों खिलाड़ियों ने 8.2 ओवरों में 109 रन जुटाए। इंगलिस 29 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्श ने निकोलस पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 42 रन जुटाते हुए टीम को 151 के स्कोर तक पहुंचाया। पूरन ने 11 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 16 रन बनाए।

यहां से कप्तान ऋषभ पंत ने मार्श के साथ 41 गेंदों में 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचाया। पंत 23 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए। एलएसजी ने अंतिम ओवर में तीन विकेट गंवाए, जिनमें मिचेल मार्श का विकेट भी शामिल था। मार्श 57 गेंदों में 5 छक्कों और 11 चौकों के साथ 96 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से यश राज ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर ने 1 विकेट निकाला।

स्पेन को बड़ा झटका: लामिन यामाल विश्व कप के पहले मैच से बाहर

नई दिल्ली

स्पेन फुटबाल टीम को फीफा विश्व कप 2026 शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार युवा फारवर्ड लामिन यामाल हैमस्ट्रिंग चोट के कारण 15 जून को केप वर्डे के खिलाफ होने वाले शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। यह जानकारी द एथलेटिक की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, यामाल अभी पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं और उनके 21 जून को सऊदी अरब के खिलाफ होने वाले दूसरे ग्रुप मुकाबले में खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

18 वर्षीय यामाल को यह चोट 22 अप्रैल को एफसी बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए सेल्टा वीगो के खिलाफ मैच में लगी थी। उस मुकाबले में पेनल्टी पर गोल करने के दौरान उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट आ गई थी, जिसके बाद वह क्लब सीजन के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए थे।

दूसरी ओर, बार्सिलोना के ही मिडफील्डर फरमिन लोपेज भी चोटिल होकर लगभग पूरे विश्व कप से बाहर हो गए हैं। रियल बेटिस के खिलाफ मैच के पहले हाफ में उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया, जिसके लिए सर्जरी करानी पड़ेगी।

स्पेन अपना पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका के अटलांटा में केप वर्डे के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद टीम 21 जून को सऊदी अरब और 26 जून को उरुग्वे से भिड़ेगी। उरुग्वे के खिलाफ यह मुकाबला मेक्सिको के ग्वाडलाहारा में खेला जाएगा।

फीफा की ताजा पुरुष विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद स्पेन अपनी 26 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा अगले सोमवार को करेगा। गौरतलब है कि लामिन यामाल ने यूरो 2024 में शानदार प्रदर्शन कर स्पेन को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। स्पेन के लिए 25 मैचों में उनके नाम 6 गोल दर्ज हैं। वहीं, बार्सिलोना के लिए इस सीजन ला लीगा में 28 मैचों में 16 गोल और सभी प्रतियोगिताओं में 45 मैचों में कुल 24 गोल किए।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी। ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं। वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते। कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी। कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है। कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे।

मलेशिया मास्टर्स 2026 : लक्ष्य सेन पर रहेंगी भारत की निगाहें, सिंधु और सात्विक-चिराग टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली

कुआलालंपुर में आज (मंगलवार) से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई लक्ष्य सेन करेंगे। हालांकि इस बार भारतीय दल में कई बड़े नाम शामिल नहीं हैं।

भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु, किदांबी श्रीकांत, युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने इस बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 प्रतियोगिता से दूरी बनाई है।

विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन के लिए कुआलालंपुर अब तक खास सफल नहीं रहा है। वह मलेशिया मास्टर्स और मलेशिया ओपन में कभी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सके हैं। पहले दौर में उनका मुकाबला इंडोनेशिया के युवा खिलाड़ी मोहम्मद जाकी उबैदिलाह से होगा, जिन्होंने पिछले जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

यदि लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचते हैं तो उनका सामना दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से हो सकता है। पुरुष एकल वर्ग में भारत की ओर से एच. एस. प्रणय, किरण जार्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी चुनौती पेश करेंगे। प्रणय ने 2023 में इसी टूर्नामेंट का खिताब जीता था, लेकिन इस बार पहले दौर में उनका मुकाबला जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका से होगा। महिला एकल में भारत की ओर से देविका सिहाग, तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत हिस्सा लेंगी। 17 वर्षीय तन्वी शर्मा पर विशेष नजरें रहेंगी। वह पहले दौर में थाईलैंड की पिचामोन ओपाटनिपुथ से भिड़ेंगी। तन्वी ने पिछले वर्ष यूएस ओपन में इसी खिलाड़ी को हराया था। वहीं, अनमोल खरब भी चर्चा में हैं। पिछले सप्ताह बैंकाक में उन्होंने चीन की विश्व नंबर चार चेन यू फी के खिलाफ निर्णायक गेम में 11-2 की बढ़त गंवा दी थी। इस बार पहले दौर में उनका सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन क्जाएर्सफेल्ट से होगा। पुरुष युगल में भारत की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी हरिहरन अम्साकरुनन और एम. आर. अर्जुन ही ड्रा में शामिल हैं। पहले दौर में उनका मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव की जोड़ी से होगा। महिला युगल में अश्विनी भट्ट-शिखा गौतम तथा रुतुपर्णा पांडा-श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ियां उतरेंगी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर-रुत्विका गड्डे और आशित सूर्य-अमृता प्रमुथेश की जोड़ियां भारत की चुनौती पेश करेंगी। भारतीय शटलरों के लिए आगामी तीन महीने बेहद अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी करनी है।

आरोन हार्डी बने वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के नए शेफील्ड शील्ड कप्तान

नई दिल्ली

आलराउंडर आरोन हार्डी को वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की शेफील्ड शील्ड टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। वह आगामी 2026-27 सीजन से सैम व्हाइटमैन की जगह टीम की कमान संभालेंगे। वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की रेड-बाल टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है।

सैम व्हाइटमैन की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी, 2026-27 सीजन से करेंगे टीम की अगुवाई

तीन बार शेफील्ड शील्ड खिताब जिताने वाले मुख्य कोच एडम वोग्स के पद छोड़ने के बाद पूर्व आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर ब्यू कैसन को शेफील्ड शील्ड और वनडे कप टीमों का नया मुख्य कोच बनाया गया है। कैसन इससे पहले लंबे समय तक टीम के बल्लेबाज़ी कोच रहे थे।

सैम व्हाइटमैन ने एडम वोग्स के कार्यकाल में वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए 38 शेफील्ड शील्ड मैचों में कप्तानी की। उनकी कप्तानी में टीम ने 2022-23 और 2023-24 में लगातार दो बार खिताब जीता था। वह जान इनवरैरिटी, ग्रेम वुड और टाम मूडी के बाद वेस्टर्न आस्ट्रेलिया को एक से अधिक शील्ड जिताने वाले चौथे कप्तान बने थे।

हालांकि, व्हाइटमैन ने इंग्लैंड की काउंटी टीम यार्कशायर के साथ लंबी अवधि का अनुबंध किया है और दोहरी नागरिकता के कारण वह अब विदेशी खिलाड़ी के रूप में वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। इसी कारण टीम प्रबंधन ने नई नेतृत्व व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया।

27 वर्षीय आरोन हार्डी को लंबे समय से भविष्य का कप्तान माना जा रहा था। उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ आस्ट्रेलिया-ए टीम की कप्तानी की थी, जबकि 2025 में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी टीम का नेतृत्व संभाला था। इसके अलावा, 2023-24 बिग बैश लीग में एश्टन टर्नर की गैरमौजूदगी में उन्होंने पर्थ स्कार्चर्स की कप्तानी भी की थी।

कप्तान बनाए जाने पर हार्डी ने वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की ओर से जारी एक बयान में कहा, वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की शेफील्ड शील्ड टीम की कप्तानी मिलना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह टीम मेरे लिए बहुत मायने रखती है। हमारे पास शानदार संस्कृति और बेहतरीन खिलाड़ियों का समूह है। मैं ब्यू कैसन और पूरी टीम के साथ नए सीजन में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में टीम के नेताओं और खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखा है। अब मैं अपनी शैली में नेतृत्व करते हुए ऐसा माहौल बनाना चाहता हूं, जहां पूरी टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

मुख्य कोच ब्यू कैसन ने भी हार्डी की कप्तानी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, आरोन हार्डी टीम के भीतर बेहद सम्मानित खिलाड़ी हैं। उनकी तैयारी, दबाव में शांत रहने की क्षमता और साथियों के प्रति उनका व्यवहार उन्हें बेहतरीन कप्तान बनाता है।

कैसन ने सैम व्हाइटमैन की कप्तानी की भी सराहना करते हुए कहा कि उनकी भूमिका टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

गौरतलब है कि हार्डी आस्ट्रेलिया की व्हाइट-बाल टीमों के करीब हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण कुछ शेफील्ड शील्ड मुकाबले मिस कर सकते हैं। उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद जून में बांग्लादेश दौरे के लिए आस्ट्रेलिया की टी20 टीम में भी शामिल किया गया है।

पेट्रोल-डीजल पर अब मिलेगी राहत? अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट एक महीने के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली: सरकारी तेल कंपनियों ने पांच दिन में आज दूसरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी से पहले तेल कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडर पर रोजाना 750 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। इस बीच कच्चे तेल को लेकर राहत की खबर आई है। अमेरिका ने रूसी तेल को खरीदने में मिली छूट को एक महीने के लिए आगे बढ़ा दिया है। साथ ही कच्चे तेल की कीमत में आज दो फीसदी गिरावट आई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मिडिल ईस्ट के लीडर्स के अनुरोध पर उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकने का फैसला किया है। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 30 दिन का अस्थाई जनरल लाइसेंस जारी किया जाएगा। इससे वे देश समुद्र में मौजूद रूसी तेल खरीद सकेंगे जिनको तेल की सबसे ज्यादा जरूरत है। इससे क्रूड मार्केट में स्थिरता आएगी और यह सुनिश्चित होगा कि हर उस देश को तेल मिले जिसको सबसे ज्यादा जरूरत है। साथ ही उन्होंने कहा कि इससे चीन सस्ते तेल का भंडार नहीं बना पाएगा।

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी उछाल आई है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का 20 फीसदी कच्चा तेल होर्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। अमेरिका ने मार्च में पहली बार सप्लाई बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति दी थी। अप्रैल में फिर इस छूट को बढ़ाया गया था। डेटा फर्म के मुताबिक भारत में मार्च में रूस से रोजाना करीब 2 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदा जबकि अप्रैल में यह खरीदारी 1.6 मिलियन बैरल रही।

मार्च में भारत के लिए ऑयल बास्केट की एवरेज कीमत 113.49 और अप्रैल में 114.48 प्रति बैरल रही। मई में अब तक यह औसतन 106.69 रही। अभी ब्रेंट क्रूड 1.54 फीसदी की गिरावट के साथ 110.4 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बजाज की जल्द आएगी नई एवेंजर 220 स्ट्रीट बाइक

नई दिल्ली। बाइक निर्माता स्वदेशी कंपी बजाज आटो ने वेबसाइट पर नई एवेंजर 220 स्ट्रीट को कमिंग सून टैग के साथ सूचीबद्ध कर दिया है। माना जा रहा है कि कंपनी जल्द ही इस मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में लान्च कर सकती है। खास बात यह है कि एवेंजर 220 स्ट्रीट लगभग छह साल बाद वापसी कर रही है। इसे आखिरी बार वर्ष 2020 में बंद किया गया था। नई एवेंजर 220 स्ट्रीट उसी प्लेटफार्म पर तैयार की गई है, जिस पर एवेंजर 220 क्रूज आधारित है। बाइक में 220 सीसी का सिंगल सिलेंडर आयल-कूल्ड इंजन मिलेगा, जो 19 हार्सपावर की ताकत और 17.5 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है। कंपनी इसे एबोनी ब्लैक और काकटेल वाइन रेड जैसे दो रंग विकल्पों में पेश करेगी। बाइक में 13 लीटर का फ्यूल टैंक, 737 मिमी सीट हाइट और 169 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसका वजन लगभग 160 किलोग्राम होगा। एवेंजर 220 स्ट्रीट को क्रूज माडल की तुलना में अधिक स्पोर्टी और शहरों में आसान राइडिंग के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसमें छोटे हैंडलबार, मैट ब्लैक फिनिश और बिना बड़े विंडशील्ड वाला डिजाइन मिलेगा। इसके अलावा सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हैलोजन हेडलाइट और स्पोर्टी पिलियन बैकरेस्ट जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। कंपनी जल्द ही इसकी कीमत की घोषणा कर सकती है। सुरक्षा के लिए बाइक में फ्रंट डिस्क ब्रेक, सिंगल चैनल एबीएस, टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क और ड्यूल शाक एब्जार्बर दिए गए हैं।

वैश्विक तनाव से क्रिप्टो बाजार में खलबली, बिटकाइन मई के निचले स्तर पर

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकाइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 76,568 डालर पर आ गई, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सोमवार को बिटकाइन ने मई महीने का अपना सबसे निचला स्तर छू लिया। 76,568 डालर तक गिरने के बाद, खबर लिखे जाने तक यह 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 77,256 डालर पर कारोबार कर रहा था। एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जबकि एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट में लगभग 50 करोड़ डालर के लान्ग पोजिशन खत्म हो गए। जार में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान तनाव से पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को चेतावनी भरे बयान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी आशंकाओं ने निवेशकों को जोखिम वाले निवेश से दूर कर दिया। इसके साथ ही, स्पाट बिटकाइन ईटीएफ से पिछले सप्ताह 1 अरब डालर से अधिक की रिकार्ड निकासी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया, जो जनवरी के बाद पहली बार हुआ है।

अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी को बड़ी राहत, आपराधिक मामले बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने गौतम अडानी और अडानी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। न्यूयार्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्राड के मामले को अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह फैसला अडानी ग्रुप से जुड़े अमेरिका के कई प्रमुख कानूनी और नियामक मामलों का पटाक्षेप करता है, जिससे समूह को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला उन आरोपों के बाद आया है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर परियोजनाओं के लिए कथित रिश्वत योजना और अमेरिकी निवेशकों से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। समूह ने इन आरोपों को हमेशा बेबुनियाद बताया था। अमेरिकी अदालत में दाखिल दस्तावेजों में, न्याय विभाग ने आगे संसाधन खर्च न करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले को विथ प्रेजूडिसीज खारिज कर दिया, यानी इसे भविष्य में दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। जांच में, अभियोजकों को आरोपों के पर्याप्त सबूत या स्पष्ट अमेरिकी कनेक्शन नहीं मिले, जिसके बाद डीओजे ने केस वापस लिया। अडानी के वकीलों ने अदालत में मजबूत कानूनी दलीलें दी थीं। हाल ही में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी के साथ सिविल सेटलमेंट किया था, जिसमें उन्होंने बिना गलती स्वीकार किए भुगतान पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओफेक एजेंसी ने भी ईरान से एलपीजी आयात से जुड़े प्रतिबंध उल्लंघन मामले को अडानी ग्रुप के 27.5 करोड़ डालर के भुगतान और सहयोग के वादे के साथ निपटाया था।

भारतीय बाजार में लगातार बढ रही 7-सीटर गाड़ियों की मांग

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में 7-सीटर गाड़ियों का मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जिससे ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी साफ झलकती है। भारतीय बाजार में बड़े परिवारों के लिए 7-सीटर गाड़ियों की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले महीने इस श्रेणी की प्रमुख कारों ने कुल 42,542 नए ग्राहक जुटाए, जो पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत ज्यादा है। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया और अपनी लोकप्रियता साबित की। अप्रैल 2026 में मारुति अर्टिगा की कुल 19,063 यूनिट्स बिकीं।

यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल में बिकी 15,781 यूनिट्स के मुकाबले करीब 20 प्रतिशत ज्यादा है। बेहतर माइलेज, बड़े केबिन और किफायती कीमत के कारण यह कार परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। दूसरे स्थान पर टोयोटा इनोवा क्रिस्टा रही, जिसकी पिछले महीने कुल 9,630 यूनिट्स की बिक्री हुई। अप्रैल 2025 में इसकी 7,698 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में इनोवा की मजबूत पकड़ अब भी बरकरार है। तीसरे स्थान पर किआ कैरेंस क्लैविस रही, जिसे अप्रैल 2026 में 5,465 नए ग्राहक मिले।

पिछले साल इसी अवधि में इसकी 5,260 यूनिट्स बिकी थीं, यानी इसकी बिक्री में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मारुति सुजुकी एक्सएल6 इस सूची की एकमात्र ऐसी कार रही जिसकी बिक्री में गिरावट आई। पिछले महीने इसकी 3,527 यूनिट्स बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 4,140 यूनिट्स था, जिससे इसकी बिक्री करीब 15 प्रतिशत घट गई। टोयोटा रुमियन ने भी टाप-5 सूची में जगह बनाई। अप्रैल 2026 में इसकी 2,585 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा, रेनो ट्राइबर की 1,917 यूनिट्स, मारुति सुजुकी इनविक्टो की 237 यूनिट्स और टोयोटा वेलफायर की 118 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई।

अप्रैल माह में वोक्सवैगन ने की कुल 2,828 गाड़ियों की बिक्री

नई दिल्ली। जर्मन कार निर्माता कंपनी वोक्सवैगन इंडिया लगातार अपने ग्राहकों का भरोसा बनाए हुए है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल माह में कंपनी ने कुल 2,828 गाड़ियों की बिक्री की। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम रहा, लेकिन कंपनी की लोकप्रिय एसयूवी वोक्सवैगन टाइगुन ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की। अप्रैल माह में टाइगुन की 1,543 यूनिट्स बिकीं और कंपनी की कुल बिक्री में इसका हिस्सा 54 प्रतिशत से ज्यादा रहा। इस एसयूवी ने सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की मजबूत ग्रोथ दर्ज की है। वहीं, कंपनी की सेडान वोक्सवैगन वर्टस की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, जो बाजार में एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। वोक्सवैगन ने हाल ही में अपडेटेड टाइगुन को लान्च किया है, जिसमें कई नए और आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। नई एसयूवी में लाइट बार, इल्यूमिनेटेड लोगो, बड़ा डिजिटल काकपिट, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अलावा, 1.0 टीएसआई इंजन के साथ 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स का विकल्प भी ग्राहकों को मिलेगा, जिससे ड्राइविंग अनुभव और भी बेहतर हो गया है। कंपनी ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए 3 साल बाद 75 प्रतिशत तक सुनिश्चित बायबैक की सुविधा भी शुरू की है, जो खरीदारों को विश्वास दिलाती है।

अप्रैल 2026 में एमजी मोटर ने की कुल 6,018 वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत जेएसडब्ल्यू के साथ साझेदारी में काम कर रही एमजी मोटर ने सकारात्मक बिक्री आंकड़ों के साथ की है। एमजी मोटर ने अप्रैल 2026 में कुल 6,018 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल अप्रैल 2025 में बेची गई 5,829 यूनिट के मुकाबले करीब 3 प्रतिशत ज्यादा है।

हालांकि कंपनी की कुछ कारों की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, लेकिन एमजी विंडसर ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिकने वाले माडल का स्थान हासिल किया, जो बाजार में इसकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। अप्रैल 2026 में, एमजी विंडसर की कुल 3,296 यूनिट्स बिकीं। हालांकि यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल में बिकी 3,660 यूनिट्स के मुकाबले लगभग 10 प्रतिशत कम रहा, फिर भी इसने कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का दर्जा बरकरार रखा।

एमजी हेक्टर ने बिक्री के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी पिछले महीने 1,297 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 में बेची गई 977 यूनिट्स की तुलना में करीब 33 प्रतिशत की महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्शाता है, जो एसयूवी सेगमेंट में इसकी बढ़ती मांग का संकेत है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में एमजी जेडएस ईवी तीसरे स्थान पर रही, जिसकी अप्रैल 2026 में 717 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने इसकी 864 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे बिक्री में करीब 17 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, एमजी कामेट ईवी ने सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की, जिसकी 601 यूनिट्स बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा केवल 191 यूनिट्स था, यानी कामेट ईवी की बिक्री में सालाना आधार पर 215 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई। यह छोटी और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है।

दूसरी ओर, एमजी एस्टर की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, जिसकी केवल 107 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने 133 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे बिक्री में करीब 20 प्रतिशत की कमी आई। कंपनी की प्रीमियम एसयूवी ग्लास्टर को अप्रैल महीने में एक भी ग्राहक नहीं मिला।

दुनिया भर में बैटरी सप्लाई करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी अब केवल स्कूटर निर्माता तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि बैटरी टेक्नोलाजी के क्षेत्र में भी आगे बढने की तैयारी कर रही है। कई आटोमोबाइल कंपनियों के साथ ओला इलेक्ट्रिक कंपनी लिथियम-आयन सेल और बैटरी पैक सप्लाई करने को लेकर बातचीत कर रही है। यह सप्लाई तमिलनाडु के कृष्णगिरी स्थित कंपनी की अत्याधुनिक गीगाफैक्ट्री से किए जाने की योजना है, जो भारत में बैटरी निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बेंगलुरु स्थित ओला इलेक्ट्रिक वर्तमान में भारत की एकमात्र सक्रिय गीगाफैक्ट्री संचालित कर रही है, जिसकी क्षमता 6 गीगावाट घंटा है। कंपनी ने अपनी सहायक इकाई ओला सेल टेक्नोलाजीज के जरिए 4680 फार्मेट की भारत सेल तकनीक को बड़े स्तर पर सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे ओला दुनिया की दूसरी ऐसी कंपनी बन गई है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी जुलाई 2027 तक अपनी क्षमता बढ़ाकर 12 गीगावाट घंटा और वित्त वर्ष 2028 के अंत तक 20 गीगावाट घंटा करने की तैयारी में है। इस प्रस्तावित क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बाहरी कंपनियों को बैटरी सप्लाई करने के लिए आरक्षित किया जाएगा। कई आटोमोबाइल कंपनियां फिलहाल ओला की मैन्युफैक्चरिंग सुविधा का मूल्यांकन कर रही हैं और भविष्य में लंबे समय के समझौते होने की संभावना जताई जा रही है।

पेटीएम का पाकेट मनी फीचर लान्च: बच्चे बिना बैंक अकाउंट कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट, मंथली लिमिट 15000; पैरेंट्स के पास खर्च का पूरा कंट्रोल होगा

नई दिल्ली

पेटीएम ने टीनेजर्स के लिए पेटीएम पाकेट मनी फीचर लान्च किया है, जिसके जरिए वे बिना खुद का बैंक अकाउंट खोले सुरक्षित डिजिटल पेमेंट कर सकेंगे। इस नए फीचर में पैरेंट्स को बच्चों के खर्च पर नजर रखने, मंथली लिमिट तय करने और रीयल-टाइम ट्रैकिंग करने की पूरी सुविधा मिलेगी।फिनटेक फर्म वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) ने आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान किया है।

रहेगा खर्च का पूरा कंट्रोल – कंपनी के बयान के मुताबिक, पैरेंट्स और परिवार के भरोसेमंद सदस्य अपने बच्चों को सुरक्षित और रेगुलेटेड पेमेंट एक्सेस दे सकते हैं। वे अपने पेटीएम एप के जरिए बच्चों के लिए एक तय खर्च सीमा निर्धारित कर सकेंगे। इससे पैरेंट्स अपने बच्चों के हर ट्रांजैक्शन को लगातार ट्रैक कर पाएंगे और उनका कंट्रोल हमेशा बना रहेगा। रोजमर्रा के खर्चों को डिजिटल बनाने की कोशिश भारत में टीनेजर्स हर दिन शापिंग, मोबाइल रिचार्ज, मेट्रो किराया, कैब बुकिंग और स्कूल-कालेज की कैंटीन जैसे जरूरी कामों के लिए लगातार डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं। वर्तमान में कई बच्चे इन खर्चों के लिए पूरी तरह पैरेंट्स या कैश पर निर्भर हैं। पेटीएम पाकेट मनी के जरिए बच्चों को एक सुरक्षित माध्यम मिलेगा, जिससे परिवारों में छोटी उम्र से ही जिम्मेदार वित्तीय आदतें विकसित करने में मदद मिलेगी।

अब ओटीपी मांगने की जरूरत नहीं होगी – इस फीचर के एक्टिवेट होने के बाद टीनेजर्स अपने खुद के फोन में पेटीएम एप का इस्तेमाल करके आनलाइन और आफलाइन मर्चेंट्स को सुरक्षित यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए अब उन्हें पेमेंट करते समय पैरेंट्स से ओटीपी मांगने, उनका फोन उधार लेने या पैरेंट्स को वाट्सएप पर क्यूआर कोड भेजने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी।

15 हजार का मंथली कैप तय किया गया – पेटीएम पाकेट मनी के तहत पैरेंट्स एनपीसीआई के यूपीआई सर्कल के माध्यम से बच्चों को इनवाइट कर सकते हैं। इसके तहत पूरे यूपीआई नेटवर्क पर मंथली लिमिट अधिकतम 15,000 रुपए और एक बार में इंडिविजुअल पेमेंट की लिमिट 5,000 रुपए तक सेट की जा सकती है। यह सर्विस सेविंग्स और करंट दोनों तरह के अकाउंट्स पर अवेलेबल है, लेकिन इससे इंटरनेशनल पेमेंट्स और कैश विड्राल करने पर पाबंदी रहेगी।

स्पेंड समरी से पूरा बजट ट्रैक होगा – यह नया फीचर पेटीएम स्पेंड समरी के साथ पूरी तरह इंटीग्रेट है, जो हर एक पेमेंट को आटोमैटिकली अलग-अलग कैटेगरीज में बांट देता है।

इससे परिवार आसानी से अपने कुल खर्चों पर नजर रख सकते हैं, पाकेट मनी के बजट को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं और बच्चों को पैसों के सही इस्तेमाल की सीख दे सकते हैं। एप में पेमेंट हिस्ट्री देखने का भी पूरा आप्शन मिलेगा।

सुरक्षा के लिए इन-बिल्ट सेफ्टी मेजर्स – पेटीएम ने इसमें सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। फीचर एक्टिवेट होने के शुरुआती 30 मिनट में केवल 500 रुपए और पहले 24 घंटों में अधिकतम 5,000 रुपए तक का ही ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। किसी भी समय जरूरत पड़ने पर पैरेंट्स अपने पेटीएम यूपीआई पिन का इस्तेमाल करके खर्च की लिमिट को बदल सकते हैं या बच्चों का एक्सेस तुरंत कैंसल कर सकते हैं। इसके अलावा डिवाइस लाक होना भी अनिवार्य है। क्या होता है यूपीआई सर्कल और इन-बिल्ट सेफ्टी यूपीआई सर्कल: यह नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया द्वारा शुरू की गई एक खास तकनीक है।

मेटा में बड़े बदलाव की तैयारी:10% कर्मचारियों की छंटनी की योजना, 7000 कर्मियों को एआई विभाग में करेगा शिफ्ट

कैलिफोर्निया

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने इस सप्ताह होने वाली अपनी छंटनी योजना का विवरण साझा किया है। कंपनी ने सोमवार को कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में बताया कि वैश्विक कार्यबल में कटौती के साथ संगठनात्मक बदलाव भी किए जाएंगे। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य कंपनी के एआई वर्कफ्लो में सुधार लाना है। यह पुनर्गठन कंपनी के भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा बुधवार को अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस साल के आखिर तक और भी बड़े स्तर पर कटौती की संभावना जताई गई है।

7,000 कर्मचारियों को एआई टीमों में भेजा जाएगा

मेटा की चीफ पीपल आफिसर जेनेल गैल ने कर्मचारियों को बताया कि कंपनी 7,000 कर्मचारियों को एआई वर्कफ्लो से जुड़ी नई पहलों में स्थानांतरित करेगी। साथ ही कुछ प्रबंधकीय पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा, कई लीडर संगठनात्मक बदलावों की घोषणा करेंगे।

मेमो में कहा गया, जैसे-जैसे संगठनात्मक नेतृत्व इन बदलावों पर काम कर रहा था, कई टीमों ने अपनी नई संरचनाओं में एआई-नेटिव डिजाइन सिद्धांतों को शामिल किया। अब हम उस चरण में पहुंच गए हैं, जहां कई संगठन अधिक समतल संरचना के साथ काम कर सकते हैं। इसमें छोटी पाड और कोहोर्ट टीमों का गठन होगा, जो अधिक तेजी और ज्यादा जिम्मेदारी के साथ काम कर सकेंगी। मेटा के एक प्रवक्ता ने इस योजना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एआई बदलावों से पुनर्गठन को बढ़ावा

ये बदलाव मेटा की इस साल की व्यापक पुनर्गठन योजना का हिस्सा हैं। कंपनी एआई में निवेश बढ़ा रही है, ताकि एआई एजेंट्स को अपने उत्पादों के साथ-साथ आंतरिक कार्यप्रणाली के केंद्र में भी लाया जा सके।

कुल 20% कर्मचारियों पर पड़ेगा असर

रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों की छंटनी और ट्रांसफर मिलाकर मेटा के करीब 20 प्रतिशत वर्कफोर्स पर असर पड़ सकता है। कंपनी ने इस प्रक्रिया के तहत 6,000 ओपन जाब रोल्स भी बंद कर दिए हैं। मार्च 2026 तक मेटा में करीब 77,986 कर्मचारी काम कर रहे थे।

कर्मचारियों में बढ़ रहा विरोध

मेटा के अंदर इन बदलावों को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी भी बढ़ रही है। कई कर्मचारियों ने आफिस में पोस्टर लगाकर विरोध जताया है, जबकि कंपनी के इंटरनल प्लेटफार्म वर्कप्लेस पर भी कर्मचारियों ने खुलकर नाराजगी जाहिर की। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कंपनी द्वारा माउस-ट्रैकिंग साफ्टवेयर इस्तेमाल करने का विरोध किया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि इस तकनीक के जरिए एआई माडल को इंसानों के कंप्यूटर इस्तेमाल करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। टेक सेक्टर में एआई के कारण बढ़ रही छंटनी मेटा अकेली कंपनी नहीं है जो एआई के कारण रीस्ट्रक्चरिंग कर रही है। इस साल कई बड़ी अमेरिकी टेक कंपनियों ने एआई आटोमेशन के चलते कर्मचारियों की संख्या कम की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

धन नहीं, ध्यान ही जीवन को देता है सही दिशा : संत हरिराम शास्त्री

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार स्थित शृंग ऋषि भवन में श्री सांवरिया सेठ भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह के तीसरे दिन कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर जोधपुर के सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संत हरिराम जी शास्त्री ने अपने ओजस्वी और भावपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से समाज को गहन आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया।

तीसरे दिन की कथा का मुख्य विषय धन की नहीं, ध्यान की आवश्यकता रहा। कथा में शास्त्रीजी ने श्रीमद् भागवत के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल धन संग्रह करना नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि एवं ईश्वर से जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य दिन–रात धन कमाने की दौड़ में लगा हुआ है, लेकिन मानसिक शांति, संतोष और वास्तविक सुख उससे दूर होते जा रहे हैं। धन से सुविधाएं प्राप्त हो सकती हैं, परंतु जीवन का समाधान केवल ध्यान और भक्ति से ही संभव है।

तीसरे दिन की कथा में कपिल देव और माता देवहूति संवाद, भक्ति योग की महिमा तथा ध्यान के महत्व का सुंदर वर्णन किया गया। संत हरिराम शास्त्री ने कहा कि ध्यान वह साधन है, जो मन को स्थिर करता है और व्यक्ति को ईश्वर के समीप ले जाता है। जिस व्यक्ति ने ध्यान को अपने जीवन में उतार लिया, उसके लिए संसार की समस्याएं स्वतः छोटी हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि आज समाज में बढ़ता तनाव, अपराध, पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन का मूल कारण आध्यात्मिक शून्यता है। जब तक मनुष्य ध्यान और भक्ति के माध्यम से अपने भीतर झांकना नहीं सीखेगा, तब तक केवल धन से सुख की प्राप्ति संभव नहीं है। भागवत हमें सिखाती है कि भक्ति, वैराग्य और ज्ञान के मार्ग से ही जीवन सार्थक बनता है।

हरिराम जी शास्त्री ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि वे भौतिक आकर्षण में न फंसकर अपने जीवन में ध्यान, सत्संग और सदाचार को स्थान दें। उन्होंने कहा कि थोड़े समय का ध्यान भी व्यक्ति को गलत मार्ग से बचाकर सही दिशा प्रदान करता है। परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में आध्यात्मिक चेतना अत्यंत आवश्यक है।

कथा के दौरान भजन–कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भाव–विभोर होकर हरि नाम का स्मरण करते दिखाई दिए। तीसरे दिन की कथा ने श्रोताओं के मन में यह स्पष्ट संदेश छोड़ा कि धन जीवन का साधन है, साध्य नहीं, जबकि ध्यान जीवन को सही अर्थ और दिशा देने वाला अमूल्य माध्यम है।

कथा के दौरान श्रीमद्भागवत महापुराण के ध्रुव प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया गया। संत शास्त्री ने बताया कि अल्पायु में माता से मिले अपमानजनक वचनों से व्यथित होकर ध्रुव ने सांसारिक सुखों का त्याग कर भगवान विष्णु की आराधना का संकल्प लिया। कठिन तपस्या, संयम और अखंड भक्ति के बल पर उन्होंने नारद मुनि के मार्गदर्शन में भगवान की उपासना की।

उन्होंने कहा कि ध्रुव की अटल भक्ति से प्रसन्न होकर स्वयं भगवान विष्णु प्रकट हुए और उन्हें ध्रुव तारे के रूप में अमर स्थान प्रदान किया। यह प्रसंग सिखाता है कि सच्ची लगन और ईश्वर में अटूट विश्वास हो तो असंभव भी संभव हो जाता है।

संत शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय में ध्रुव का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। आज जब युवा वर्ग अस्थिरता, तनाव और असफलताओं से जूझ रहा है, तब ध्रुव का धैर्य, आत्मबल और लक्ष्य के प्रति समर्पण उन्हें नई दिशा देता है। उन्होंने कहा कि परिश्रम, अनुशासन और भक्ति को जीवन में अपनाकर व्यक्ति स्वयं के साथ समाज का भी कल्याण कर सकता है।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने बताया कि भागवत सप्ताह के चौथे दिन राम जन्म एवं कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा पंच कुण्डीय महायज्ञ की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

गोल्डन टेम्पल में निर्माणाधीन यज्ञशाला का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक निर्माणाधीन यज्ञशाला, गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाले श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियों की समीक्षा की गई।

समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस एवं विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि महायज्ञ के आयोजन को लेकर यज्ञ कुंड एवं यज्ञशाला के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक शंकरलाल अग्रवाल, यज्ञ स्थल संयोजक माणक गुप्ता, समिति के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, भूमि पूजन संयोजक राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेंद्र कुमार गोयल तथा प्रमुख समाजसेवी गोपाल बलदेव उपस्थित रहे।

समिति की ओर से बताया गया कि इस महायज्ञ में काशी के यज्ञाचार्य पंडित सुनील जी लक्ष्मीकांत जी दीक्षित के सानिध्य में सात दिनों तक पूजा–अर्चना एवं हवन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महायज्ञ में लगभग 51 विद्वान पंडित सहभागिता करेंगे।महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार, 21 मई को प्रातः 8:31 बजे 108 कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। यह कलश यात्रा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, गोल्डन टेम्पल से प्रारंभ होकर यज्ञशाला तक पहुंचेगी। वहां विधिवत पूजा–अर्चना के साथ कलश स्थापना की जाएगी। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात कलश श्रद्धालुओं को सौंपे जाएंगे।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकरलाल अग्रवाल ने सभी सनातन प्रेमियों एवं श्रद्धालुओं से महायज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना एवं धार्मिक संस्कारों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगा।

राधे–राधे ग्रुप की सेवा भावना से भावुक हुए गजराज श्रीश्रीमाल जैन, बोले–

यह केवल अन्नदान नहीं, मानवता की सच्ची पूजा है

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, सेवा भावना और आत्मीय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित लोगों के चेहरों पर संतोष और आत्मिक खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

इस अवसर पर गजराज श्रीश्रीमाल जैन ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने राधे–राधे ग्रुप के सेवा कार्यों के बारे में सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से कई बार पढ़ा और सुना था, लेकिन आज प्रत्यक्ष रूप से इस सेवा भावना को देखने के बाद उनके मन को गहरी आत्मिक शांति और प्रसन्नता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां लोग अपने स्वार्थ में व्यस्त हैं, वहां राधे–राधे ग्रुप बिना किसी दिखावे के मानवता की सच्ची सेवा कर रहा है, जो वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक है।उन्होंने कहा कि जब जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन प्राप्त करते देखा तो मन भीतर तक भावुक हो उठा। यह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और संवेदनाओं की सच्ची पूजा है। गजराज श्रीश्रीमाल जैन ने कहा कि कई बार मन में यहां आकर सेवा करने की इच्छा हुई, लेकिन परिस्थितियों ने साथ नहीं दिया। आज राधारानी की कृपा से इस पुण्य कार्य में सम्मिलित होने का अवसर मिला, जिसे वे अपने जीवन का सौभाग्य मानते हैं।उन्होंने आगे कहा कि राधे–राधे ग्रुप केवल भोजन ही नहीं बांट रहा, बल्कि समाज में प्रेम, अपनापन और सहयोग की भावना भी बांट रहा है। यही कारण है कि यह संस्था लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना रही है। उन्होंने संकल्प लिया कि भविष्य में जब भी अवसर मिलेगा, वे इस सेवा अभियान से जुड़कर अपना सहयोग अवश्य प्रदान करेंगे।कार्यक्रम के दौरान राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से गजराज श्रीश्रीमाल जैन का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसी अवसर पर ग्रुप के सहयोगी महेश अग्रवाल के जन्मदिन को भी सेवा और सद्भावना के साथ मनाया गया। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष चिंडालिया, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंगल, सोहन लाल दायमा, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खरतरगच्छ जैन श्री संघ, फीलखाना की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

नव–निर्वाचित ट्रस्टियों का किया गया अभिनंदन, तीर्थ यात्रा को लेकर बनी रूपरेखा

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

खरतरगच्छ जैन श्री संघ, फीलखाना, हैदराबाद की कार्यकारिणी बैठक श्री महावीर भवन, फीलखाना में संघ अध्यक्ष रायचंद छाजेड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक जाप के साथ किया गया। संघ के सचिव ओमप्रकाश हुंडिया ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की।

बैठक में श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर, फीलखाना के ट्रस्ट मंडल के लिए खरतरगच्छ की ओर से नए ट्रस्टियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। नव–निर्वाचित ट्रस्टियों का संघ की ओर से अभिनंदन एवं स्वागत किया गया।

पर्व पर्युषण के पश्चात आयोजित होने वाली एक दिवसीय तीर्थ यात्रा, जिसके लाभार्थी श्रीमती ओखीदेवी–मूलतानमलजी संकलेचा रासोनी परिवार हैं, उसके यात्रा स्थल एवं तिथि निर्धारण हेतु विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस कार्य के लिए श्री ललितकुमार संकलेचा, किशोर कटारिया संघवी, मेघराज गो–लेच्छा एवं प्रवीण संकलेचा को समिति में शामिल किया गया, जो यात्रा के आयोजन संबंधी निर्णय लेंगे।बैठक में 23, 24 एवं 25 जुलाई 2026 को श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में खर–तरगच्छाधिपति आचार्य परम पूज्य श्री मणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की स्थिरता के दौरान तीर्थ दर्शन एवं आचार्यश्री के दर्शन–वंदन हेतु संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रस्थान को लेकर भी आवश्यक निर्णय लिए गए।

सभा के अंत में सचिव ओमप्रकाश हुंडिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बैठक में मोतीलाल ललवानी, रायचंद छाजेड़, ओमप्रकाश हुंडिया, ललितकुमार संकलेचा, कांतिलाल संकलेचा, मूलचंद बाफना, सुखराज कांकरिया, किशोर कटारिया संघवी, विक्रमसिंह ढड्ढा, हस्तीमल हुंडिया, मेघराज गो–लेच्छा, बाबूलाल ललवानी, राणमल बोकड़िया, प्रवीणकुमार संकलेचा, उत्तमकुमार संकलेचा, मनीष श्रीश्रीमाल, संदीप तातेड़, उगमराज हुंडिया तथा खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष रमेश पारेख सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गोशामहल में दूषित पानी की समस्या को लेकर राजा सिंह ने जल बोर्ड एमडी के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

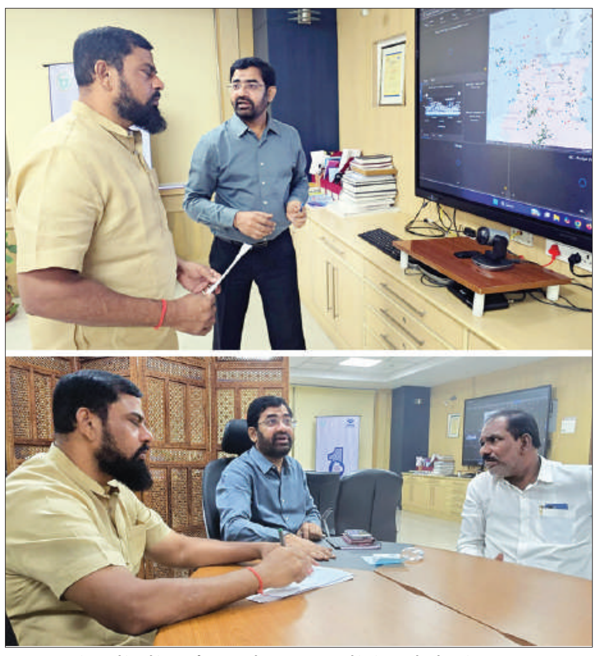

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से लगातार आ रही दूषित और गंदे पानी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय विधायक टी. राजा सिंह ने आज जल बोर्ड (वाटर वर्क्स) के प्रबंध निदेशक (एमडी) अशोक रेड्डी से मुलाकात की। इस समस्या के त्वरित समाधान के लिए आज जल बोर्ड एमडी के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान विधायक टी. राजा सिंह ने एमडी के समक्ष क्षेत्र के नागरिकों को हो रही परेशानियों को विस्तार से रखा। इसके साथ ही उन्होंने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अलग–अलग हिस्सों में नई सीवरेज लाइनें बिछाने के लिए आवश्यक फंड (धनराशि) जारी करने का भी अनुरोध किया। बैठक में निर्वाचन क्षेत्र के भीतर पीने के पानी की आपूर्ति और सीवरेज बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) से जुड़े तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जल बोर्ड के एमडी अशोक रेड्डी ने विधायक को आश्वस्त किया कि दूषित पानी की समस्या को जल्द से जल्द दूर करने के लिए आवश्यक और कड़े कदम उठाए जाएंगे।

इसके अलावा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विकास और सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हरसंभव अधिकतम फंड उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे।

तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह दो जून को , परेड ग्राउंड्स में होगा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्थापना दिवस का भव्य समारोह आगामी दो जून को यहां परेड ग्राउंड्स में आयोजित किया जायेगा। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने अधिकारियों को तेलंगाना राज्य गठन दिवस समारोह की भव्य तैयारियां करने के निर्देश दिये हैं।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री राज ने कहा कि आधिकारिक समारोह सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में भव्य स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले गन पार्क जाकर तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उसके बाद मुख्य समारोह में शामिल होंगे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भवानी शंकर चौधरी पार्वती बाई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व गृहराज्य मंत्री एवं ऑल इंडिया ओबीसी चेयरमैन हंसराज अहीर व अन्य।

शांतिपुरी पेट्रोल पंप पर पूर्व सैनिक का तांडव

पेट्रोल नहीं मिलने पर सेल्समैन पर चाबी से किए वार, कर्मचारी दहशत में

शांतिपुरी, 19 मई (एजेंसियां)। शांतिपुरी स्थित बाबा नीम करोली पेट्रोल पंप पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पेट्रोल नहीं मिलने से नाराज एक पूर्व सैनिक ने सेल्समैन पर कार की चाबी से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार शांतिपुरी नंबर-3 निवासी पूर्व सैनिक मोहन सिंह रावत मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे पेट्रोल पंप पहुंचे और पेट्रोल की मांग करने लगे। पंप पर तैनात सेल्समैन हरीश सिंह कार्की ने उन्हें बताया कि सोमवार दोपहर से ही पेट्रोल और डीजल पूरी तरह समाप्त हो चुका है। आरोप है कि इसी बात से गुस्साए पूर्व सैनिक ने गाली-गलौज शुरू कर दी और सेल्समैन के साथ जोर-जबरदस्ती करते हुए उसे धक्का देकर मैनेजर कक्ष में ले गए।

बताया जा रहा है कि वहां आरोपी ने कार की चाबी से हरीश सिंह कार्की पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना से पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल सेल्समैन को तत्काल पंतनगर विश्वविद्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रुद्रपुर रेफर किया गया।

घटना के बाद पेट्रोल पंप प्रबंधक मिथिलेश अग्निहोत्री ने पंतनगर पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। प्रबंधक का आरोप है कि पुलिस को शिकायत दिए जाने के बाद भी आरोपी देर शाम दोबारा पेट्रोल पंप पहुंचा और कर्मचारियों को धमकाते हुए ''देख लेने'' की बात कहकर चला गया।

घटना के बाद देर रात तक पेट्रोल पंप परिसर में भय और तनाव का माहौल बना रहा। कर्मचारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

ताड़कोल में साइंटिस्ट के खेतों में किसान कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा मंडल के ताड़कोल गांव में साइंटिस्ट के खेतों में किसान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक, संतुलित एवं पर्यावरण अनुकूल खेती के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की कि वे यूरिया का कम उपयोग करें, जिससे खेती की लागत कम होगी तथा मिट्टी की सेहत भी बेहतर बनी रहेगी। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार ही रासायनिक दवाइयों एवं उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। कार्यक्रम में फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया गया, जिससे किसानों को लगातार आय प्राप्त हो सके। किसानों को ऐसी धान किस्मों की खेती करने की सलाह दी गई, जिनकी बाजार में अधिक मांग हो, ताकि बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सके और आय में वृद्धि हो। विशेषज्ञों ने सिंचाई के पानी के संरक्षण की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जल बचाना आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है। इसके साथ ही जैविक खेती अपनाने पर जोर देते हुए कहा गया कि इससे स्वस्थ भोजन एवं बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम में ताड़कोल के सरपंच अंडे रमेश, वार्ड सदस्य सतीश रेड्डी, गांव के वरिष्ठ नागरिक, वैज्ञानिक, किसान तथा कृषि विभाग के एईओ सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

ब्रिक्स में हिस्सा लेंगे पुतिन

मोदी भी जाएंगे रूस

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे।

इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे।

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स सम्मेलन

इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में कई बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कार्यकारी समूहों की चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।भारत ने अपनी अध्यक्षता का फोकस ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर रखा है। भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि ब्रिक्स सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, तकनीक और विकास से जुड़ा बड़ा आर्थिक समूह भी बन सकता है।

इस महीने की शुरुआत में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी भारत आए थे। उन्होंने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में पश्चिम एशिया के तनाव, वैश्विक सुरक्षा, बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, आतंकवाद और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और ऐसे समय में ग्लोबल साउथ देशों के बीच सहयोग और ज्यादा जरूरी हो गया है। भारत की अध्यक्षता इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि इस समय दुनिया कई बड़े संकटों से गुजर रही है। अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच ब्रिक्स खुद को पश्चिमी देशों के प्रभाव के मुकाबले एक वैकल्पिक मंच के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले भारत दौरे पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 15 मई को कहा था कि वे पीएम मोदी की रूस यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी ने रूस आने की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और कई अन्य क्षेत्रों में मजबूत सहयोग जारी है और रूस चाहता है कि यह साझेद-ारी आगे भी तेजी से मजबूत होती रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

कुत्ते...

संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य की जिम्मेदारियों के लिए फ्रेमवर्क बनाना जरूरी है। गरिमा के साथ जीने के अधिकार में कुत्ते के काटने के हमले से होने वाले नुकसान के डर के बिना आज़ादी से जीने का अधिकार शामिल है। राज्य चुपचाप दर्शक बना नहीं रह सकता।सुप्रीम कोर्ट उन कड़वी ज़मीनी हकीकतों से अनजान नहीं रह सकता जहां बच्चे, इंटरनेशनल ट्रैवलर, बुज़ुर्ग कुत्ते के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं। संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता जहां बच्चे, बुज़ुर्ग लोग सिर्फ शारीरिक ताकत के भरोसे ज़िंदा रहें। इस अदालत के निर्देशों का किसी भी प्रकार से पालन न करना गंभीरता से लिया जाएगा। निर्देशों का पालन न करने पर राज्यों के विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही, अनुशासनात्मक कार्यवाही तथा टॉर्ट जवाबदेही की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 22 अगस्त और 7 नवंबर को जारी किए गए निर्देशों के बावजूद, रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से पता चलता है कि निर्देशों को ज़मीनी स्तर तक नहीं पहुंचाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा। पालन न करने पर राज्यों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई, अनुशासनात्मक कार्रवाई और ज़िम्मेदारी ना निभाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, कुत्तों के काटने की घटनाओं के मामलों पर राज्य चुप कैसे बैठ सकते हैं? यहां तक कि इंटरनेशनल ट्रेवलर भी कुत्तों का शिकार हुए हैं। गरिमा के अधिकार में फ्रीली मूव करना भी शामिल। हमें उन रिपोर्टों की जानकारी है, जिनसे पता चलता है कि हवाई अड्डों, रिहायशी इलाकों, शहरी केंद्रों आदि में कुत्तों के काटने की घटनाएं हो रही हैं। देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों (आईजीआई) पर कुत्तों के काटने की बार-बार होने वाली घटनाएं ही यह दर्शाती हैं कि वहां व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं। सूरत में एक जर्मन यात्री को कुत्ते ने काट लिया था। इस तरह की घटनाओं से शहरी प्रशासन पर जनता का भरोसा बुरी तरह प्रभावित होता है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं

सुप्रीम कोर्ट ने एयरपोर्ट पर भी डॉग बाइट की घटनाओं का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा, यह अदालत यह कहने पर मजबूर है कि एसीबी फ्रेमवर्क को प्रभावी ढंग से लागू करने में घोर निष्क्रियता के कारण यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि यह समस्या अब बेहद चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। अकेले राजस्थान के श्री गंगानगर शहर में ही एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं दर्ज की गईं। रिपोर्टों के अनुसार, छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें उनके चेहरे पर कुत्तों द्वारा हमला करना आदि शामिल है। तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में ऐसी लगभग 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं।

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर राज्यों ने दूर की सोच के साथ काम किया होता, तो मौजूदा हालात इतने खतरनाक नहीं होते। आवारा कुत्तों का आतंक चिंताजनक स्तर तक पहुंच गया है। राज्यों में स्थिति चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और गुजरात समेत राज्यों का डेटा दिया।

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की बेंच ने 29 जनवरी को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस दौरान राज्यों, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया ने अपनी दलीलें रखी थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआई को दिये थे निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जिन कुत्तों में रेबीज नहीं है और जो आक्रामक नहीं हैं, उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी इलाके में छोड़ा जा सकता है, जहां से पकड़ा गया था। बाद में मामले का दायरा पूरे देश तक बढ़ा दिया गया। 7 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश में राज्यों और एनए-चएआई को हाईवे, अस्पताल, कॉलेज, स्कूल और दूसरे संस्थानों के आसपास से आवारा जानवर हटाने को कहा था।

कुत्ता काटे तो किसकी जिम्मेदारी?

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों के किसी हमले में चोट या मौत होती है, तो उस क्षेत्र के नगर निकाय के साथ ही कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। ऐसा नहीं हो सकता कि कोई शख्स किसी कुत्ते को रोजाना खाना खिलाए, लेकिन जब वो किसी शख्स को काट ले तो उसकी कोई जिम्मेदारी न हो। कोर्ट ने कहा था, हम इस मामले में जिम्मेदारी तय करने से पीछे नहीं हटेंगे, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में स्थानीय प्रशासन की विफलता सामने आई है।सुप्रीम कोर्ट ने असम में कुत्तों के काटने के आंकड़ों पर भी हैरानी जताई और कहा कि इन आंकड़ों को देखिए। ये चौंकाने वाले हैं। 2024 में 1.66 लाख घटनाएं हुईं और 2025 में (केवल जनवरी में ही) 20,900 घटनाएं दर्ज की गईं। ये बेहद भयावह है। कोर्ट ने अस्पष्ट बयान देने वाले राज्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

'पुष्पा' ...

आगे जहांगीर टिक नहीं सके और घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मैदान छोड़ दिया, जिसके बाद भाजपा खेमे में अबीर-गुलाल के साथ जश्न का माहौल है।

तृणमूल में आंतरिक घमासान: निशाने पर अभिषेक

जहांगीर के इस फैसले ने तृणमूल के भीतर एक बड़े गृहयुद्ध को जन्म दे दिया है। तृणमूल ने आधिकारिक बयान जारी कर इसे जहांगीर का व्यक्तिगत फैसला बताते हुए इसकी निंदा की है और आरोप लगाया है कि भाजपा की नई सरकार केंद्रीय एजेंसियों और पुलिस के दम पर उनके कार्यकर्ताओं को डरा रही है। हालांकि, पार्टी के भीतर की दरार तब उजागर हो गई जब तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने सीधे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला बोला। डायमंड हार्बर अभिषेक का गढ़ माना जाता है और जहांगीर उनके बेहद करीबी हैं। कुणाल घोष ने तंज कसते हुए पूछा कि जिसके चलने पर बॉस का बैकग्राउंड म्यूजिक बजता था, वह पुष्पा आखिर झुक क्यों गया? क्या बॉस डर गए? उधर भाजपा नेता देवजीत सरकार ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि फलता का मुकुटहीन राजा डरकर भाग खड़ा हुआ है और अब चुनाव में डीजे बजाने और भाजपा कार्यकर्ताओं को देख लेने की धमकी देने वाले अभिषेक बनर्जी जनता के सामने आने से कतरा रहे हैं। फलता का यह चुनावी आत्मसमर्पण बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद टीएमसी के बिखरते आत्मविश्वास की एक बानगी है।

हैदराबादी परिवार...

भारी रक्तस्राव (इंटरनल ब्लीडिंग) होने के कारण एक बड़ा ऑपरेशन करना पड़ा है। उनके सीने, पीठ और पैरों में भी कई गंभीर चोटें आई हैं। इस भयानक त्रासदी के बाद पीड़ित परिवार को अस्पताल के भारी-भरकम मेडिकल बिल और अंतिम संस्कार के खर्चों की दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है।

रहमान गली...

भगवान पुरा, शांति नगर और आउटफॉल रोड शामिल हैं।

शरीफ ने मिंटो पार्क (ग्रेटर इकबाल पार्क) में तीन क्रिकेट मैदानों और एक पारंपरिक अखाड़ा (कुश्ती अखाड़ा) के जीर्णोद्धार का भी प्रस्ताव रखा है, जिसे व्यापक रूप से नुकसान की भरपाई की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

उनके भाई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 2015 में पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शहरी विकास कार्यक्रम के तहत तीन ऐतिहासिक क्रिकेट मैदानों, क्रिकेट क्लबों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और एक कुश्ती अखाड़े को ध्वस्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक जैसे कई क्रिकेटरों ने मिंटो पार्क के इन क्रिकेट क्लबों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विभाजन से पहले भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ भी इन क्लबों में प्रशिक्षण लेने जाते थे। जब अमरनाथ 1978 में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ लाहौर गए, तो वह मिंटो पार्क गए और 'क्रिसेंट क्रिकेट क्लब' के खिलाड़ियों के साथ समय बिताया। वह देश के विभाजन तक इसी क्लब से खेलते थे।

मिंटो पार्क में ध्वस्त हो चुके कुश्ती के अखाड़े में कभी गूंगा पहलवान, इमाम बख्श और गामा पहलवान जैसे दिग्गज पहलवानों के मुकाबले होते थे। विभाजन से पहले हिंदू मिंटो पार्क में दशहरा का त्योहार मनाते थे।

हिंदुत्व की...

पोस्ट लिखकर बीजेपी सरकार को घेरा है। उन्होंने लिखा कि बीजेपी राम का नाम लेकर राजनीति करती है, लेकिन उनकी पुलिस श्रीरामचरितमानस हाथ में लिए वकील पर लाठी बरसाती है।

उन्होंने लिखा, भाजपा प्रभु राम का नाम अपने राजनीतिक स्वार्थ सिद्धी के लिए करती रही है। जिस प्रकार भाजपा सरकार ने हाथ में श्रीरामचरितमानस लिए हुए अधिवक्ता पर अति निंदनीय हिंसक लाठीचार्ज किया, वो भाजपा की सनातन विरोधी सोच को दर्शाता है। इससे सांस्कृतिक-संविधान रूपी हमारे इस महाकाव्य और महा-मर्यादा ग्रंथ का महा-अपमान हुआ है। भाजपा समाज में साम्प्रदायिकता फैलाती है। रामचरितमानस के बहाने बीजेपी और योगी सरकार पर हमले के साथ-साथ इस पूरे घटनाक्रम ने अखिलेश की बदलती राजनीतिक रणनीति को भी सामने ला दिया है। समाजवादी पार्टी का ब्राह्मण चेहरा मानी जाने वाली पूजा शुक्ला ने भी इस मामले को सनातन का अपमान बताते हुए कहा कि महाग्रंथ का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसलिए सपा के प्रतिनिधियों ने घायल वकील से मुलाकात की है।

ब्राह्मण राजनीति और 2027 का मास्टरप्लान

बीते कुछ वर्षों में अखिलेश यादव लगातार अपनी हिंदू पहचान को सार्वजनिक तौर पर सामने रखते दिखे हैं। सैफई में बन रहे केदारेश्वर मंदिर की तस्वीरें और भगवान शिव की पूजा करते हुए उनके परिवार की फोटो कई बार सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने खुद को ज्योतिषों के शरणागत बताते हुए कहा था कि अब वो हर काम ज्योतिष की सलाह के हिसाब से करते हैं। क्या पहनना है, कब बाहर निकलना है और कब नहीं निकलना है, यह भी ज्योतिष की सलाह से तय होता है।

सिर्फ सॉफ्ट हिंदुत्व ही नहीं, ब्राह्मण राजनीति को लेकर भी अखिलेश अब पहले से ज्यादा सतर्क नजर आते हैं। हाल ही में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने एक कार्यक्रम में ब्राह्मणों की तुलना वेश्याओं से कर दी थी। इसके बाद पार्टी के भीतर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। बताया जाता है कि राजकुमार भाटी को लखनऊ बुलाकर अखिलेश यादव ने बंद कमरे में समझाया।

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अखिलेश का यह नया चेहरा अचानक नहीं बना है। पिछले कुछ वर्षों से वह लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद संसद में नेता विपक्ष की सीट ब्राह्मण चेहरे माता प्रसाद पांडे को देना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना गया।

बीजेपी हालांकि इसे दिखावटी राजनीति करार देती है और लगातार अखिलेश को सनातन व ब्राह्मण विरोधी बताती रही है। लेकिन समाजवादी पार्टी की कोशिश साफ दिखाई दे रही है कि उसकी छवि सिर्फ अल्पसंख्यक राजनीति तक सीमित न रहे। दरअसल, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव अपनी पहचान एक समावेशी राजनीतिक विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं।

शुभेंदु ने...

साल 2020 में दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों के आरोपी शरजील इमाम ने कहा था कि अगर 5 लाख मुसलमान भी इकट्ठा हो जाएं तो चिकन नेक को बंद करके भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से पूरी तरह काटा जा सकता है। शरजील इमाम ये बात इसलिए कह रहा था, क्योंकि चिकन नेक के इलाके को मुस्लिम अक्सरियत माना जाता है। मुस्लिम अक्सरियत का मतलब ये है कि यहां मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। अब ये बात इतनी खतरनाक थी कि इसके कारण शरजील इमाम को आज तक अदालत से जमानत नहीं मिली। जबकि केंद्र सरकार ने भी ऐसी कई कोशिशें कीं, जिससे चिकन नेक का इलाका उसकी एजेंसियों और बीएसएफ को पूरी तरह मिल जाए। ममता बनर्जी को इसके लिए कई प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुईं।

पश्चिम बंगाल में सरकार बदली और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने चिकन नेक कॉरिडोर की 120 एकड़ जमीन केंद्र को सौंप दी। बीजेपी का कहना है कि कॉरिडोर के आसपास के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना जरूरी है, ताकि घुसपैठ और किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। अब ये जमीन बॉर्डर फेंसिंग, नेशनल हाइवे और सुरक्षा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए इस्तेमाल होगी। और भी सरल शब्दों में कहें तो यहां बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएफ सीमा पर बाड़ लगाएगी।

अंडरग्राउंड रेल नेटवर्क का प्लान, सुरक्षा और विकास पर फोकस

भारत सरकार इस इलाके में अंडरग्राउंड रेल नेटवर्क बना रही है ताकि भविष्य में अगर किसी आपातकालीन स्थिति में सड़क मार्ग अवरुद्ध भी हो जाए, तब भी सेना की आवाजाही जारी रहे और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों का भारत से संपर्क टूटे नहीं। पार्टी का दावा है कि नई सरकार बनने के बाद इस दिशा में तेजी से फैसले लिए जा रहे हैं। वहीं विपक्षी दलों का आरोप है कि इस मुद्दे को धार्मिक और वोटबैंक की राजनीति से जोड़कर पेश किया जा रहा है। उनका कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले सभी समुदायों के लोग देशभक्त हैं और सुरक्षा के सवाल को सांप्रदायिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

इस बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे पर केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने और अवैध घुसपैठ रोकने के लिए कई कदम उठाए जाएंगे। राजनीतिक हलकों में यह मुद्दा इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में अवैध कब्जों और कथित अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई, पुनर्मतदान और चुनावी हिंसा जैसे मुद्दों पर भी बीजेपी और टीएमसी आमने-सामने हैं।

चिकन नेक पूरे देश की सुरक्षा के लिए अहम। सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) सिर्फ पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि पूरे देश की सामरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए इस क्षेत्र में सुरक्षा, विकास और सामाजिक सौहार्द 0तीनों के बीच संतुलन बनाए रखना वर्तमान और पूर्ववर्ती सभी सरकारों के लिए बड़ी चुनौती रही है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत, बांग्लादेश के साथ 4,097 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लगभग 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक लगभग 3,240 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है और करीब 850 किलोमीटर सीमा की बाड़बंदी होनी बाकी है, जिसमें 175 किलोमीटर का दुर्गम भूभाग भी शामिल है। इस 175 किलोमीटर में से 127 किलोमीटर सीमा की फेंसिंग होनी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि ममता बनर्जी की सरकार में इस खंड में सिर्फ 8 किलोमीटर हिस्से की फेंसिंग हो पाई थी।

केंद्र सरकार ने बंगाल के सीमावर्ती जिलों में बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किमी से बढ़ाकर 50 किमी कर दिया था। यानी बीएसएफ 50 किमी तक के इलाके में तलाशी, गिरफ्तारी और जब्ती कर सकती है। तत्कालीन ममता सरकार ने इसे राज्य के मामलों में हस्तक्षेप बताया था। दिसंबर 2021 में बंगाल विधानसभा में इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया था।

पेट्रोल-डीजल...

आईओसीएल के एक सीनियर अधिकारी ने कहा है कि कंपनी उपभोक्ताओं पर असर कम करने और महंगाई को काबू में रखने के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें धीरे-धीरे बढ़ा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम जितना हो सके, उपभोक्ताओं को बचाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

इसके साथ ही अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इस बात को कहना मुश्किल है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि कंपनी के मन में ईंधन की कीमतों में कुल कितनी बढ़ोतरी करनी है, इसका अभी कोई आंकड़ा तय नहीं है। जबकि वेस्ट एशिया में युद्ध के असर की वजह से लागत तेजी से बढ़ रही है।

अधिकारी ने बताया कि, हम यह सब एक साथ नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे महंगाई पर असर पड़ेगा। हमारी कीमतें एक निर्धारित सर्कल के हिसाब से तय होती हैं और हम तिमाही मुनाफे पर ध्यान देने के बजाय उपभोक्ताओं को जितना हो सके, बचाने की कोशिश कर रहे हैं। कीमतों में कुल कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका फैसला शीर्ष स्तर पर लिया जाएगा, लेकिन वैश्विक हालात को देखते हुए यह बढ़ोतरी जरूरी थी।

आईओसीएल अधिकारी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला ग्लोबल हालात की वजह से ही लिया गया है, क्योंकि मिडिल ईस्ट में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से ईंधन की डिमांड में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है और गर्मियों के महीने में भी ईंधन की मांग मजबूत बनी रहेगी।

क्या 2022 की तरह होगी लगातार बढ़ोतरी?

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान चरम पर पहुंची कच्चे तेल की कीमतों के चलते मार्च-अप्रैल 2022 के बीच तेल कंपनियों ने लगातार 13 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे। इनमें 10 बार 80 पैसे का इजाफा किया गया था। उस समय इंडियन ऑयल ने 15 दिनों के अंदर पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई थीं। क्या वही सिलसिला फिर से देखने को मिलेगा, इसे लेकर अधिकारी ने बताया कि उनके मन में 2022 में हुई कीमतों में बढ़ोतरी से कोई तुलना नहीं है।

दूसरी ओर चार साल बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ने का जोखिम बढ़ा है। बार्कलेज का अनुमान है कि 3 रुपये प्रति लीटर की शुरुआती बढ़ोतरी के असर से सीपीआई महंगाई जून में 15 बेसिस पॉइंट और मई में 8 बेसिस पॉइंट बढ़ जाएगी।

बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक ऐतिहासिक परिवर्तन

एनएमडीसी द्वारा 25 करोड़ के वित्तीय सहयोग से बस्तर में अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूरे बस्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सुगम व बेहतर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, सोमवार को माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साईं की उपस्थिति में जगदलपुर में एक अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ अद्योगिक विकास तथा लोगों के सामाजिक उत्थान व जीवन स्तर में सुधार को गति प्रदान करने का एक प्रमुख केंद्र है। एनएमडीसी अस्पताल को चालू करने में एक सक्षम शक्ति के रूप में उभरा। उक्त क्षेत्र में 25 करोड़ का निवेश करते हुए, कंपनी ने अगले पांच वर्षों में इसी प्रकार निरंतर वित्तीय सहयोग के लिए

प्रतिबद्ध किया है, जिससे संस्थान को आत्मनिर्भर स्वास्थ्य देखभाल व चिकित्सा तंत्र विकसित करने में सहायता प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित, यह अस्पताल ऐतिहासिक रूप से बस्तर के आदिवासी समुदायों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रीय स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता को पूरा करता है, जिन्हें विशेष उपचार के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

इस क्षेत्र में सबसे उच्च और उन्नत स्तर स्वास्थ्य सेवाओं की तत्काल आवश्यकता पूरा करने के लिए , एनएमडीसी ने प्रतिष्ठित निजी स्वास्थ्य सेवा भागीदार को शामिल कर तथा वित्तीय सहायता प्रदान करके स्वास्थ्य सुविधाएं सुव्यवस्थित तरिके से सुनिश्चित की। छत्तीसगढ़ सरकार ने निजी कारपोरेट अस्पताल को प्रचालन प्रबंधन का कार्य सौंपा तथा एनएमडीसी को प्रारंभिक प्रचालन व्यय फंडिग का दायित्व सौंपा है।

जगदलपुर के डिमरापाल में स्थित, अस्पताल से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के लिए महानगरीय केंद्रों पर निर्भरता कम होने तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ में हजारों परिवारों के लिए गुण-वत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार तथा समय पर पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद की जाती है।

कई दशकों से, एनएमडीसी ने बस्तर में सामाजिक इंफ्रास्ट्रकचर के निर्माण, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा एवं शिक्षा में निवेश किया है। स्थानीय आदिवासियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए, एनएमडीसी द्वारा समर्थित अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, इस क्षेत्र की महत्वांकक्षी विकास में महत्व-पूर्ण कदम है। बस्तर के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में एक बड़ी प्रगति है जो अस्पताल वंचित समुदायों को नि:शुल्क उपचार प्रदान करेगा।

तेलंगाना में न्यूनतम वेतन संशोधन को लेकर ऑल ट्रेड यूनियन गोलमेज बैठक आयोजित, बंडारू ने उठाई आवाज

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

बंडारू वैष्णव मेमोरियल फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती बंडारू विजयलक्ष्मी के नेतृत्व में आज तेलंगाना राज्य में न्यूनतम वेतन वृद्धि की मांग को लेकर ऑल ट्रेड यूनियन गोलमेज बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय श्रम मंत्री श्री बंडारू दत्त-त्रेय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सभा को संबोधित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री दत्तात्रेय ने कहा, यदि श्रमिक और किसान दोनों खुशहाल रहेंगे, तभी राज्य समृद्ध होगा। वे समाज के निर्माण में मुख्य उत्पादक शक्तियां हैं। अपने रक्त को पसीने में बदलकर राज्य के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले श्रमिकों की उपेक्षा करना किसी भी सरकार के लिए उचित नहीं है।उन्होंने विशेष रूप से

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने याद दिलाया कि देश के कुल कार्यबल में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी 93 प्रतिशत है। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि तेलंगाना राज्य में साल 2012 के बाद से अब तक न्यूनतम वेतन में कोई संशोधन नहीं हुआ है। राज्य गठन के बाद करीब चार न्यूनतम वेतन संशोधन समितियां बनीं, लेकिन सरकार द्वारा उनकी सिफारिशों को अब तक मंजूरी न देना बेहद निराशाजनक है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बढ़ती महंगाई, आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दाम, शिक्षा-चिकित्सा के खर्च और श्रमिक परिवारों के सामाजिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम वेतन तय किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि वह तुरंत त्रिपक्षीय (ट्राईपार्टी) बैठक बुलाकर नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों और सरकारी अधिकारियों के साथ चर्चा करे और श्रमिकों की मांगों का समाधान करे। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू कामगारों (डोमेस्टिक वर्कर्स) के लिए विशेष कानून और कल्याण बोर्ड बनाने की मांग की।

इस गोलमेज बैठक में जून 2021 में जारी किए गए पांच अनुसूचित रोजगारों से संबंधित सरकारी आदेशों (जीओ) को तुरंत गजट में प्रकाशित कर लागू करने की मांग की गई:

जी.ओ.एम.एस. सं. 21 0 सुरक्षा सेवाएं, जी.ओ.एम.एस. सं. 22 – सड़कों और भवनों का निर्माण या रखरखाव, जी.ओ.एम.एस. सं. 23 – पत्थर तोड़ना और क्रशिंग

जी.ओ.एम.एस. सं. 24 0 बांध और बहुउद्देशीय परियोजन-ाओं सहित अन्य प्रोजेक्ट्स का निर्माण, जी.ओ.एम.एस. सं. 25 0 निजी मोटर परिवहन

श्री दत्तात्रेय ने सरकार से आग्रह किया कि इन 5 जीओ में अपनाई गई वेतन निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर बाकी के 68 अनुसूचित रोजगारों में भी न्यूनतम वेतन में संशोधन किया जाए। राज्य के 1 करोड़ 27 लाख असंगठित श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और न्यूनतम वेतन संशोधन को तुरंत लागू करने का आग्रह किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व स्पीकर श्री मधुसूदनाचारी, पूर्व श्रम मंत्री श्री ई. पेद्दी रेड्डी सहित प्रमुख श्रमिक संगठनों जैसे आइएनटीयूसी, एटक, बीएमएस, एचएमएस, सीटू, टीएनटीयूसी, टीआरएसकेवी और टीयूसीआई के शीर्ष नेताओं

इरिसेट में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 178 वीं बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी एवं दूरसंचार संस्थान/सिकंदराबाद में दिनांक 19.05.2026 को महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव जी की अध्यक्षता में 'इरिसेट राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 178वीं बैठक' इरिसेट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक के प्रारंभ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष शरद कुमार श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान में हो रही राजभाषा प्रगति तथा राजभाषा के प्रयोग-प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजभाषा की इस प्रगति को इसी प्रकार बनाए रखा जाए तथा इसमें और अधिक तेजी लाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने इरिसेट की अद्यतन पाठ्य-सामग्री के अनुवाद कार्यों में हो रही प्रगति पर अत्यंत संतोष व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने संस्थान को रेलवे बोर्ड एवं गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

अपर महानिदेशक श्री पी. वी. राजाशेखर ने अपने संबोधन में इरिसेट में हो रही राजभाषा प्रगति का श्रेय सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को देते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि इरिसेट को अखिल भारतीय रेल स्तर पर प्रतिवर्ष रेलमंत्री राजभाषा ट्रॉफी प्राप्त करने हेतु निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ आचार्य सिगनल-2 श्री टी. रमेश बाबू ने इस अवसर पर कहा कि सभी अधिकारी, संकाय सदस्य एवं कर्मचारी गृह मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप राजभाषा कार्यान्वयन का अनुपालन कर रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राजभाषा संबंधी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने का अनुरोध किया।

इस बैठक में इरिसेट संस्थान के सभी अधिकारी, संकाय सदस्य, अनुभाग/प्रयोगशाला प्रभारी तथा पर्यवेक्षक उपस्थित थे। बैठक के सफल आयोजन में इरिसेट राजभाषा अनुभाग की श्रीमती सल्मा शरीफ, वरिष्ठ अनुवादक तथा श्री राहुल कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक ने सराहनीय योगदान दिया।

राजभाषा अधिकारी श्री अखिलेश शर्मा ने बैठक का संचालन किया तथा कार्यान्वयन के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए राजभाषा संबंधी प्रतिवेदन पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान हैदराबाद में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में दिनांक 19.05.2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हिंदी में बेहतर संवाद, प्रभावी लेखन तथा सुसंगत चिंतन क्षमता का विकास करना था। संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं उसके व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यह त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में दो सत्रों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि संस्थान को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करने में हिंदी भाषा महत्वपूर्ण

भूमिका निभा सकती है। उन्होंने हिंदी को संस्थान के अनुसंधान कार्यों, उपलब्धियों तथा आयुष विशेषज्ञता को जन-जन तक पहुँचाने के माध्यम के रूप में उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे अपने शोध पत्रों, रिपोर्टों तथा अन्य सामग्रियों को हिंदी में भी तैयार करें ताकि संस्थान की उपलब्धियाँ आम जनमानस तक पहुँच सकें।

प्रथम सत्र: विषय 0निरीक्षण प्रश्नावली में राजभाषा नीति से संबंधित संशोधनों का विवरण। वक्ता 0डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं हिंदी प्रभारी। डॉ. अशफाक अहमद ने निरीक्षण प्रश्नावली में राजभाषा नीति से संबंधित हालिया संशोधनों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र: विषय 0संस्थान की पत्रिका 'हिंदी प्रवाह' में शामिल किए जाने योग्य विविध विषयों का व्यवस्थित एवं संक्षिप्त अवलोकन। वक्ता 0डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद)। इस सत्र में डॉ. संतोष एस. माने ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने 'हिंदी प्रवाह' पत्रिका के लिए उपयुक्त विषयों के चयन, वैज्ञानिक लेखों को सरल एवं प्रभावी हिंदी में रूपांतरण तथा लेखन की शैली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला तथा परियोजना लेखन, रिपोर्ट लेखन एवं आधिकारिक पत्राचार में हिंदी के व्यावहारिक उपयोग की तकनीकी बारीकियों को समझाया। उनके व्याख्यान से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें तथा संस्थान में राजभाषा का सुदृढ़ वातावरण बनाने में सक्रिय योगदान दें।कार्यशाला में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा दोनों सत्रों में सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई। अंत में प्रभारी सहायक निदेशक की अनुमति से राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल का जन्मदिन सेवा और सम्मान के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल का जन्मदिन बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने महेश अग्रवाल का पुष्पमालाओं एवं शुभकामनाओं के साथ अभिनंदन किया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल ने भावुक शब्दों में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जन्मदिन पर जो सम्मान, स्नेह और अपनापन मिला है, वह उनके लिए अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक परिवार है, जहां सभी सदस्य सेवा, सहयोग और संस्कारों के भाव से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के कार्यों में सभी का सहयोग उन्हें निरंतर प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल एवं रेनू गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गजानन बिडकर 'मूकनायक नेशनल अवॉर्ड 2026' से सम्मानित

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ पत्रकार एवं पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष गजानन गंगाधरराव बिडकर को नांदेड़ में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यस्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रतिष्ठित 'मूकनायक नेशनल अवॉर्ड 2026' प्रदान कर गौरवान्वित किया गया।गजानन बिडकर वर्तमान में साप्ताहिक महिमा खादी के मुख्य संपादक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पत्रकारिता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।यह सम्मान समारोह दैनिक वीर शिरोमणी तथा दैनिक एवं साप्ताहिक नंदगिरीचा कानोसा के तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अतिथियों ने गजानन बिडकर को शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं पुष्पहार भेंट कर सम्मानित किया।

पूर्व जन्मों के पुण्य से मिलता है सेवा का अवसर : अनीता जैन

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनीता जैन ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हमें इस पुनीत सेवा कार्य में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य पूर्व जन्मों के पुण्यों के प्रताप से ही प्राप्त होते हैं। जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है और राधे-राधे ग्रुप निरंतर इसी भावना के साथ समाज सेवा में जुटा हुआ है।

आज की सेवा प्रवेश जैन, लक्षिता चिंडालिया, अमरनाथ दिलीपकुमार जैन की ओर से की गई। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, तेजप्रकाश अग्रवाल, खुशी अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, जयप्रकाश सारड़ा, मीनल जैन तथा श्रद्धा गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना देखने को मिली। उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मानव सेवा के कार्य जारी रखे जाएंगे।

जल जीवन मिशन राष्ट्रीय स्तर की WaSH पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में

ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल के विद्यार्थियों की शानदार सफलता

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जल है तो कल है- इसी प्रेरणादायी संदेश को अपनी कल्पनाशीलता और सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से साकार करते हुए ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल के विद्यार्थियों ने भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित जल जीवन मिशन 0 स्वच्छ सुजल गाँव (WaSH) पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता एवं सतत विकास के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने रंगों, विचारों और संदेशों के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि नई पीढ़ी न केवल जागरूक है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

विद्यालय परिवार अपने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है।

यह सफलता उनके अथक परिश्रम, रचनात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। विद्यालय के आदरणीय प्रधानाचार्य श्री वी.एस. प्रशांत के प्रेरणादायी नेतृत्व, सतत मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया है। इस उपलब्धि में विद्यालय के कला शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं परिश्रम सराहनीय रहा।

विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती के. मधुबाला, सहायक क्षेत्रीय अधिकारिणी श्रीमती के. आनंदवल्ली, प्रधानाचार्य वी.एस. प्रशांत, एल.एम.सी. (बी.डी.एल. एवं मिधानि) के सदस्यगण, शिक्षक एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों को इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

श्री महावीर जैन साधार्मिक सहायता फंड की आम सभा सम्पन्न:

सर्वसम्मति से देवीलाल सुखलेचा अध्यक्ष, बालुराम दलाल मंत्री नियुक्त

बेंगलोर, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म.सा. की प्रेरणा से स्थापित श्री महावीर जैन साधार्मिक सहायता फंड, बेंगलोर-21 की आम सभा का आयोजन श्रीरामपुरम् स्थित पवन प्रिन्ट्स कार्यालय में सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। फंड के अध्यक्ष श्री सुवालाल दक, मार्गदर्शक श्री धर्मचन्द बम्बकी, सदस्य श्री सम्पतराज गुगलिया आदि के निधन पर एक श्रद्धांजलि के ध्यान से आत्मीय भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सभा में देवीलाल सुखलेचा ने संघ की गतिविधि प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज से 32 वर्ष पूर्व उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म.सा. ने समाज के असमर्थ वर्ग की दशा पर चिंतन-मनन कर अपने उद्बोधन एवं आशीर्वाद से बेंगलोर के उपनगर श्रीरामपुरम् में 21 ट्रस्टियों से इस फंड का सुचारू रूप से गठन किया। जिसका मुख्य उद्देश्य प्राप्त रकम के ब्याज से हर वर्ष समाज के असहाय-असमर्थ-कमजोर साधार्मिक बंधुओं की यथासंभव सहायता करना है। सहायता का यह क्रम निर्बाध गति से उत्त-रोत्तर आगे से आगे बढ़ रहा है।

श्री संतोषकुमार दक ने संघ का आय-व्यय प्रस्तुत किया। सहायतार्थ आए पत्रों पर विचार-विमर्श कर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव पारित हुआ, उन्हें शीघ्र रकम भेजने की व्यवस्था की जाएगी। आगामी कार्यकाल के लिए मार्गदर्शक श्री गणेशमल गुगलिया ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति से अध्यक्ष श्री देवीलाल सुखलेचा, उपाध्यक्ष श्री महावीरकुमार दक, मंत्री श्री बालुराम दलाल एवं कोषाध्यक्ष श्री संतोषकुमार दक के नाम की घोषणा की। सभी ने प्रभु महावीरस्वामी की जय और उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म.सा. की जय बोलकर हर्ष प्रकट किया। अध्यक्ष सुखलेचा ने श्री गणेशमलजी गुगलिया के साथ श्री तेजराजजी खिवेंसरा एवं श्री जी. ताराचन्दजी गुगलिया को मार्गदर्शक नियुक्त किए।

अध्यक्ष श्री देवीलाल सुखलेचा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आप सबका साथ, सबका विकास, साधार्मिक बंधुओं के उत्थान में सहयोग की कामना एवं सभी पदाधिकारियों ने संस्था के उद्देश्य एवं सामाजिक दायित्व के प्रति निष्ठा पूर्वक कार्य करने का संकल्प किया एवं अपनी ओर से अच्छी दान की राशि की घोषणा भी की। संघ मंत्री श्री बालुराम दलाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री देवीलाल सुखलेचा के मांगलिक से सभा पूर्ण हुई।

बांध परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तय की समय-सीमा, पिछली सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को मंत्रियों और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आवश्यक भूमि का जल्द से जल्द अधिग्रहण कर पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना और तत्कालीन महबूबनगर जिले की अन्य सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं के काम में तेजी लाएं।

महबूबनगर जिले के मंत्रियों और विधायकों के साथ सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्राथमिकता के आधार पर पीआरए-लआईएस को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पहले चरण में नागरकुरनूल, महबूबनगर, नारायणपेट, विकाराबाद, रंगारेड्डी और नलगोंडा जिलों के 1,226 गांवों को पीने के पानी की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार 12.3 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई की सुविधा प्रदान करने के लिए इससे जुड़ी अन्य परियोजनाओं को पूरा करने की दिशा में भी काम कर रही है।

बीआरएस सरकार पर लगाया जनता को गुमराह करने का आरोप

रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं के उन दावों की कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि उनके 10 साल के कार्यकाल के दौरान पीआरए-लआईएसका 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका था। उन्होंने इस अभियान को झूठा और जनता को गुमराह करने वाला बताया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने परियोजना के 'ऑफटेक पॉइंट' (पानी लेने का स्थान) को जुराला से श्रीशैलम जलाशय में स्थानांतरित करके इस प्रोजेक्ट को भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किए बिना ही वितरण नेटवर्क (डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क) के लिए निविदाएं (टेंडर्स) आमंत्रित कर दी थीं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर दौरों (फील्ड विजिट) को बढ़ाएं और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक धनराशि जारी करेगी और परियोजनाओं से जुड़े सभी लंबित बिलों का भुगतान करेगी। इसके साथ ही, जिले के प्रभारी मंत्रियों को संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें करने और पालमूरु क्षेत्र की परियोजनाओं की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए गए। इस उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव और वाकिती श्रीहरि, सरकारी व्हिप येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, विधायक कसिरेड्डी नारायण रेड्डी, मधुसूदन रेड्डी, मेघा रेड्डी, राकेश रेड्डी, वामसी कृष्णा, वीरलापल्ली शंकरय्या और बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी के साथ मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव भी उपस्थित थे।

जुराला परियोजना के जीर्णोद्धार के लिए भेजे गए प्रस्ताव: उत्तम कुमार रेड्डी

बाद में, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने भी महबूबनगर जिले के मंत्रियों और विधायकों के साथ एक बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पालमूरु जिले की लंबित परियोजनाओं को देवाडुला, एसएलबीसी और सीताराम परियोजनाओं के तर्ज पर पूरा करना है ताकि क्षेत्र को प्रचुर मात्रा में सिंचाई और पीने का पानी मिल सके। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान महबूबनगर जिले के साथ हुए अन्याय को ठीक करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि कार्यों में तेजी लाने के लिए अगले 15 दिनों के भीतर एक और विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को तत्कालीन जिले की सभी सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। जुराला परियोजना का जिक्र करते हुए सिंचाई मंत्री ने बताया कि भारी गाद (मिट्टी) जमा होने के कारण इसकी जल भंडारण क्षमता घटकर 8 टीएमसी फीट से भी कम हो गई है। उन्होंने कहा कि भंडारण क्षमता में सुधार के लिए बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना के तहत गाद निकालने (डीसिल्टेशन) के कार्यों के प्रस्ताव भेजे गए हैं। मंत्री ने अधिकारियों को मानसून सीजन शुरू होने से पहले छोटे सिंचाई तालाबों से भी गाद निकालने का काम शुरू करने का निर्देश दिया।

जीएचएमसी चुनावों के बाद तेलंगाना में भाजपा सबसे मजबूत ताकत बनकर उभरेगी: रामचंदर

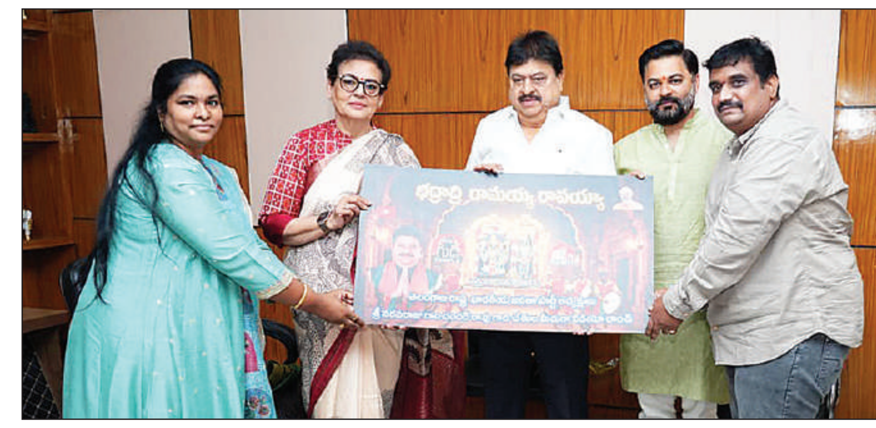

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने मंगलवार को कहा कि आने वाले ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों में पार्टी की जीत राज्य में भाजपा सरकार बनने का रास्ता साफ करेगी।

श्री राव ने राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के साथ आज यहां एक बैठक में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सितंबर या अक्टूबर में होने वाले जीएचएमसी चुनावों से पहले बूथ स्तर पर अनुशासन, एकता और पूरे फोकस के साथ काम करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद जीएचएमसी वार्डों की संख्या बढ़कर 300 हो गई है और आगे बढ़कर 350 हो सकती है। वर्ष 2020 के जीएचएमसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की मिली-जुली ताकत का सामना करने के बावजूद अकेले 48 सीटें जीती थीं।

प्रदेश अध्यक्ष ने साफ किया कि पार्टी टिकट सिर्फ उन मेहनती नेताओं को दिए जाएंगे जिनका जनता से मजबूत जुड़ाव हो और चेतावनी दी कि समूह राजनीति और अंदरूनी मतभेद बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सर्वे, जनता में उनकी स्वीकार्यता और जीतने की संभावना उम्मीदवार चुनने में अहम भूमिका निभाएगी।

यह दावा करते हुए कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई नेता भाजपा में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं, उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी जीएचएमसी इलाके में प्रस्तावित तीनों नगर निगमों में जीत हासिल करेगी और तेलंगाना में सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत के तौर पर उभरेगी। जीएचएमसी की सीमा से भाजपा के वरिष्ठ नेता, संभागीय अध्यक्ष और कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए।

तेलंगाना में कई स्थानों पर तेज रफ्तार हवाओं के साथ बिजली गिरने के आसार: मौसम विभाग

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना के नालगोंडा, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर और नागरकूर्नूल जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के चलने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने मंगलवार को अपने दैनिक विवरण में कहा कि बुधवार को भी नलगोंडा, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, महबूबनगर, नागरकूर्नूल, वनपर्ति, नारायणपेट और जोगुलम्बा गदवाल जिलों में ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं।

अगले 48 घंटों के दौरान तेलंगाना में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के अनुमान हैं। विभाग ने यह भी अनुमान जताया है कि अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। राज्य में 21 से 25 मई तक मौसम शुष्क रहने और अगले तीन दिनों के दौरान तेलंगाना के कुछ इलाकों में लू चलने के भी आसार हैं।

विवरण में बताया गया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई।

इसी अवधि के दौरान आदिलाबाद में सबसे अधिक तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एडलुरी लक्ष्मण ने अरविंद पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री रेड्डी का किया बचाव

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सामाजिक कल्याण मंत्री एडलुरी लक्ष्मण कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद धर्मपुरी अरविंद की टिप्पणी की निंदा करते हुए भाजपा पर किसानों से जुड़े मुख्य मुद्दों को सुलझाने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

श्री लक्ष्मण ने गांधी भवन में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि श्री अरविंद का राजनीतिक सफर खुद कांग्रेस पार्टी से शुरू हुआ और कहा कि कांग्रेस भाजपा की तरह काम नहीं करती। सामाजिक कल्याण मंत्री ने मुख्यमंत्री का बचाव करते हुए कहा कि वे अपने ही छोटे भाइयों के बारे में बोल रहे थे और सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेताओं को निजामाबाद के अत्याचारों पर बोलने का हक नहीं है। उन्होंने श्री अरविंद को चुनौती दी कि वे केंद्र सरकार को मक्के के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए मनाएं और भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि वे 2014 से केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद धान की खरीद और किसानों के मुद्दों पर चुप हैं।

श्री लक्ष्मण ने कहा कि श्री रेवंत रेड्डी मामूली शुरुआत से उठे और लोगों का भरोसा जीतकर और एक ऐसी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराकर एक मजबूत राजनीतिक नेता के रूप में उभरे जो लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य बना रही थी।

श्री लक्ष्मण ने बीआरएस के नेता जी जगदीश रेड्डी का जवाब देते हुए कहा कि अगर कोई कांग्रेस नेता बीआरएस के संपर्क में है, तो जगदीश रेड्डी को उनके नाम सार्वजनिक करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने लोगों से किए गए छह गारंटियों में से चार को पहले ही लागू कर दिया है और भरोसा दिलाया कि बाकी दो गारंटियां भी जल्द ही पूरी की जाएंगी।

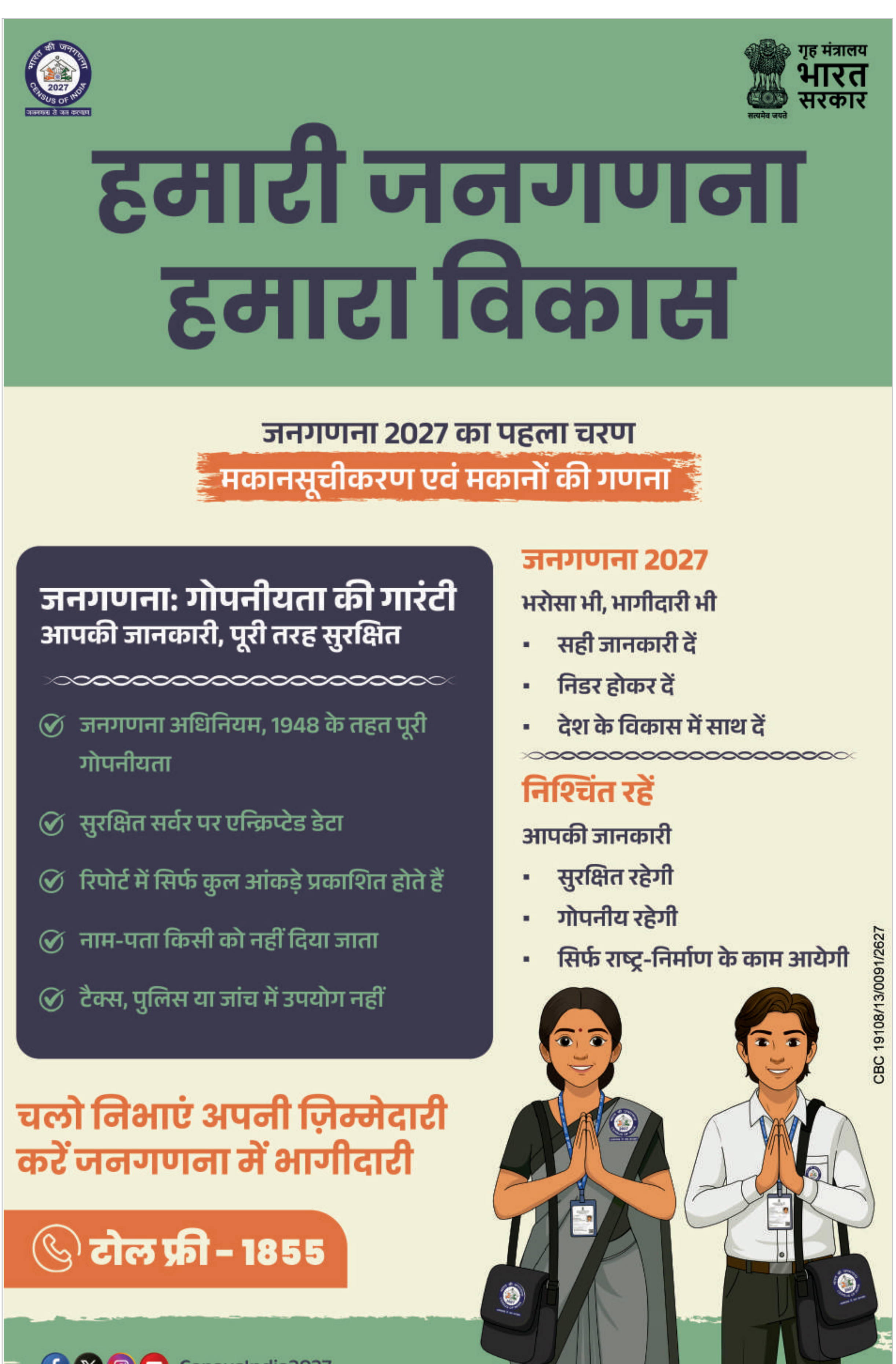

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.